



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 19]

नई दिल्ली, शनिवार, मई 12, 1990/वैशाख 22, 1912

No. 19]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 12, 1990/VAISAKHA 22, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (II) PART II—Section 3—Sub-Section (II)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएं
Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence)

विधि और न्याय मंत्रालय
(विधि कार्य विभाग)
सूचनाएं

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1990

का.आ. 1300—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री आई.एन. चारी, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे गुजरात और आन्ध्र प्रदेश राज्यों में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(15)/90-न्या.]

that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri I. N. Chary, Advocate for appointment as a Notary to practise in Gujarat and Andhra Pradesh States.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(15)/90-Judl.]

का.आ. 1301—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री कर्म चन्द एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे जगधरी हरियाणा में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(16)/90-न्या.]

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Department of Legal Affairs)

NOTICES

New Delhi, the 5th April, 1990

S.O. 1300.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956,

S.O. 1301.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Karam Chand, Advocate for appointment as a Notary to practise in Jagadhari, Haryana.

(1583)

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(16)/90-Judl.]

का.आ. 1302—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री राम कुमार भट्ट, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे बीसवान, सीतापुर, उ.प्र. में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(4)/90—न्या.]

S.O. 1302.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Ravi Kumar Bhatt, Advocate for appointment as a Notary to practise in Biswail Sitapur, (U.P.).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(14)/90-Judl.]

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1990

का.आ. 1303—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री गुलजारी लाल जसूजा, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे श्री गंगा नगर, राजस्थान, व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के 14 दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(17)/90—न्या.]

New Delhi, the 6th April, 1990

S.O. 1303.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Guljarilal Jasneja, Advocate for appointment as a Notary to practise in Sriganganagar, (Rajasthan).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(17)/90-Judl.]

का.आ. 1304—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री नन्दलाल शर्मा, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे जिला चुरू (राजस्थान) में व्यवसाय करने के

लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(18)/90—न्या.]

S.O. 1304.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Nandlal Sharma, Advocate for appointment as a Notary to practise in Distt. Churu, (Rajasthan).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(18)/90-Judl.]

नई दिल्ली, 12 अप्रैल, 1990

का.आ. 1305 :—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री सी. शिवाबास्पा, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे मैसूर जिला में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5/19/90—न्या.]

New Delhi, the 12th April, 1990

S.O. 1305.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri C. Shivabarappa, Advocate for appointment as a Notary to practise in Mysore Distt.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(19)/90-Judl.]

का.आ. 1306 :—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री आरविन्द नरेन्द्र पाटील एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे बेलगाम जिला में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(20)/90—न्या.]

S.O. 1306.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Arawind Narendra Patel, Advocate for appointment as a Notary to practise in Belgaum Distt.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(20)/90-Judl.]

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 1990

सूचना

का. आ. 1307 :—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री राकेश कुमार वार्ष्णेय ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे देहरादून (ऋषिकेश) उ. प्रदेश, व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास जा जाए।

[सं. 5(79)/89-न्या.]

New Delhi, the 18th April, 1990

NOTICE

S.O. 1307.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Rakesh Kumar Varshney, Advocate for appointment as a Notary to practise in Rishikesh Distt., Dehradun, (U.P.).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(79)/89-Judl.]

नई दिल्ली, 20 अप्रैल, 1990

का. आ. 1308:—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री मोहमद इकबाल खान, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे खुरजा, जिला बुलन्दशहर उ. प्रदेश व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(25)/90 न्या.]

New Delhi, the 20th April, 1990

S.O. 1308.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Mohd. Iqbal Khan, Advocate for appointment as a Notary to practise in Khurja, Distt., Bulandshar, (U.P.).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(25)/90-Judl.]

का. आ. 1319:—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री रणधीर सिंह एडवोकेट, ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे फरीदाबाद, हरियाणा, व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(24)/90 - न्या.]

S.O. 1309.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Shri Randhir Singh, Advocate for appointment as a Notary to practise in Faridabad, Haryana.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(24)/90-Judl.]

का. आ. 1310 :—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री अशोक कुमार व्यास, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे बीकानेर राजस्थान, में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (26)/90-न्या.]

S.O. 1310.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Ashok Kumar Vyas, Advocate for appointment as a Notary to practise in Bikaner, (Rajasthan).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(26)/90-Judl.]

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1990

का. आ. 1311 :—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री रामेश्वर प्रसाद मीना, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे जयपुर, राजस्थान, राज्य में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (22)/90-न्या.]

New Delhi, the 23rd April, 1990

S.O. 1311.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Rameshwar Meena, Advocate for appointment as a Notary to practise in Jaipur, (Rajasthan).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(22)/90-Judl.]

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1990

का. आ. 1312 :—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री नरेन्द्र वर्मा, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे जलन्धर पंजाब में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (21)/90-न्या.]

New Delhi, the 24th April, 1990

S.O. 1312.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Narinder Verma, Advocate for appointment as a Notary to practise in Jullundur, (Punjab).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(21)/90-Judl.]

का. आ. 1313 :—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री विजय कुमार अग्रवाल एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे दिल्ली में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(5)/90-न्या.]

S.O. 1313.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Shri Vijay Kumar Aggarwal, Advocate for appointment as a Notary to practise in Union Territory of Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(5)/90-Judl.]

का. आ. 1314 :—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्रीमति मंजू भटनगर एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे भोगल नई दिल्ली में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (27)/90-न्या.]

S.O. 1314.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Mrs. Manju Bhatnagar, Advocate for appointment as a Notary to practise in Bhogal, New Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(27)/90-Judl.]

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, 1990

का. आ. 1315 :—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि कुमारी माला शर्मा एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे दिल्ली केन्द्र शास्ति प्रदेश में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5 (23)/ 90-न्या.]

के. एल. शर्मा, सक्षम प्राधिकारी

New Delhi, the 25th April, 1990

S.O. 1315.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of rule 6 of the Notaries, 1956, that application has been made to the said Authority, under rule 4 of the said Rules, by Mrs. Mala Sharma, Advocate for appointment as a Notary to practise in Union Territory of Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this Notice.

[No. F. 5(23)/90-Judl.]

K. L. SHARMA, Competent Authority

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1990

का. आ. 1316 :—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पुलिस थाना चडूरा, जिला बुड़गाम में 23-3-90 की प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 16/1990 के अंतर्गत रजिस्टर किए गए, जिला बुड़गाम में मोर मुस्तफा, पूर्व विधायक की हत्या के बाबत आतंकवादी और विध्वंसकारी क्रियाकलाप (निवारण), अधिनियम, 1987 (1987 का 28) की धारा 3 और 4, रनबीर दण्ड संहिता के धारा 302, 364, 392, भारतीय शस्त्र अधिनियम, 1959 (1959 का 54) की

धारा 25 के अधीन दण्डनीय अपराधों और उक्त अपराधों और उन्हीं तथ्यों से उत्पन्न होने वाले वैसे ही संव्यवहार के अनुक्रम में किए गए किन्हीं अन्य अपराधों, के संबंध में या उनसे संसन्त प्रयत्नों, दुष्प्रेरणों और षड्यंत्रों के अन्वेषण के लिए, जम्मू-कश्मीर सरकार की सहमति से, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तारण सम्पूर्ण जम्मू-कश्मीर राज्य पर करती है।

[संख्या 228/3/90-ए. बी. डी. (II)]

MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCES AND PENSIONS

(Department of Personnel and Training)

ORDER

New Delhi, the 6th April, 1990

S.O. 1316.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946) the Central Government, with the consent of the State Government of Jammu and Kashmir hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Jammu and Kashmir for investigation of offences as hereunder:—

- (a) Offences punishable under sections 3 and 4 of the Terrorists and Disruptive Activities (Prevention) Act 1987 (Act No. 28 of 1987), Section 25 of Indian Arms Act 1959 (Act 54 of 1959), Sections 302, 364, 392 of Ranbir Penal Code with regard to the terrorist and disruptive activities committed in connection with FIR No. 16 of 1990 dated 23-3-90 at Police Station Chadura, District Budgam relating to the murder of Mir Mustaffa, Ex-MLA.
- (b) Attempts, abetments and conspiracies in relation to or in connection with one or more of the offences mentioned above and any other offence or offences committed in the course of the same transaction arising out of the same facts.

[No. 228/3/90-AVD-II]

आदेश

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 1990

का. आ. 1317 :—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का अधिनियम सं. 25) की धारा 6 के साथ पठित, धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अधिसूचना का. आ. सं. 3/सी 4-10649/86-एच (पी) 350 तारीख 16 जनवरी, 1990 के अनुसार बिहार राज्य की सहमति से निम्नलिखित अपराधों के अन्वेषण के लिए दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तारण सम्पूर्ण बिहार राज्य पर करती है:

- (क) भारतीय दण्ड संहिता की धारा 302/201/34 (1860 की धारा 45) के अधीन दण्डनीय अपराध और बिहार राज्य में दरियापुर (डेरनी) स्थित पुलिस थाने में रजिस्ट्रीकृत, ग्राम पिरारी, थाना डेरनी, जिला छपड़ा, सरन (बिहार)

के निवासी श्री राजेश्वर शाह की पत्नी श्रीमती गीता देवी की हत्या से संबंधित अपराध सं. 89/86 तारीख 7-8-86 का वाचन किमी संव्यवहार के अनुक्रम में किया गया कोई अन्य अपराध।

- (ख) ऊपर उल्लिखित एक या अधिक अपराधों के संबंध में या उनसे संयुक्त प्रयत्न, दुष्प्रेरण और षड्यंत्र तथा उन्हीं तथ्यों से उत्पन्न होने वाले वैसे ही संव्यवहार के अनुक्रम में किया गया कोई अपराध या किए गए कोई अपराध।

[सं० 228/32/89-ए. बी. डी. -II]

ORDER

New Delhi, the 10th April, 1990

S.O. 1317.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5, read with section 6, of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946) the Central Government, with the consent of the State Government of Bihar, hereby extends the powers and Jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Bihar for investigation of offences as hereunder :—

- (a) Offences punishable under Section 302/201/34 Indian Panel Code (Act 45 of 1860) and any other offences committed in the course of any transaction in regard to Crime No. 89/86 dated 7-8-1986 relating to murder of Smt. Geeta Devi, wife of Shri Rajeshwar Shah, Resident of Village Pirari, Thana Durni, District Chapra, Saran (Bihar), registered at P. S. Daryapur (Darni) in the State of Bihar.
- (b) Attempts, abetments and conspiracies in relation to or in connection with one or more of the offences mentioned above and any other offence or offences committed in the course of the same transaction arising out of the same facts.

[No. 228/32/89-AVD.II]

आदेश

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 1990

का. आ. 1318 :—केन्द्रीय सरकार, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन अधिनियम, 1946 (1946 का 25) की धारा 6 के साथ पठित धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पुलिस थाना शहीद-गंज, जिला श्रीनगर में 19-3-90 की प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 49/1990 के अंतर्गत रजिस्टर किए गए, जिला श्रीनगर में बालकिशन गंजू की हत्या के बाबत आतंकवादी और विध्वंसकारी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम 1987 (1987 का 28) की धारा 3, रनबीर दण्ड संहिता के धारा 302, 452 भारतीय शस्त्र अधिनियम 1959 (1959 का 54) की धारा 3 और 25 के अधीन दण्डनीय अपराधों और उक्त अपराधों और उन्हीं तथ्यों से उत्पन्न होने वाले वैसे ही संव्यवहार के अनुक्रम में किए गए किन्हीं अन्य अपराधों, के संबंध में या उनसे संसन्त प्रयत्नों, दुष्प्रेरणों और षड्यंत्रों के अन्वेषण के लिए,

जम्मू-कश्मीर सरकार की सहमति से, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापन के सदस्यों की शक्तियों और अधिकारिता का विस्तारण सम्पूर्ण जम्मू-कश्मीर राज्य पर करती है।

[सं. 228/3/90-ए. वी. डी. (II)]

जी. सीतारामन, अव्वर सचिव

ORDER

New Delhi, the 18th April, 1990

S.O. 1318.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 read with section 6 of the Delhi Special Police Establishment Act, 1946 (Act No. 25 of 1946) the Central Government, with the consent of the State Government of Jammu and Kashmir, hereby extends the powers and jurisdiction of the members of the Delhi Special Police Establishment to the whole of the State of Jammu and Kashmir for investigation of offences as hereunder:—

- (a) Offences punishable under section 3 of the Terrorist and Disruptive Activities (Prevention) Act 1987 (Act 28 of 1987), Sections 302 and 452 of Ranbir Penal Code, Sections 3 and 25 of the Indian Arms Act 1959 (Act 54 of 1959) with regard to the terrorist and disruptive activities committed in connection with FIR No. 49 of 1990 dated 19-3-90 of Police Station Shaheed Gunj, District Srinagar, relating to the murder of Shri Bal Kishan Ganjoo.
- (b) Attempts, abetments and conspiracies in relation to or in connection with one or more of the offences mentioned above and any other offence or offences committed in the course of the same transaction arising out of the same facts.

[No. 228/3/90-AVD.II]

G. SITARAMAN, Under Secy.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

नई दिल्ली, 22 फरवरी, 1990

(आयकर)

का. आ. 1319 :—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “तख्त सचखण्ड श्री हजूर अब्बल नगर साहिब, नांदेड़ (महाराष्ट्र)” को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 1988-89 और 1989-90 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 8580/फा. सं. 197/193/89-आ. कर (नि.-1)]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 22nd February, 1990

(INCOME-TAX)

S.O. 1319.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Takhat Sachkhand Sri Hazur Abchalnagar Sahib, Nanded, (Maharashtra)” for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1988-89 and 1989-90.

[8580/F. No. 197/193/89-ITA. II]

(आयकर)

का. आ. 1320 :—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “श्री विठ्ठलदास ठाकर से चैरिटेबल ट्रस्ट, बम्बई” को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 1989-90 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 8585/फा. सं. 197/260/89-आ. कर (नि.-1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 1320.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Sir Vithaldas Damador Thackersey Charitable Trust, Bombay” for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8585/F. No. 197/260/89-ITA.I]

का. आ. 1321 :—आयकर अधिनियम, (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री “सिद्ध गंगा मुठ, तुमकर, कर्नाटक” को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 1989-90 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 8584/फा. सं. 197/3/90-आ. कर (नि.-1)]

(INCOME-TAX)

S.O. 1321.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Sree Siddaganga Mutt, Tumkur, Karnataka” for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8584/F. No. 197/3/90-ITA.I]

(आयकर)

नई दिल्ली, 2 मार्च, 1990

का. आ. 1322 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) उपखंड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा “अरुलमीगु सुब्रामनिया स्वामी थीरुकोइल, तीरुचेन्दुर तमिलनाडु, को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 1985-86 से 1989-90 के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 8590/फा. सं. 197/18/88-आ. कर (नि.-1)]

New Delhi, the 2nd March, 1990

(INCOME-TAX)

S.O. 1322.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies “Arulmigu Subramania Swami Thirukoil, Tiruchendur, Tamilnadu” for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1985-86 to 1989-90.

[No. 8590/F. No. 197/18/88-IT(A1)]

नई दिल्ली, 15 मार्च, 1990

New Delhi, the 20th March, 1990

(आयकर)

(INCOME-TAX)

का. आ. 1323 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "मार थोमा सीरियन चर्च आंफ मालाबार, तिरुवाला केरल" को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 1989-90 के लिए अधिसूचित करती है।

S.O. 1325.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shri Bahubali Brahmacharyashram, Bahubali" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1986-87 to 1989-90.

[No. 8610/F. No. 197/244/87-ITA.I]

(आयकर)

नई दिल्ली, 23 मार्च, 1990

[सं. 8601/फा. सं. 197/208/89-आ. कर (नि.-1)]

New Delhi, the 15th March, 1990

(INCOME-TAX)

S.O. 1323.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Mar Thoma Syrian Church of Malabar, Tiruvalla, Kerala" for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8601/F. No. 197/208/89-ITA.I]

(आयकर)

का. आ. 1324 :— आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "हजरत पीर मोहम्मद शाह दरगाह शरीफ ट्रस्ट, अहमदाबाद" को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 1989-90 के लिए अधिसूचित करती है।

का. आ. 1326 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "श्री गुरु भोलानन्दा आश्रम, बैरकपूर, पश्चिम बंगाल" को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 1987-88 से 1989-90 तक के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 8613/फा. सं. 197/261/89-आ. कर (नि.-1)]

New Delhi, the 23rd March, 1990

(INCOME-TAX)

S.O. 1326.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sri Guru Bholananda Ashram, Barrackpore, West Bengal" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1987-88 to 1989-90.

[No. 8613/F. No. 197/261/89-ITA.I]

(आयकर)

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1990

[सं. 8600/फा. सं. 197/59/89-आ. कर (नि.-1)]

(INCOME-TAX)

S. O. 1324.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby notifies "Hazarat Pir Mohammad Shah Dargah Sharif Trust, Ahmedabad" for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8600/F. No. 197/59/89-ITA.I]

(आयकर)

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1990

का. आ. 1325 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "श्री बहुबली ब्रह्मचर्य आश्रम, बहुबली" को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 1986-87 से 1989-90 के लिए अधिसूचित करती है।

का. आ. 1337 :—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "श्री श्री जगद्गुरु शंकराचार्य महासमस्थानम् दक्षिणामनाथ श्री शारदा पीठम् श्रींगरी, कर्नाटक" को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 1989-90 के लिए अधिसूचित करती हैं।

[सं. 8625/फा. सं. 197/17/89 आ. कर (नि. 1)]

New Delhi, the 30th March, 1990

(INCOME-TAX)

S.O. 1327.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Sri Sri Jagadguru Shankaracharya Mahasamsathanam Dakshinamnaya Sri Sharada Peetham, Sringeri, Karnataka" for the purpose of the said sub-clause for the assessment year 1989-90.

[No. 8625/F. No. 197/17/89-ITA.I]

[सं. 8610/फा. सं. 197/244/87-आ. कर (नि.-1)]

(आयकर)

का. आ. 1328:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 के खंड (23-ग) के उपखंड (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "श्री बद्रीनाथ एवं श्री केदारनाथ मंदिर कमेटी" को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ कर निर्धारण वर्ष 1988-89 तथा 1989-90 तक के लिए अधिसूचित करती है।

[सं. 8629/फा. सं. 197/239/89-आ. कर (नि.-1)]

दलीप सिंह, विशेष कार्य अधिकारी

(INCOME-TAX)

S.O. 1328.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (v) of clause (23C) of section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies "Shri Badrinath & Shri Kedar Nath Temple Committee" for the purpose of the said sub-clause for the assessment years 1988-89 and 1989-90.

[No. 8629/F. No. 197/239/89-ITA.I]

DALIP SINGH, Officer on Special Duty

(आयकर)

नई दिल्ली, 20 मार्च, 1990

का. आ. 1329:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80छ की उपधारा (2) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "श्री करी वरदराजा पेरुमल मन्दिर मद्रास" को उक्त धारा के प्रयोजनार्थ तमिलनाडु राज्य में पुरातत्वीय महत्व के रूप में अधिसूचित करती है।

[सं. 8612/फा. सं. 176/59/89-आ. कर (नि.-1)]

New Delhi, the 20th March, 1990

(INCOME-TAX)

S.O. 1329.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (2) of section 80G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Sri Kari Varadaraja Perumal Temple, Madras" as one of archaeological importance in the State of Tamilnadu for the purpose of the said section.

[No. 8612/F. No. 176/59/89-ITA.I]

(आयकर)

नई दिल्ली, 30 मार्च, 1990

का. आ. 1330:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80छ की उपधारा (2) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा "अरुलमिघु बालासुब्रमण्यमस्वामी देवस्थानम्, उट्टीरमेरु, तमिलनाडु" को उक्त उपखंड के प्रयोजनार्थ तमिलनाडु, आन्ध्र प्रदेश और कर्नाटक के राज्यों में जनता के

लिए एक विख्यात पूजा-स्थल के रूप में अधिसूचित करती है।

[सं. 8620/फा. सं. 176/44/88-आ. कर (नि.-1)]

आनन्द किशोर, अवर सचिव

New Delhi, the 30th March, 1990

(INCOME-TAX)

S.O. 1330.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (2) of section 80G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby notifies the "Arulmighu Balasubramanyaswamy Devasthanam, Uttiramerur, Tamilnadu" to be a place of public worship of renown throughout the States of Tamilnadu, Andhra Pradesh and Karnataka for the purpose of the said section.

[No. 8620/F. No. 176/44/88-ITA.I]

ANAND KISHORE, Under Secy.

(आयकर)

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 1990

का. आ. 1331:—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 193 के परन्तुक के खंड (IIख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, बम्बई द्वारा जारी किए गए "11.5% भारतीय औद्योगिक विकास बैंक बंधपत्र 2009 (54वीं श्रृंखला)" को एतद्वारा उक्त खंड के प्रयोजनार्थ विनिर्दिष्ट करती है।

बशर्ते कि उक्त परन्तुक के अन्तर्गत लाभ इस प्रकार के बंधपत्रों के अन्तरण के मामले में पृष्ठांकन अथवा वितरण द्वारा उस स्थिति में अनुमत्य होगा, यदि अन्तरिती इस प्रकार से 60 दिन की अवधि के भीतर भारतीय औद्योगिक विकास बैंक को रजिस्टर्ड डाक द्वारा सूचित करेगा।

[संख्या 8630/फा. सं. 275/152/89-आयकर (बजट)]

बी. ई. एलैक्जेंडर, अवर सचिव

New Delhi the 3rd April, 1990

(INCOME-TAX)

S.O. 1331.—In exercise of the powers conferred by clause (iib) of the proviso to section 193 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby specifies "11.5% IDBI BONDS 2009 (54th Series)" issued by the Industrial Development Bank of India, Bombay for the purpose of the said clause :

Provided that the benefit under the said proviso shall be admissible in the case of transfer of such bonds by endorsement or delivery only if the transferee informs the Industrial Development Bank of India by registered post within a period of sixty days of such transfer.

[No. 8630/F. No. 275/152/89-IT(B)]

B. E. ALEXANDER, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 4 अप्रैल, 1990

स्टाम्प

का. आ. 1332:—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा महाराष्ट्र राज्य वित्त निगम, बंबई को तीन लाख, इकहत्तर हजार दो सौ पचास रुपये मात्र के उस समेकित स्टाम्प शुल्क का भुगतान करने की अनुमति देती है, जो उक्त निगम द्वारा जारी किए जाने वाले कुल चार करोड़ पित्तानवे लाख रुपये मूल्य के स्टाम्प-पत्रों के रूप में "11.50 प्रतिशत महाराष्ट्र राज्य वित्त निगम बंध-पत्र-2009 (56 वीं श्रृंखला)" पर स्टाम्प शुल्क के कारण प्रभाय है।

[सं. 15/90-स्टाम्प-फा. सं. 33/21/90-बिक्रीकर]

ORDER

New Delhi, the 4th April, 1990

STAMPS

S.O. 1332.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of Sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the Maharashtra State Financial Corporation, Bombay to pay consolidated stamp duty of rupees three lakhs, seventy one thousand two hundred and fifty only, chargeable on account of the stamp duty on "11.50% Maharashtra State Financial Corporation Bonds-2009 (56th Series)" in the form of debentures, of the total value of rupees four crores and ninety five lakhs to be issued by the said corporation.

[No. 15/90-Stamps-F. No. 33/21/90-ST]

आदेश

स्टाम्प

का. आ. 1333:—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उस शुल्क को माफ करती है जो तमिलनाडु विद्युत बोर्ड द्वारा जारी किए जाने वाले केना ताम करोड़, पचास लाख, उनसौ हजार और सान सौ रुपए मूल्य के "11.50 प्रतिशत तमिलनाडु विद्युत बोर्ड ऋण 2009 (53 वीं ऋण)" के रूप में वर्णित प्रतिभार पत्रों के रूप में बंधपत्रों पर उक्त अधिनियम के अंतर्गत प्रभाय है।

[सं. 12/90-स्टाम्प-फा. सं. 33/15/90-बिक्रीकर]

ORDER

STAMPS

S.O. 1333.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of

promissory notes described as "11.50 per cent Tamil Nadu Electricity Board Loan 2009 (53rd loan)" of the value of rupees thirty crores, fifty lakhs, seventy nine thousand and seven hundred only to be issued by Tamil Nadu Electricity Board are chargeable under the said Act.

[No. 12/90-Stamps-F. No. 33/15/90-ST.]

आदेश

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1990

स्टाम्प

का. आ. 1334:—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा हिंदुस्तान विकास निगम लिमिटेड कलकत्ता को सोलह लाख, पचास हजार, एक सौ दस और पचास पैसे मात्र के उस समेकित शुल्क का भुगतान करने की अनुमति प्रदान करती है जो उक्त निगम द्वारा जारी किए जाने वाले बाईस करोड़ छियालीस लाख इक्यासी हजार और चार सौ रु. मात्र के अंकित मूल्य के सौ-सौ रु. के 22.46,814-12.5% ऋणपत्रों (आठवीं श्रृंखला) पर स्टाम्प शुल्क के कारण प्रभाय है।

[सं. 16/90-स्टाम्प/फा. सं. 33/23/90-बि. क.]

ORDER

New Delhi, the 5th April, 1990

STAMPS

S.O. 1334.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the Hindustan Development Corporation Limited, Calcutta to pay consolidated stamps duty of rupees sixteen lakhs, eighty five thousand, one hundred ten and paise fifty only chargeable on account of the stamp duty on 22.46,814—12.5 per cent Debentures of rupees one hundred each (Series VIII) of the face value of rupees twenty two crores forty six lakhs eighty one thousand and four hundred only to be issued by the said corporation.

[No. 16/90-Stamps-F. No. 33/23/90-ST.]

आदेश

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1990

स्टाम्प

का. आ. 1335:—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उस शुल्क को माफ करती है जो कर्नाटक राज्य वित्त निगम, बंगलूर द्वारा जारी किए जाने वाले तेरह करोड़ सैतालीस लाख और पचास हजार रुपए मात्र मूल्य के "11.50% कर्नाटक राज्य वित्त निगम बंधपत्र 2009 (तीसरी श्रृंखला)" जिनका संख्या "47" अंकित है, पर उक्त अधिनियम के अंतर्गत प्रभाय है।

[सं. 9/90-स्टाम्प-फा. सं. 33/82/90-बि. क.]

ORDER

New Delhi, the 11th April, 1990.

STAMPS

S.O. 1335.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of promissory notes described as "11.5 per cent Karnataka State Financial Corporation Bonds 2009 (III Series)" bearing the number "47", of the value of rupees thirteen crores forty seven lakhs and fifty thousand only to be issued by Karnataka State Financial Corporation, Bangalore are chargeable under the said Act.

[No. 9/90-Stamps-F. No. 33/82/90-ST.]

आदेश

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1990

स्टाम्प

का. आ. 1336.—भारतीय स्टॉप अधिनियम 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उस शुल्क को माफ करती है जो तमिलनाडु विद्युत् बोर्ड द्वारा जारी किये जाने वाले केवल 50 करोड़ 60 लाख रुपये मूल्य के "11.50 प्रतिशत तमिलनाडु विद्युत् बोर्ड ऋण, 2009" (52 वां ऋण) के रूप में वर्णित प्रामाजरी नोटों के स्वरूप में बंधपत्रों पर उक्त अधिनियम के अन्तर्गत प्रभारी है।

[संख्या 10/90-स्टाम्प-फा. सं. 33/83/90-विक्री कर]

वो. के. स्वामिनाथन, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 23rd April, 1990

STAMPS

S.O. 1336.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the nature of promissory notes described as "11.50 per cent Tamil Nadu Electricity Board Loan, 2009" (52nd Loan) of the value of rupees fifty crores and sixty lakhs only to be issued by the Tamil Nadu Electricity Board are chargeable under the said Act.

[No. 10/90-Stamps-F. No. 33/83/90-ST.]

V. K. SWAMINATHAN, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 3 मई, 1990

का. आ. 1337 :—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 673/314/89—सी. शु. 8, तारीख 18-5-1989 यह निदेश देते हुए जारी किया था कि श्री सतपाल किल्लन गुजरावाला टाउन, दिल्ली-33 को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय

कारागार, नम्बई में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे तस्करी का माल रखने और लाने ले जाने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम, का धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त नम्बई के समक्ष हजरि हो।

[फा. सं. 673/314/89-पी. शु. 8]

ORDER

New Delhi, the 3rd May, 1990

S.O. 1337.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued under F. No. 673/314/89-Cus. VIII dated 18-5-1989 under the said sub-section directing that Shri Satpal Killan, Gujranwalla, Town, Delhi-33 be detained and kept in custody in the Central Prison Bombay with a view to preventing him from engaging in transporting and keeping smuggled goods;

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person, to appear before the Commissioner of Police, Bombay within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/314/89-Cus. VIII]

आदेश

का. आ. 1338 :—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 673/522/89—सी. शु. 8 तारीख 13-9-1988 यह निदेश देते हुए जारी किया था कि श्री भीमराज उर्फ राजेन्द्र जैन सुपुत्र श्री मिश्रीमल जैन, (1) 615, 10 मेन, 5 वां ब्लॉक, बंगलौर-II (2) एम. एम. स्टेशनरी, एवं जनरल सप्लायर, नं. 25, जयानगर, चौथा ब्लॉक, बंगलौर-II को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, बंगलौर में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे ऐसा कोई भी कार्य करने से रोका जा सके जो विदेशी मुद्रा के संचयन के लिए हानिकारक हो।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम, 0 की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस महानिदेशक कर्नाटक, बंगलूर के समक्ष हाजिर हों।

[फा. सं. 673/522/89-सी. शु. 8]

ORDER

S.O. 1338.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued under F. No. 673/522/89-Cus. VIII dated 13-9-1989 under the said sub-section directing that Shri Bheemraj @ Rajendra Jain S/o Shri Mishrimal Jain, (i) 615, 10th Main, 4th Block, Bangalore-11 (2) M. M. Stationery and General suppliers, No. 25 Jayaagar, 4th Block, Bangalore-11 be detained and kept in custody in the Central Prison, Bangalore with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange;

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person, to appear before the D.G. of Police, Karnataka, Bangalore within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/522/89-Cus. VIII]

आदेश

का. आ. 1339 :—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 42) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 673/795/89—सी. शु. 8 तारीख 19-12-1989 यह निदेश देते हुए जारी किया था कि श्री कमलेश कुमार रस्तोगी, पुत्र श्री रामनारायण निवासी 3249, कूचा ताराचन्द्र, वरियागंज, नई दिल्ली को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय जेल, तिहाड़, नई दिल्ली में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे तस्करी के माल के जाने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम, 0 की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, नई दिल्ली के समक्ष उपस्थित हो।

[फा. सं. 673/795/89-सी. शु. 8]

ORDER

S.O. 1339.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued under F. No. 673/795/89-Cus. VIII dated 19-12-1989 under the said sub-section directing that Shri Kamlesh Kumar Rastogi, S/o Ram Narain, R/o 3249, Kucha Tara Chand, Darya Ganj, New Delhi be detained and kept in custody in the Central Jail, Tihar, New Delhi with a view to preventing him from dealing in smuggled goods other wise than by engaging in transporting or concealing or keeping smuggled goods.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person, to appear before the Commissioner of Police, New Delhi within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/795/89-Cus. VIII]

आदेश

का. आ. 1340 :—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 673/681/89—सी. शु. 8 तारीख 23-11-1989 यह निदेश देते हुए जारी किया गया था कि श्री सैय्यद अमीर उल्लाह, सुपुत्र सैय्यद अहमद साहिब, डोर नं. 18/21, गुरुम चिन्नाह स्ट्रीट, गुठिया—516001, आंध्र प्रदेश को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, हैदराबाद में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे ऐसा कोई भी कार्य करने से रोका जा सके जो विदेशी मुद्रा के संवर्धन के लिए हानिकारक हो।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम, 0 की धारा 2 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि

पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस महानिदेक, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद के समक्ष हाजिर हों।

[फा. सं. 673/681/89 सी. गु. 8]

ORDER

S.O. 1340.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of Section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued under F. No. 673/681/89-Cus. VIII dated 23-11-1989 under the said sub-section directing that Shri Syed Ameerulah S/o Syed Ahamed Sahib, Door No. 18/21, Gurram Chiniah Street, Cuddapah-516001, Andhra Pradesh; be detained and kept in custody in the Central Jail, Hyderabad with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange;

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person, to appear before the Director General of Police, Hyderabad within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/681/89-Cus.VIII]

आदेश

का. आ. 1341 :—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 673/786/89—सी. गु. 8 तारीख 18-12-89 यह निदेश देते हुए जारी किया था कि श्री मोहम्मद सिद्दिकी उस्मान डोंगरी होस्टल, चारनाल, उमरखादी, बम्बई को विरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, बम्बई में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे सामान को तस्करी करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम, 0 की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, बम्बई के समक्ष हाजिर हों।

[फा. सं. 673/786/89/सी. गु. 8]

जे. एल. साहनी, अवर सचिव

ORDER

S.O. 1341.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued under F. No. 673/786/89-Cus. VIII dated 18-12-1989 under the said sub-section directing that Shri Mohd. Sideique Usman, Dongri, Hostel, Charnal, Umerkhadi, Bombay be detained and kept in custody in the Central Prison, Bombay, with a view to preventing him from smuggling goods.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Bombay within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. N. 673/785/89-Cus.VIII]

J. L. SAWHNEY, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 3 मई, 1990

का. आ. 1342 :—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 673/721/89—सी. गु. 8 तारीख 13-12-1989 यह निदेश देते हुए जारी किया था कि श्री फिरोज जब्बार, सं. 85, हारुन मंजिल, चौथा माला कमरा नं. 7-8, डोंगरी, बंबई को विरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, बंगलौर में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे तस्करी के सामान को लाने ले जाने और रखने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम, 0 की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, बंबई के समक्ष हाजिर हों।

[फा. सं. 673/721/89/सी. गु. 8]

ORDER

New Delhi, the 3rd May, 1990

S.O. 1342.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued under F. No. 673/721/89-Cus.VIII dated 13-12-1989 under the said sub-section directing that Shri Firoz Jabbar, No. 85, Harun Manzil, 4th Floor, Room No. 7-8, Dongri,

Bombay be detained and kept in custody in the Central Prison, Bangalore with a view to preventing him from engaging in transporting and keeping smuggled goods;

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Bombay within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/721/89-Cus.VIII]

आदेश

का. आ. 1343 :—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 673/723/89—सी. शु. 8 तारीख 13-12-89 यह निदेश देते हुए जारी किया था कि श्री नूर मोहम्मद खान, डोर नं. 201, दूसरी मंजिल, "ई" विंग, पंचरत्न सोसाइटी, नाला भोपरा (वेस्ट) बंबई को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, बंगलौर में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे तस्करी के सामान को लाने, ले जाने और रखने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम, की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, बंबई के समक्ष हाजिर हों।

[फा. सं. 673/723/89/सी. शु. 8]

ORDER

S.O. 1343.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued under F. No. 673/723/89-Cus. VIII dated 13-12-1989 under the said sub-section directing that Shri Nuran Khan son of Noor Mohammed Khan, Door No. 201, II Floor, 'E' Wing, Pancharathna Society, Nala Sopra (West), Bombay, be detained and kept in custody in the Central Prison, Bangalore with a view to preventing him from engaging in transporting and keeping smuggled goods;

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Bombay within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/723/89-Cus.VIII]

आदेश

का. आ. 1344 :—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 673/626/89—सी. शु. 8 तारीख 6-11-1980 यह निदेश देते हुए जारी किया गया था कि श्री जागीर सिंह उर्फ जगार सुपुत्र श्री सुलखन सिंह, गांव बालेर, पो. आ. भिखीविन्द, तहसील पट्टी, जिला अमृतसर, पंजाब को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, तिहाड़, नई दिल्ली में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे तस्करी का माल छिपाने और लाने ले जाने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके।

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम, की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस महानिदेशक पंजाब, चण्डीगढ़ के समक्ष हाजिर हों।

[फा सं. 673/626./89 सी. शु. 8]

ORDER

S.O. 1344.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued under F. No. 673/626/89-Cus.VIII dated 6-11-1989 under the said sub-section directing that Shri Jagir Singh alias Jagira, son of Sulakhan Singh, Village Balier P.O. Bhikiwind Teh. Patti Distt. Amritsar (Punjab; be detained and kept in custody in the Central Jail, Tihar, New Delhi with a view to preventing him from engaging in transporting and concealing smuggled goods;

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the D.C. of Police, Punjab, Chandigarh within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/626/89-Cus.VIII]

आदेश

का. आ. 1345 :—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 673/722/89—सी. शु. 8 तारीख 13-12-1989 यह निदेश देते हुए जारी किया था कि श्री गुलाम मोहम्मद सत्तार,

पुत्र स्व. सतार यूसुफ, ओल्ड नं. 7 (न्यू नं. 85), जे फ्लोर, 7 क्रॉस, हिन्दू मैन रोड, सेंट थॉमस टाउन, बंगलूर-84 या श्री गुलाम मोहम्मद सतार, नं. 169, चौथी मंजिल, इल्लो विला, सेंट ऐन्ड्रूज रोड, बांद्रा, (वेस्ट), बम्बई को विरुद्ध कर दिया जाए और केन्द्रीय कारागार, बंगलूर में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे तस्करी के माल को रखने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके।

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम, की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, बंगलूर/बम्बई के समक्ष हजरि हों।

[फा. सं. 673/722/89 सी. शु. 8]

ORDER

S.O. 1345.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued under F. No. 673/722/89-Cus.VIII dated 13-12-1989 under the said sub-section directing that Shri Ghulam Mohammed Satar, son of late Satar Yusuf, Old No. 7 (New No. 85), 1 Floor, 7 Cross, Hennur Main Road, St. Thomas Town, Bangalore-84 or Shri Ghulam Mohammed Satar No. 169, 4th Floor, Lily Villa, St. Andrews Road, Bandra (W), Bombay; be detained and kept in custody in the Central Prison Bangalore with a view to preventing him from engaging in keeping smuggled goods;

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Bangalore/Bombay within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/722/89-Cus.VIII]

आदेश

का. आ. 1346 :—भारत सरकार के संयुक्त सचिव, ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से मणक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 673/729/89-सी. शु. 8 तारीख 14-12-1989 यह निदेश देते हुए जारी किया था कि श्री सुखवीर सिंह पुत्र श्री ओम प्रकाश, निवासी प्रकाश नगर, कंदनपुर, जिला मराठावाड़, को निरुद्ध कर लिया जाए और इलाहाबाद जेल में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे तस्करी के माल को लाने में जाने में लिप्त रहने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके।

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश, लखनऊ के समक्ष हजरि हों।

[फा. सं. 673/729/89-सी. शु. 8]

ORDER

S.O. 1346.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued under F. No. 673/729/89-Cus.VIII dated 14-12-1989 under the said sub-section directing that Shri Sukhbir Singh son of Om Prakash R/o. Prakash Nagar, Kundanpur, Distt. Moradabad be detained and kept in custody in the Allahabad Jail with a view to preventing him from engaging in transporting smuggled goods;

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the D.G. of Police, Uttar Pradesh, Lucknow within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/729/89-Cus. VIII]

आदेश

का. आ. 1347 :—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से मणक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 673/789/89-सी. शु. 8 तारीख 18-12-1989 यह निदेश देते हुए जारी किया था कि श्री कीकाभाई कलामभाई माजी, गांव काल्या ताल: उमरगांव जिला वालसाव, गुजरात को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, बम्बई में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे सामान की तस्करी करने में रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके।

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि

पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, बम्बई के समक्ष हाजिर हों।

[फा. सं. 673/789/89-सी. शु. 8]

ORDER

S.O. 1347.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued under F. No. 673/789/89-Cus. VIII dated 13-12-1989 under the said sub-section directing that Shri Kikabhai Kalambhai Machi, Vill. Kalaya, Tal. Umargaon, District Valsad, Gujarat be detained and kept in custody in the Central Prison, Bombay with a view to preventing him from smuggling goods;

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Bombay within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/789/89-Cus VIII]

आदेश

का. आ. 1348 :- भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से संशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 673/788/89-सी. शु. 8 तारीख 18-12-1989 यह निदेश देते हुए जारी किया था कि श्री मोहम्मद उमर, डोंगरी होस्टल, चारनाल, उमरखदी, बम्बई को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, बम्बई में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे सामान की तस्करी करने से रोका जा सके;

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति पसार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिसमें उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम, की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, बम्बई के समक्ष हाजिर हों।

[फा. सं. 673/788/89-सी. शु. -8]

ORDER

S.O. 1348.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued under F. No. 673/788/89-Cus. VIII, dated 18-12-1989 under the said sub-section directing that Shri Mohamed

Umer, Dongri Hostel, Charnal, Ummerkhadi, Bombay be detained and kept in custody in the Central Prison, Bombay with a view to preventing him from smuggling goods;

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid persons to appear before the Commissioner of Police, Bombay within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/788/89-Cus. VIII]

आदेश

का. आ. 1349 :- भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से संशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 673/787/89-सी. शु. 8 तारीख 18-12-89 यह निदेश देते हुए जारी किया था कि श्री मिचार्डल इगनाथिस पाटिल, अरनाला लाईट हाउस के निकट ताल : बसई, जिला-क्षणा को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, बम्बई में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे सामान की तस्करी करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति पसार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिसमें उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, बम्बई, के समक्ष हाजिर हों।

[सं. 673/787/89-सी. शु. -8]

ORDER

S.O. 1349.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued under F. No. 673/787/89-Cus. VIII dated 18-12-1989 under the said sub-section directing that Shri Michael Ignatius Patil, Near Arnala Light House, Tal : Vasa, District Thana be detained and kept in custody in the Central Prison, Bombay with a view to preventing him from smuggling goods;

2. Whereas the Central Government has reason to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Bombay within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/787/89-Cus. VIII]

आदेश

का.आ. 1350 :—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश फा. सं. 673/737/89-सी.शु. 8 तारीख 13-12-1989 यह निदेश देते हुए जारी किया था कि श्री हरीश दयाल जी जैन, फ्लैट नं. 9, पहली मंजिल रहीव मंजिल ओमशान्ति जुहू तारा रोड, शांताकुंज (वेस्ट), बंबई को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार बंबई, में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे ऐसा कोई भी कार्य करने से रोक जा सके जो विदेशी मुद्रा के संवर्धन के प्रतिकूल हो।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके ;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (7) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, बंबई के समक्ष हाजिर हों।

[फा. सं. 671/837/89-सी.शु.-8]

ORDER

S.O. 1350.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974), issued under F. No. 673/737/89-Cus. VIII dated 13-12-1989 under the said sub-section directing that Shri Harish Dayalji Jain, Flat No. 9 1st Floor, Rahid Manzil (Om Shanti) Juhu Tara Road, Santacruz (W), Bombay be detained and kept in custody in the Central Prison, Bombay with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of Foreign Exchange;

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person, has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed ;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Bombay within 7 days of the publication of this order in the official Gazette

[F. No. 673/737/89-Cus.VIII]

आदेश

का.आ. 1351 :—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश फा.सं. 673/736/89-सी.शु. 8, तारीख 13-12-1989 यह निदेश देते हुए जारी किया था कि श्री पुनराज मोहनलाल मन्दावत, निवासी फ्लैट नं. 9, पहली मंजिल राहद मंजिल (ओम शान्ति), जुहू तारा रोड, शांताकुंज (वेस्ट), बंबई-49 को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार बंबई में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे ऐसा कोई भी कार्य करने से रोक जा सके जो विदेशी मुद्रा के संवर्धन के प्रतिकूल हो।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके ;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, बंबई के समक्ष हाजिर हों।

[फा.सं. 673/736/89-सी.शु. 8]

ORDER

S.O. 1351.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974), issued under F. No. 673/736/89-Cus.VIII dated 13-12-1989 under the said sub-section directing that Shri Purnaraj Mohanlal Mandavat, R/o Flat No. 9 1st Floor, Rahid Manzil, (Om Shanti), Juhu Tara Road, Santacruz (W) Bombay-49 be detained and kept in custody in the Central Prison, Bombay with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Bombay within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/736-89-Cus-VIII]

आदेश

का.आ. 1352 :—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश फा.सं. 673/724/89-सी.शु. 8 तारीख 13-12-1989 यह निदेश देते हुए जारी किया था कि श्री सैयद नूरानी, नं. 65, कासना-ई-पोटोई, सी.के. गार्डन, सेंट थॉमस टाउन, डिवीजन-84, बंगलौर-84 को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार बंगलौर, में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे तस्करी के मामला को छिपाने और उसे रखने से रोक जा सके ;

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके ;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, बंगलौर के समक्ष हाजिर हों।

[फा.सं. 673/724/89-सी.शु.-8]

ORDER

S.O. 1352.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued under F. No. 673/724/89-Cus.VIII dated 13-12-1989 under the said sub-section directing that Shri Syed Noorani, No. 65, Kashana-E-Patoi, C. K. Garden, St. Thomas Town, Division 84, Bangalore-84; be detained and kept in custody in the Central Prison, Bangalore with a view to preventing him from engaging in concealing and keeping smuggled goods;

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Bangalore within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/724889-Cus. VIII]

आदेश

का.आ.1353:—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने, जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश फा.सं. 673/682/89-सी.शु. 8 तारीख 23-11-1989 यह निदेश देने हुए जारी किया था कि श्री असलम अब्दुला खत्री, मार्फत मैसर्स खत्री सिद्दिक 128/132, अली उमेर स्ट्रीट, बम्बई-400003 को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, बम्बई में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे ऐसा कोई भी कार्य करने से रोका जा सके जो विदेशी मुद्रा के संवर्धन के लिए हानिकारक हो।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, बम्बई के समक्ष हाजिर हों।

[फा.सं. 673/682/89 सी.शु.-8]

ORDER

S.O. 1353.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued under F. No. 673/682/89-Cus.VIII dated 23-11-1989 under the said sub-section directing that Shri Aslam Abdulla Khatri C/o M/s Khatri Siddick 128/132, Ali Umer Street, Bombay-400003 be detained and kept in custody in the Central Prison, Bombay with a view to preventing him from acting in any manner prejudicial to the augmentation of foreign exchange.

1184 GI/90—3.

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police Bombay within 7 days of the publication of this order in the Official Gazette.

[F. No. 673/682/89-Cus. VIII]

आदेश

का.आ. 1354:—भारत सरकार के संयुक्त सचिव ने जिसे विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी निवारण अधिनियम, 1974 (1974 का 52) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन विशेष रूप से सशक्त किया गया है, उक्त उपधारा के अधीन आदेश सं. 673/629/89-सी.शु. 8 तारीख 3-11-1989 यह निदेश देने हुए जारी किया था कि श्री एम. सैय्यद यामीन, सुपुत्र अलीयार, नं. 24, बसहेकारालू स्ट्रीट कोंधीथोपू, मद्रास-79 तमिलनाडु को निरुद्ध कर लिया जाए और केन्द्रीय कारागार, मद्रास में अभिरक्षा में रखा जाए ताकि उसे तस्करी के माल को लाने ले जाने या उसे छिपाने या तस्करी माल को रखने के अलावा तस्करी के माल का धन्धा करने से रोका जा सके।

2. केन्द्रीय सरकार के पास यह विश्वास करने का कारण है कि पूर्वोक्त व्यक्ति फरार हो गया है या अपने को छिपा रहा है जिससे उक्त आदेश का निष्पादन नहीं हो सके;

3. अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम, की धारा 7 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि पूर्वोक्त व्यक्ति इस आदेश के शासकीय राजपत्र में प्रकाशन के 7 दिन के भीतर पुलिस आयुक्त, मद्रास के समक्ष हाजिर हों।

[फा.सं. 673/629/89-सी.शु.-8]

कुलदीप सिंह, अवसर सचिव

ORDER

S.O. 1354.—Whereas the Joint Secretary to the Government of India, specially empowered under sub-section (1) of section 3 of the Conservation of Foreign Exchange and Prevention of Smuggling Activities Act, 1974 (52 of 1974) issued under F. No. 673/629/89-Cus.VIII dated 3-11-1989 under the said sub-section directing that Shri S. Syed Thamin, son of Aliyar, No. 24, Bashyakaralū Street, Kondithoppu, Madras-79, Tamilnadu be detained and kept in custody in the Central Prison, Madras with a view to preventing him from dealing in smuggled goods otherwise than by engaging in transporting or concealing or keeping smuggled goods;

2. Whereas the Central Government has reasons to believe that the aforesaid person has absconded or is concealing himself so that the order cannot be executed;

3. Now, therefore, in exercise of power conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 7 of the said Act, the Central Government hereby directs the aforesaid person to appear before the Commissioner of Police, Madras within 7 days of the publication of this order in the official Gazette.

[F. No. 673/629/89-Cus.VIII]

KULDIP SINGH, Under Secy.

(व्यय विभाग)

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 1990

का.आ. 1355:—भविष्य निधि अधिनियम, 1925 (1925 का 19) की धारा 8 की उपधारा (2) क द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निदेश देती है कि उक्त अधिनियम के उपबंध (धारा 8-क को छोड़कर) ब्रह्मपुत्र बोर्ड, गुवाहाटी के कर्मचारियों के लाभ के लिये संस्थापित भविष्य निधि पर लागू होंगे।

[संख्या 4 (1)—संस्था-5/90 (1)]

(Department of Expenditure)

New Delhi, the 19th April, 1990

S.O. 1355.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 8 of the Provident Funds Act, 1925 (19 of 1925), the Central Government hereby directs that the provisions of the said Act (except section 6A) shall apply to the Provident Fund established for the benefit of the employees of the Brahmaputra Board, Guwahati.

[No. 4(1)-E.V./90(1)]

का.आ. 1356:—भविष्य निधि अधिनियम, 1925 (1925 का 19) की धारा 8 की उप-धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित लोक संस्थान का नाम उक्त अधिनियम की अनुसूची में सम्मिलित करती है:—

“ब्रह्मपुत्र बोर्ड, गुवाहाटी”

[संख्या 4 (1)—संस्था 5/90 (2)]

हुसैन अहमद, उप सचिव

S.O. 1356.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 8 of the Provident Funds Act, 1925 (19 of 1925), the Central Government hereby adds to the Schedule to the said Act the name of the following public institution, namely:—

“Brahmaputra Board, Guwahati.”

[No. 4(1)-E.V./90(1)]

HUMERA AHMED, Dy. Secy.

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 9th April, 1990

S.O. 1357.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971) and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue and Banking S.O. No. 2179 dated the 12th July, 1975 except as respect things done or omitted to be done before such supersession, the Central Government hereby appoints the officers mentioned in column (1) of the Table below, being officer equivalent to the rank of a gazetted officer of Government to be estate officer for the purposes of the said Act, who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on the estate officers by or under the said Act in respect of the public premises specified in column (2) of the said Table.

THE TABLE

Designation of the Officer	Categories of public premises and local limits of jurisdiction
(1)	(2)
The Assistant General Manager, General Administration Department, Dena Bank, Head Office, Bombay.	Premises belonging to, or taken on lease by, or on behalf of, and under the administrative control of the Dena Bank situated in the State of Maharashtra.

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 9 अप्रैल, 1990

का.आ. 1357:—सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की वेदखली) अधिनियम 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और भारत सरकार वित्त मंत्रालय राजस्व तथा बैंकिंग विभाग के दिनांक 12 जून 1975 की अधिसूचना संख्या का.आ. 2179 का अधिक्रमण करते हुए ऐसे अधिक्रमण से पहले किए गए कार्यों और करने के लिए छोड़े गए कार्यों को छोड़कर केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित सारणी के कालम (1) में उल्लिखित उन अधिकारियों को नियुक्त करती है जो सरकार के राजपत्रित अधिकारियों के स्तर के समकक्ष अधिकारी होंगे और उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए सम्पदा अधिकारी (एस्टेट ऑफिसर) होंगे जो उक्त अधिनियम द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करेंगे तथा उनके अधीन उक्त सारणी के कालम (2) में उल्लिखित सरकारी स्थानों के सम्बन्ध में सम्पदा अधिकारियों को सौंपे गए कर्तव्यों को पूरा करेंगे।

सारणी

अधिकारी का पद	सरकारी स्थानों की श्रेणियों और अधिकार क्षेत्र की सीमा
सहायक महाप्रबन्धक सामान्य प्रशासन विभाग देना बैंक प्रधान कार्यालय बम्बई।	देना बैंक की अथवा उसके द्वारा अथवा उसकी ओर से पट्टे पर लिए गए और महाराष्ट्र राज्य में अवस्थित स्थान।

[संख्या 13/5/89-बी.ओ. III]

प्राण नाथ, अवर सचिव

[No. 13/5/89-B.O. III]
PRAN NATH, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 1990

का.आ. 1358:—राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबन्ध एवं उप-बंध) स्कीम 1970 के खण्ड 5 के उपखण्ड (1), खण्ड 7 और खण्ड 8 के उपखण्ड (1) के साथ पठित खण्ड 3 के उपखण्ड (क) के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक के साथ परामर्श करते के पश्चात् एतद्वारा सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया के वर्तमान कार्यपालक निदेशक, श्री एन.एम. मिस्त्री को उनके कार्य भार ग्रहण करने की तारीख से 30 मई 1991 तक के लिए उसी बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक के रूप के नियुक्त करती है।

एम.एस. सीतारामन, अवसर सचिव

[सं. एफ. 9/17/90-बी. ओ.-1]

New Delhi, the 10th April, 1990

S.O. 1358.—In pursuance of sub-clause (a) of clause 3 read with sub-clause (1) of clause 5, clause 7 and sub-clause (1) of clause 8 of the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970 the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby appoints Shri N. M. Mistry, presently Executive Director of the Central Bank of India to be the Chairman and Managing Director of the same bank for a period commencing with the date of his taking charge and ending with 30th May, 1991.

M. S. SEETHARAMAN, Under Secy.

[F. No. 9/17/90-BO. I]

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 1990

का.आ. 1359 —बैंककारी विनियमन अधिनियम 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पढ़ी जाने वाली धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर एतद्वारा यह घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा II की उपधारा (1) के प्रावधान अथवा सहकारी बैंक लिमिटेड लखनऊ को इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से 30 जून 1991 तक की अवधि के लिए लागू नहीं होंगे।

[सं. एफ. 6-(1) 90-ए.सी.]

पी.के. तेजयान, अवसर सचिव

New Delhi, the 18th April, 1990

S.O. 1359.—In exercise of the powers conferred by Section 53 read with Section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government on the

recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of Sub-Section (1) of Section 11 of the said Act shall not apply to the Oudh Sahakari Bank Ltd., Lucknow, Uttar Pradesh for the period from the date of publication of this notification in the Gazette of India to June 30, 1991.

[F. No. 6(1)/90-AC]

P. K. TEJYAN, Under Secy.

कार्यालय मुख्य आयकर आयुक्त

कलकत्ता, 6 जुलाई, 1989

सं.-6/89-90

का.आ. 1360:—आयकर अधिनियम 1961 की धारा 120 की उपधारा (1) और (2) द्वारा और इस दिशा में सक्षम बनाने वाली अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुये, हम मुख्य आयकर आयुक्त (प्रशासन), कलकत्ता मुख्य आयकर आयुक्त (तकनीक) कलकत्ता और आयकर महा-निदेशक (अनुसन्धान), उत्तर नई दिल्ली, एतद्वारा निदेश देते हैं कि आयकर आयुक्त, पश्चिम बंगाल-7, कलकत्ता अधिसूचना संख्याएँ 11/88-89 दिनांक 16-6-88 और 1/89-90 दिनांक 1-5-89 द्वारा प्रदत्त अधिकारियों के अतिरिक्त अध्याय-17 की धारा 192 से सम्बन्धित मामलों और आयकर अधिनियम 1961 की धारा 221 से सम्बन्धित (उक्त अधिनियम की धारा 201 के उन निर्धारितियों के सम्बन्ध में जो डिफाल्टर हैं या जो डिफाल्टर समझे जायेंगे) और आयकर नियम 1962 के नियम-31 (2) के अधीन फारम नं. 17 से सम्बन्धित आवेदनों की (उक्त नियम के परंतुक को छोड़कर), (आयकर अधिनियम 1961 के अध्याय-17-वीं की सभी धाराओं से सम्बन्धित मामलों धारा 195 को छोड़कर) बना निर्धारितियों में आयकर आयुक्त (सेन्ट्रल-II) कलकत्ता और आयकर आयुक्त (सेन्ट्रल-II) कलकत्ता के क्षेत्राधिकार के अधीन अपनी अधिकारिता का भी प्रयोग करेंगे।

यह अधिसूचना पूर्वव्यापी 8 मई 1989 से लागू होगी।

[सं. आ. 6/ब. व. सा. III/30/88-89]

OFFICE OF THE CHIEF COMMISSIONER
OF INCOME TAX

Calcutta, the 6th July, 1989

No. 6/89-90

S.O. 1360.—In exercise of the powers conferred by Sub-sections (1) and (2) of Section 120 of the Income-tax Act, 1961 and all other powers enabling us in this behalf, we, the Chief Commissioner of Income-tax (Administration), Calcutta and the Chief Commissioner of Income-tax (Technical), Calcutta and the Director General of Income-tax (Investigation), North, New Delhi, hereby direct that the Commissioner of Income-tax, West Bengal-VII, Calcutta, shall, in addition to the jurisdiction vested in him by the Notification Nos. 11/88-89 dated 16-6-88 and No. 1/89-90 dated 1-5-89, also exercise jurisdiction in respect of all matters relating to Section 192 of Chapter XVII B and

also relating to Section 221 of the Income Tax Act, 1961 (Pertaining to the assessee in default or deemed to be in default vis-a-vis Section 201 of the said Act), and also relating to Applications in form No. 17 under Rule-31 (2) (excluding the proviso to that rule) of the Income Tax Rules, 1962 in respect of all other Sections of Chapter-XVIII except Section 195 of the Income Tax Act, 1961)

In respect of all the assesseees under the jurisdiction of the Commissioner of Income Tax (Central-I), Calcutta and the Commissioner of Income-tax (Central-II), Calcutta.

This notification takes effect retrospectively from May 8 1989.

[No. ITO/B&S-III/30/88-89]

कलकत्ता, 13 फरवरी, 1990

संख्या 20/89-90

का.प्र. 1361-—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 120 की उप धारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और केन्द्रीय प्रमुख कर बोर्ड, नई दिल्ली के अधीन जारी अधिसूचना संख्या 847- तारीख 27-10-1989 (फाइल संख्या 279/121/89 आई.टी.जे./एम.ओ. 861 (ई)) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और उस दिना में मशम बनाने वाली शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, मुख्य आयकर आयुक्त (प्रशासन) कलकत्ता, एनडू द्वारा निश्चय देता हूँ कि वल्लभ आमुक्त की संख्या 4 में उल्लिखित निम्नलिखित व्यक्तियों के निम्नलिखित अपीलों के संबंध में ऐसे व्यक्तियों के बारे में आयकर आयुक्त (अपील)-II अपने कृत्यों का पालन नहीं करेंगे और आयकर आयुक्त (अपील)-5 अपने कृत्यों का पालन करेंगे।

2. यह अधिसूचना मुख्य आयकर आयुक्त (नक.)-1, कलकत्ता की सहमति से जारी किया गया है।

3. यह अधिसूचना दिनांक 20-2-1990 से लागू होगी।

4. यह स्पष्ट किया जाता है कि उपरोक्त उल्लिखित अपीलों को छोड़कर, मुख्य आयकर आयुक्त (प्रशासन), कलकत्ता और मुख्य आयकर आयुक्त (नकलीका)-1, कलकत्ता द्वारा क्रमशः जारी की गई अधिसूचना संख्या 16/89-90 तथा अधिसूचना संख्या 17/89-90 दिनांक 7-12-89 में निर्दिष्ट आयकर आयुक्त (अपील)-II और आयकर आयुक्त (अपील 15) के क्षेत्राधिकार में परिवर्तन नहीं होगा।

[संख्या प्र.प्र./क.सा. ता-II/10/88-89]

ए.के. घोष, मुख्य आयकर आयुक्त (प्रशा.)]

मुख्य आयकर आयुक्त (प्रशासन), कलकत्ता के अधीन कार्यरत: आयकर आयुक्त (अपील) की क्षेत्राधिकार की अनुसूची

क्र. सं.	क्षेत्राधिकार से को	अपीलार्थी का नाम	अपील संख्या	निर्धारण वर्ष और अपील के अधीन आवेग	
1	2	3	4	5	
1.	आयकर आयुक्त (अपील)-II, कल.	आयकर आयुक्त (अपील)-5, कलकत्ता।	फेवॉरिट एमल इनवेस्टमेंट	277 ए-11 88-89	85-86/धारा 143 (1) के अधीन
2.	-वही-	-वही-	ग्रेट ईस्टर्न होटल प्रायोरीटि	397/ए-II/88-89	86-87/धारा 143 (1) के अधीन
3.	-वही-	-वही-	दी ईस्टन इण्डिया होटम लि.	19/ए-II/89-90	85-86/धारा 143 (1) के अधीन
4.	-वही-	-वही-	दी अमृत बाजार पत्रिका प्रा. लि.	25/ए-II/89-90	85-86/धारा 143 (1) के अधीन
5.	-वही-	-वही-	कोहिनूर रबड़ वर्क्स (पी) लि.	48/ए-II/89-90	84-85, धारा 271 (1) (सी) के अधीन
6.	-वही-	-वही-	न्यू टोबाको कं. लि.	75/ए-II/89-90	85-86, धारा 144 के अधीन
7.	-वही-	-वही-	दी अमृत बाजार पत्रिका प्रा. लि.	7/ए-II/89-90	86-87, धारा 144 के अधीन
8.	-वही-	-वही-	फेवॉरिट एमल इनवेस्टमेंट लि.	99/ए-II/89-90	81-84, धारा 250/143 (1) के अधीन।
9.	-वही-	-वही-	जी.एस. अटवेल एण्ड कं. (घासनसोल)	121/ए-II/89-90	85-86, धारा 143 (1) के अधीन
10.	-वही-	-वही-	-वही-	122/ए-II/89-90	85-86, धारा 143 (3) के अधीन
11.	-वही-	-वही-	बाटा इण्डिया लि.	154/ए-II/89-90	86-87, धारा 143 (1) के अधीन
12.	-वही-	-वही-	बंगाल लैम्पस लि.	172/ए-II/89-90	86-87, धारा 143 (1) के अधीन
13.	-वही-	-वही-	जी.एस. अटवेल एण्ड कं.	234/ए-II/89-90	86-87, धारा 143 (1) के अधीन
14.	-वही-	-वही-	मील कास्टिंग्स (प्रा.) लि.	256/ए-II/89-90	86-87, धारा 143 (1) के अधीन
15.	-वही-	-वही-	युनाइटेड इण्डियन बैंक लि.	259/ए-II/89-90	86-87, धारा 143 (1) के अधीन

1	2	3	4	5
16.	आयकर आयुक्त (अपील)-I कलकत्ता	आयकर आयुक्त (अपील)-I कलकत्ता	285/ए-II/89-90	81-82, धारा 144/26 के अधीन
	(अपील)-II कलकत्ता	कलकत्ता	266/ए-II/89-90	82-83, धारा 143(2) 263 के अधीन
17.	-वही-	-वही-		
18.	-वही-	-वही-	267/ए-II/89-90	86-87, धारा 141 (3) के अधीन
19.	-वही-	अलफेसने बैंक नेदरलैण्ड एंड ग्लोबल बैंक	277/ए-II/89-90	86-87, धारा 143(37) के अधीन
20.	-वही-	एको बैंक	271/ए-II/89-90	78-79, धारा 141(1)/254 के अधीन
21.	-वही-	-वही-	165/ए-II/89-90	81-82, धारा 8(2) के अधीन
22.	-वही-	-वही-	165/ए-II/89-90	81-84, धारा 8(2) के अधीन
23.	-वही-	फैलवेल इन्डिया	198/ए-II/89-90	84-85, धारा 143(1), 44 बैंक के अधीन।

Calcutta, the 13th February, 1990

No. 20/89-90

S.O. 1361.—In exercise of powers conferred by sub-section (1) and (2) of section 120 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) and in exercise of powers conferred on me by the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, vide its Notification No. 8478 in F. No. 279/121/89/ITJ[S. O. 860(E) dated 27-10-1989, and all other powers enabling me in this behalf, I, Chief Commissioner of Income Tax (Administration), Calcutta hereby direct that in respect of the following Appeals in respect of the following persons as specified in column 3 of the Schedule attached hereto, the Commissioner of Income Tax (Appeals)-II shall not and the

Commissioner of Income Tax (Appeals)-V shall perform their functions in respect of such persons.

2. This Notification is issued with the concurrence of the Chief Commissioner of Income Tax (Tech.)-I, Calcutta

3. This Notification takes effect from 20-2-1990.

4. It is clarified that but for the appeals mentioned above, the jurisdiction of Commissioner of Income Tax (Appeals)-II and Commissioner of Income Tax (Appeals)-V will stand unaltered as decided in Notification No. 16/89-90 and Notification No. 17/89-90 dated 7-12-89 issued by the Chief Commissioner of Income Tax (Administration), Calcutta and the Chief Commissioner of Income Tax (Technical)-I, Calcutta respectively.

[No. ITO/B&S-III/30/88-89]

A. K. GHOSH, Chief Commissioner of Income Tax (Admn.)

SCHEDULE OF JURISDICTION OF COMMISSIONER OF INCOME TAX (APPEALS) FUNCTIONING UNDER CHIEF COMMISSIONER OF INCOME TAX (ADMINISTRATION) CALCUTTA

Sl. No.	Jurisdiction		Name of the Applicant	Appeal No.	Assessment year & the order under appeal	
	From	To				
1	2		3	4		5
1.	Commissioner of Income Tax (Appeals)-II, Cal.	Commissioner of Income Tax (Appeals)-V, Cal.	Favourite Small Investment.	277/A-II/88-89	85-86/, u/s	143(3)
2.	-do-	-do-	Great Eastern Hotel Authority	397/A-II/88-89	86-87/, u/s	143(3)
3.	-do-	-do-	The East India Hotels Ltd.	19/A-II/89-90	85-86/, u/s	143(3)
4.	-do-	-do-	The Amrita Bazar Patrika Pvt. Ltd.	25/A-II/82-90	85-86, u/s	144
5.	-do-	-do-	Kohinoor Rubber Works (P) Ltd.	48/A-II/89-90	84-85, u/s	271(1)(c)
6.	-do-	-do-	New Tobacco Co. Ltd.	75/A-II/89-90	85-86, u/s	144
7.	-do-	-do-	The Amrita Bazar Patrika Pvt. Ltd.	87/A-II/89-90	86-87, u/s	144
8.	-do-	-do-	Favourite Small Investment Ltd.	99/A-II/89-90	83-84, u/s	250/143(3)
9.	-do-	-do-	G.S.Atwal & Co. (Assansol)	121/A-II/89-90	85-86, u/s.	143(3)

1	2	3	4	5	
10. Commissioner of Income Tax (Appeals)-II, Cal.	Commissioner of Income Tax (Appeals)-V, Cal	-do-	122/A-II/89-90	85-86, u/s	185
11. -do-	-do-	Bata India Ltd.	154/A-II/89-90	86-87, u/s	143(3)
12. -do-	-do-	Bengal Lamps Ltd.	172/A-II/89-90	86-87, u/s	143(3)
13. -do-	-do-	G.S. Atwal & Co.	234/A-II/89-90	86-87, u/s	143(3)
14. -do-	-do-	Sita Castings (P) Ltd.	256/A-II/89-90	86-87, u/s	143(3)
15. -do-	-do-	United Industrial Bank Ltd.	259/A-II/89-90	86-87, 4/s	143(3)
16. -do-	-do-	United Bank of India	265/A-II/87-90	81-82, u/s	144/263
17. -do-	-do-	-do-	266/A-II/89-90	82-83, u/s	143(3)/263
18. -do-	-do-	-do-	267/A-II/89-90	86-87, u/s	143(3)
19. -do-	-do-	Algemene Bank Nederland N.V.	277/A-II/89-90	86-87, u/s	143(3)
20. -do-	-do-	UCO Bank	331/A-II/89-90	78-79, u/s	143(3)/254
21. -do-	-do-	-do-	363/A-II/89-90	81-82, u/s	8(2)
22. -do-	-do-	-do-	365/A-II/89-90	83-84, u/s	8(2)
23. -do-	-do-	Farrell Line Inc.	398/A-II/89-90	84-85, u/s	143(3), 44B

कलकत्ता, 18 फरवरी, 1990

सं. 238/9-90

का.प्र. 1862.— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 120 की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली के अधीन जारी की गई अधिसूचना सं. 279/121/89 आई.टी.जे./एस.ओ. 868 (ई) दिनांक 27-10-1989 और इसकी ओर से मुझे प्रदान करने वाली अन्य शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, मुख्य आयकर आयुक्त (नकलीकी)-1 इसके साथ संलग्न अनुसूची के स्तम्भ 4 में उल्लिखित निम्नलिखित व्यक्तियों के निम्न श्रेणियों के संबंध में, ऐसे व्यक्तियों के बारे में, आयकर आयुक्त (अपील)-6 अपने कृत्यों का पालन नहीं करेंगे और आयकर आयुक्त-11 अपने कृत्यों का पालन करेंगे।

2. यह अधिसूचना दिनांक 20-2-1990 से लागू होगी।

3. उपरोक्त व्यक्तियों को छोड़कर, यह स्पष्ट किया जाता है कि मुख्य आयकर आयुक्त (नकलीकी)-1, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचना सं. 17/89-90 दिनांक 7-12-89 में आयकर आयुक्त (अपील)-6 और 11 के क्षेत्राधिकार में कोई परिवर्तन नहीं होगा।

[स. आ. अ. व. और सा. II-10-85-89]

डा. एन. आर. शिवस्वामी, मुख्य आयकर आयुक्त
(नकलीकी-1)

मुख्य आयकर आयुक्त (नकलीकी) 1 कलकत्ता के अधीन कार्यरत आयकर आयुक्त (अपील) के क्षेत्राधिकार की अनुसूची

क्र.सं.	क्षेत्राधिकार से	सक	अपीलार्थी के नाम	अपील सं.	निर्धारण वर्ष और अपील के अधीन आवेग
1	2	3	4	5	6
1.	आयकर आयुक्त (अपील)-6, कल.	आयकर आयुक्त (अपील)-1, कलकत्ता	मैसर्स जे. कुमारी कार्पेंस लिमिटेड.	124 सी-9 एस (10)	85-86/143 (1)
2.	-वही-	-वही-	मैसर्स एडवानी बिजनेस. (आई) लि. कं.	126 -वही-	85-86/271 (2)
3.	-वही-	-वही-	-वही-	127 -वही-	85-86/271 (1) ए
4.	-वही-	-वही-	हेमंत एंड सविसे लि.	128 -वही-	85-86/143 (1)
5.	-वही-	-वही-	विनय कुमार बर्मिया	127 -वही-	85-86/251
6.	-वही-	-वही-	-वही-	126 -वही-	85-86/251
7.	-वही-	-वही-	-वही-	126 -वही-	85-86/251
8.	-वही-	-वही-	-वही-	124 -वही-	79-80/251
9.	-वही-	-वही-	मैसर्स रेखा कार्मिथल कं. लि.	313 -वही-	85-86/144/143 (1)

1	2	3	4	5	6
10	-बही-	-बही-	भक्ति विद्यापीठ ट्रस्टिंग और इतके लि.	334/-बही-	84-85/321 (1)
11.	-बही-	-बही-	-बही-	335/-बही-	85-86/141 (1)
12.	-बही-	-बही-	मैसर्स मेरिथक इन्फो लि.	586/-बही-	84-85/271 (1) (ए)
13.	-बही-	-बही-	आदर्श कमर्शियल क. लि.	387/-बहीअ	85-86/141 (1)
14.	-बही-	-बही-	वेकटेश्वर इंडस्ट्रिय प्रमोमन्स	318/-बही-	85-86-बही-
15.	-बही-	-बही-	मैसर्स पंचाराना पार्ट्स लि.	309/-बही-	85-86-बही-
16.	-बही-	-बही-	मैसर्स समायसि बाणिज्य परिसरान लि.	348-बही-	85-85-बहीअ
17.	-बही-	-बही-	अशित ट्रेडिंग एजेंसी लि.	341/-बही-	85-86/-बही-
18.	-बही-	-बही-	स्वस्ति क डीलर्स लि.	942/-बही-	85-86/-बही-
19.	-बही-	-बही-	मैसर्स अनांसा कामर्शियल लि.	342/-बही-	85-86/-बही-
20.	-बही-	-बही-	मैसर्स बैजसंगत कामर्शियल कं. लि.	638/-बही-	86-87/-बही-
21.	-बही-	-बही-	मैसर्स बेलिगटन कामर्शियल लि	345/-बही-	85-86/-बही-
22.	-बही-	-बही-	मैसर्स रेलींग प्रोजेक्ट लि.	-बही-	-बही-
23.	-बही-	-बही-	देवी होल्डिंग्स लि.	-बही-	-बही-
24.	-बही-	-बही-	मैसर्स कलेटन कामर्शियल कं. लि.	351/-बही-	84-85/154
25.	-बही-	-बही-	मैसर्स आरसधना इन्वेस्टमेंट लि.	597/-बही-	85-86/141 (1)
26.	-बही-	-बही-	मैसर्स भारयटो ट्रेड एमोसियेशन लि.	351/-बही-	84-85/221
27.	-बही-	-बही-	मैसर्स गोलडकेस्ट जूट और फार्बर्स लि.	354/-बही-	85-86/144
28.	-बही-	-बही-	मैसर्स मन फ्लावर कामर्स लि.	356/-बही-	-बही-
29.	-बही-	-बही-	मैसर्स रवेर इन्की और ट्रेडिंग कं. लि	537/-बही-	85-86/141 (3)
30.	-बही-	-बही-	मैसर्स गन्तोप देवी चमरिया	362/-बही-	83-84/16 (3)
31.	-बही-	-बही-	मैसर्स मनमोहन सेविंग और इन्वे प्राइवेट लि.	363/-बही-	85-86/141 (3)
32	-बही-	-बही-	मैसर्स स्कूप बैकअप और प्रोसेसिंग (प्राई) लि.	364/-बही-	85-86-बही-
33.	-बही-	-बही-	श्री विनय कुमार चमरिया	688/-बही-	82-83/16 (3)
34.	-बही-	-बहीअ	श्री विनय कुमार चमरिया	67/-बही-	66-67/25
35.	-बही-	-बही-	-बही-	368/-बही-	67-68/35
36.	-बही-	-बही-	-बही-	369/-बही-	69-70/35
37.	-बही-	-बही-	-बही-	370/-बही-	70-71/35
38.	-बही-	-बही-	-बही-	371/-बही-	71-72/35
39.	-बही-	-बही-	-बही-	372/-बही-	72-73/35
40.	-बही-	-बही-	-बही-	373/-बही-	73-74/35
41.	-बही-	-बही-	-बही-	374/-बही-	74-75/35
42.	-बही-	-बही-	-बही-	375/-बही-	75-76/35
43.	-बही-	-बही-	-बही-	680/-बही-	68-69/16 (1)
44.	-बही-	-बही-	-बही-	687/-बही-	81-82/-बही-
45.	-बही-	-बही-	-बही-	696/-बही-	80-81/-बही-
46.	-बही-	-बही-	श्री एम. के. गाह	379/-बही-	83-84/271 (1) (सी)
47.	-बही-	-बही-	-बही-	380/-बही-	84-84/271 (1) (5)
48.	-बही-	-बही-	मैसर्स सवीप इन्वे. लि.	587/-बही-	84-85/273 (2) (सी)
49.	-बही-	-बही-	-बही-	588/-बही-	85-86/143 (3)
50.	-बही-	-बही-	मैसर्स मंगलन सविसेज लि.	303/-बही-	85-86/143 (3)
51.	-बही-	-बही-	मैसर्स गोविन्द कामर्शियल कड. लि.	314/-बही-	86-87/141 (1)
52.	-बही-	-बही-	कुंवर इन्वे. लि.	315/-बही-	85-86/-बही-
53.	-बही-	-बही-	मैसर्स स्प्रैटा इन्वेस्टियम इन्वे. लि	386/-बही-	87-88/271 (1) (सी)
54.	-बही-	-बही-	-बही-	387/-बही-	83-84/271 (1) (ए)

1	2	3	4	5
55.	-बही-	-बही-	-बही-	88/-बही-
56.	-बही-	-बही-	-बही-	89/-बही-
57.	-बही-	-बही-	-बही-	90/-बही-
58.	-बही-	-बही-	-बही-	391/-बही-
			मैसर्स फाइनल एडमिशन (आई) लि.	
59.	-बही-	-बही-	-बही-	92/-बही-
60.	-बही-	-बही-	-बही-	93/-बही-
61.	-बही-	-बही-	-बही-	94/-बही-
62.	-बही-	-बही-	मैसर्स के. वी. आर. लि.	95/-बही-
63.	-बही-	-बही-	मैसर्स गेदिद कामशियल लि.	96/-बही-
64.	-बही-	-बही-	मैसर्स अजिता कामशियल लि.	97/-बही-
65.	-बही-	-बही-	-बही-	98/-बही-
66.	-बही-	-बही-	मैसर्स हरिजन ट्रेडिंग कं. लि.	99/-बही-
67.	-बही-	-बही-	-बही-	4000/-बही-
68.	-बही-	-बही-	मैसर्स जल कल्याण ग्रामसम केन्द्र लि.	402/-बही-
69.	-बही-	-बही-	मैसर्स करेमी इन्वे लि.	403/-बही-
70.	-बही-	-बही-	-बही-	404/-बही-
71.	-बही-	-बही-	कालिकट ट्रेडर्स और एक्सपोर्टर्स लि.	406/-बही-
72.	-बही-	-बही-	ऊषा फाउंडेशन लि.	409/-बही-
73.	-बही-	-बही-	अंकिता परिस्थान लि.	410/-बही-
74.	-बही-	-बही-	मैसर्स लिखायी कामशियल कं. लि.	411/-बही-
75.	-बही-	-बही-	बी. बी. इन्वेस्टमेंट लि.	412/-बही-
76.	-बही-	-बही-	कारज कामशियल कं. लि.	413/-बही-
77.	-बही-	-बही-	क्लटेक्स कामशियल लि.	414/-बही-
78.	-बही-	-बही-	सुनील कामशियल कं. (प्रा.) लि.	418/-बही-
79.	-बही-	-बही-	सुदामा ट्रेडिंग इन्वे लि.	419/-बही-
80.	-बही-	-बही-	सा उय इंडिया प्रोजेक्ट लि.	420/-बही-
81.	-बही-	-बही-	दीपा ट्रेडर्स कामशियल लि.	421/-बही-
82.	-बही-	-बही-	मल्लिकार्जुन कामशियल कं. लि.	619/-बही-
83.	-बही-	-बही-	मैसर्स प्रेसस वाणिज्य लि.	421/-बही-
84.	-बही-	-बही-	मैसर्स फेडास्टिक कामशियल लि.	424/-बही-
85.	-बही-	-बही-	डेक्कन ट्रेडर्स प्रा. लि.	425/-बही-
86.	-बही-	-बही-	महान इन्वेस्ट लि.	641/-बही-
87.	-बही-	-बही-	मैसर्स कोहिमूर इन्वे लि.	427/-बही-
88.	-बही-	-बही-	सामेह इन्वेस्टियल इन्वे लि.	429/-बही-
89.	-बही-	-बही-	मैसर्स गंकाज कामशियल लि.	430/-बही-
90.	-बही-	-बही-	नितु ट्रेडिंग कं. लि.	432/-बही-
91.	-बही-	-बही-	बिनोद कुमार चमारिया	647/-बही-
92.	-बही-	-बही-	-बही-	648/-बही-
93.	-बही-	-बही-	मैसर्स क्रिपोट्रेडर्स लि.	435/-बही-
94.	-बही-	-बही-	मैसर्स धानरय इन्वे लि.	541/-बही-
95.	-बही-	-बही-	भरापटी ट्रेडर्स एसोसिएट लि.	437/-बही-
96.	-बही-	-बही-	सुप्रिया एक्सपोर्टर्स लि.	439/-बही-
97.	-बही-	-बही-	मैसर्स ससिल ट्रेडर्स एसोसिएट लि.	440/-बही-
98.	-बही-	-बही-	साईन अप इन्वे लि.	780/-बही-
99.	-बही-	-बही-	मैसर्स कृपा इन्वेस्टमेंट लि.	442/-बही-
100.	-बही-	-बही-	शालिनी कटिला इन्वे लि.	443/-बही-

Calcutta, the 13th February, 1990

No. 23/89-90

S.O. 1362.—In exercise of powers conferred by sub-section (1) and (2) of Section 120 of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) and in exercise of powers conferred on me by the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, vide its Notification No. 8478 in F. No. 279/121/89/IT1/S.O. 868(M) dated 27-10-1989, and all other powers enabling me in this behalf, I, the Chief Commissioner of Income-tax (Technical) I, Calcutta hereby direct that in respect of the following Appeals in respect of the following persons as specified in Column 4 of the Schedule attached hereto, the Commissioner of Income-tax (Appeals)-VI shall not and the Commis-

sioners of Income-tax (Appeals) XI shall perform their functions in respect of such persons.

2. This notification takes effect from 20-2-1990.

3. It is clarified that but for the appeals mentioned above, the jurisdiction of the Commissioners of Income-tax (Appeals)-VI and XI will stand unaltered as decided in Notification No. 17/89-90 dated 7-12-89 issued by the Chief Commissioner of Income-Tax (Technical)-I, Calcutta.

[No. ITO/B&S-III/30/88-89]

DR. N. R. SIVASWAMY, Chief Commissioner of
Income Tax (Technical)-I

**SCHEDULE OF JURISDICTION OF COMMISSIONERS OF INCOME TAX (APPEALS)
FUNCTIONING UNDER CHIEF COMMISSIONER OF INCOME TAX, (TECHNICAL)-I, CALCUTTA**

Sl.No.	Jurisdiction From	Name of the Appellant To	Appel No.	Assessment year and the order under appeal	
1	2	3	4	5	6
1.	Commissioner of Income Tax (Appeal)-VI Calcutta.	Commissioner of Income-tax (Appeal)- XI, Calcutta	M/s. J. Kumari Financiers Ltd.	324/SC-IX/S(10)	85-86/143(3)
2.	-do-	-do-	M/s. Advance Business Co. (I) Ltd.,	326/do	83-84/273(2)
3.	-do-	-do-	-do-	327/do	83-84(271(1)(c)
4.	-do-	-do-	Hemant Ind. Services Ltd.	328/do	85-86/143(3)
5.	-do-	-do-	Vinoy Kr. Chamarla	827/do	83-84/251
6.	-do-	-do-	-do-	826/do	82-83/251
7.	-do-	-do-	-do-	825/do	81-82/251
8.	-do-	-do-	-do-	824/do	79-80/251
9.	-do-	-do-	M/s. Rekha Commercial Co. Ltd.,	333/do	85-86/144/143(2)
10.	-do-	-do-	Banke Behari Trading & Inv. Ltd.,	334/do	84-85/221(1)
11.	-do-	-do-	-do-	335/do	85-86/143(3)
12.	-do-	-do-	M/s. Sandeep Inv. Ltd.,	586/do	84-85/271(1)(c)
13.	-do-	-do-	Adarh Commercial Co. Ltd.,	337/do	85-86/143(3)
14.	-do-	-do-	Venkateshwara Industrial Promotions	338/do	85-86/143(3)
15.	-do-	-do-	M/s. Pancharana Arts Ltd.,	339/do	85-86/143(3)
16.	-do-	-do-	M/s. Damayanti Banijaya Pratishan Ltd.,	348/do	85-86/143(3)
17.	-do-	-do-	Ushite Trading Agencies Ltd.,	341/do)	85-86/143(3)
18.	-do-	-do-	Swastik Dealers Ltd.,	342/do	85-86/143(3)
19.	-do-	-do-	M/s. Ajanta Commerce Ltd.	343/do	85-86/143(3)
20.	-do-	-do-	M/s. Tej Mongal Commercial Co. Ltd.,	638/do	86-87 143(3)
21.	-do-	-do-	M/s. Wellington Commercial Ltd.,	345/do	85-86/143(3)
22.	-do-	-do-	M/s. Gaylord Project Ltd.	346/do	85-86/143(3)
23.	-do-	-do-	Dumby Holdings Ltd.,	348/do	84-85/143(3)

1	2	3	4	5	6
24.	-do-	-do-	M/s. Caytone Commercial Co. Ltd.,	351/do	84-85/154
25.	-do-	-do-	M/s. Aradhana Investment Ltd.,	597/do	85-86/143(3)
26.	-do-	-do-	M/s. Variety Trade Assocn. Ltd.,	353/do	84-85/221
27.	-do-	-do-	M/s. Goldcrest Jute & Fibre Ltd.,	354/do	85-86/144 85-86/143(3)
28.	-do-	-do-	M/s. Sun Flower Commerce Ltd.,	356/do	
29.	-do-	-do-	M/s. Twer Inv. & Trading Co. Ltd.,	537/do	85-86/143(3)
30.	-do-	-do-	M/s. Santosh Devi Chamria	362/do	83-84/16(3)
31.	-do-	-do-	M/s. Manmohan Savings & Inv. Pvt. Ltd.,	363/do	85-86/143(3)
32.	-do-	-do-	M/s. Scrap Breaking & (i) Ltd.	364/do	85-86/do
33.	-do-	-do-	Sri Vinay Kr. Chamria	688/do	82-83/16(3)
34.	-do-	-do-	Sri Vinay Kr. Chamria	367/do	66-67/35
35.	-do-	-do-	-do-	368/do	67-68/35
36.	-do-	-do-	-do-	369/do	69-70/35
37.	-do-	-do-	-do-	370/do	70-71/35
38.	-do-	-do-	-do-	371/do	71-72/35
39.	-do-	-do-	-do-	372/do	72-73/35
40.	-do-	-do-	-do-	373/do	73-74/35
41.	-do-	-do-	-do-	374/do	74-75/35
42.	-do-	-do-	-do-	375/do	75-76/35
43.	-do-	-do-	-do-	680/do	68-79/16(3)
44.	-do-	-do-	-do-	687/do	81-82/do
45.	-do-	-do-	-do-	686/do	80-81/do
46.	-do-	-do-	SSri M.K. Shah	379/do	83-84/271(1)(c)
47.	-do-	-do-	-do-	380/do	-do- /271(1)(b)
48.	-do-	-do-	M/s. Sandeep Inv. Ltd.,	587/do	84-85/273(2)(c)
49.	-do-	-do-	-do-	588/do	85-86/143(3)
50.	-do-	-do-	M/s. Mangalan Services Ltd.,	383/do	85-86/143(3)
51.	-do-	-do-	M/s. Govind Commercial Co. Ltd.,	384/do	86-87/143(3)
52.	-do-	-do-	Kundun Inv. Ltd.,	385/do	85-86 -do-
53.	-do-	-do-	M/s. Sweta Industrial Inv. Ltd.,	386/do	83-84/271(1),
54.	-do-	-do-	-do-	387/do	-do- /271(1)(a)
55.	-do-	-do-	-do-	388/do	84-85/271(1)(c)
56.	-do-	-do-	-do-	389/do	84-85/271(1)(c)
57.	-do-	-do-	-do-	390/do	84-85/273(1)(b)
58.	-do-	-do-	M/s. Finance Exchange(1) Ltd.,	391/do	82-73/273(2)(b)
59.	-do-	-do-	-do-	392/do	82-73/271(1)(c))
60.	-do-	-do-	-do-	393/do	83-84/271(1)(c)
61.	-do-	-do-	-do-	394/do	83-84/273(2)(b)

1	2	3	4	5	6
62.	-do-	-do-	M/s Kay Vee Aer Ltd.,	395/do	83-4/221
63.	-do-	-do-	M/s. Candid Commercial Ltd.,	396/do	84-85/221
64.	-do-	-do-	M/s. Ajanta Commercial Ltd.,	397/do	-do- /271(1)(c)
65.	-do-	-do-	-do-	398/do	-do- /273(1)(d)
66.	-do-	-do-	M/s. Harizan Trading Co. Ltd.,	399/do	-do- /273(1)(b)
68.	-do-	-do-	M/s. Janakalyan Abasan Kendra Ltd.,	402/do	87-88/143(3)
69.	-do-	-do-	M/s. Currency Inv. Co. Ltd.,	403/do	83-84/273(a)
70.	-do-	-do-	-do-	404/do	83-84/271(1)(c)
71.	-do-	-do-	Kartie Traders & Exporters Ltd.,	406/do	87-88/143(3)
72.	-do-	-do-	Usha Flowall Ltd.,	408/do	85-86/-do-
73.	-do-	-do-	Ankita Pratishan Ltd.,	410/do	-do-/-do-
74.	-do-	-do-	M/s. Likhani Commercial Co. Ltd.,	411/do	86-87/-do-
75.	-do-	-do-	B.B. Investment Ltd.,	412/do	85-86/-do-
76.	-do-	-do-	Caravan Commercial Co. Ltd.,	413/do	-do-/-do-
77.	-do-	-do-	Cooltex Commercial Ltd.,	414/do	-do-/-do-
78.	-do-	-do-	Sunil Commercial Co. (P) Ltd.,	418/do	-do-/-do-
79.	-do-	-do-	Sudama Trading & Inv. Ltd.,	419/do	-do-/-do-
80.	-do-	-do-	M/s. South India Project Ltd.,	420/do	-do-/-do-
81.	-do-	-do-	Deepa Trade & Commerce Ltd.,	421/do	-do-/-do-
82.	-do-	-do-	Multiple Commercial Co. Ltd.,	639/do	-do-/-do-
83.	-do-	-do-	M/s. Gracious Vanijya Ltd.,	423/do	-do-/-do-
84.	-do-	-do-	M/s. Fantastic Comm. Ltd.,	424/do	-do-/-do-
85.	-do-	-do-	Deccan Textiles (P)Ltd.,	425/do	-do-/-do-
86.	-do-	-do-	Mahaan Impex Ltd.,	441/do	-do-/-do-
87.	-do-	-do-	M/s. Kohinoor Inv.Ltd.,	427/do	-do- /-do-
88.	-do-	-do-	Sameh Industrial Inv. Ltd.,	429/do	-do-/-do-
89.	-do-	-do-	M/s. Pankuj Commercial Ltd.,	430/do	-do-/-do-
90.	-do-	-do-	Nitu Trading Co. Ltd.,	432/do	-do-/144
91.	-do-	-do-	Vinod Kr. Chamaria	647/do	83-84/16(3)
92.	-do-	-do-	Vinod Kr. Chamaria	648/do	-do-/-do-
93.	-do-	-do-	M/s. Krico Trader Ltd.,	435/do	85-86/143(3)
94.	-do-	-do-	M/s. Alrub Inv. Co.,	543/do	84-85/-do-
95.	-do-	-do-	Variety Trade Associates	437/-do-	85-86 -do-
96.	-do-	-do-	Supriya Exports Ltd.,	439/-do-	-do-/-do-/
97.	-do-	-do-	M/s. Snehil Traders Associates Ltd.,	440/do	87-88 -do-
98.	-do-	-do-	Shine up Inv. Ltd.,	780/do	86-87 143(3)
99.	-do-	-do-	M/s. Kripa Investment Ltd.,	442/-do	85-86 143(3)
100.	-do-	-do-	Shalini Fertilisers Ltd.,	443/do	85-86 143(3)

कलकत्ता, 22 फरवरी, 1990

सं० 24/89-90

आ. प्र. 1363 —आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) की धारा 120 की उपधारा (1) और (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और वैश्वीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, नई दिल्ली के अधीन जारी अधिसूचना संख्या 8478 तारीख 27-10-1989 (फाइल संख्या 279/121/89 आई.टी. जे.एस.ओ. 368 (ई) द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस दिशा में सक्षम बनाने वाली अन्य शक्तियों का प्रयोग करने हुए, मैं, मुख्य आयकर आयुक्त (प्रशासन), कलकत्ता, एतद्-द्वारा, निर्देश देता हूँ कि संलग्न अनुसूची के स्तम्भ 3 में उल्लिखित निम्नलिखित व्यक्तियों के निम्नलिखित अपीलों के सम्बन्ध में ऐसे व्यक्तियों के बारे में आयकर आयुक्त (अपील)-1 अपने कृत्यों का पालन नहीं करेंगे और आयकर आयुक्त (अपील)-5 अपने कृत्यों का पालन करेंगे।

2. यह अधिसूचना मुख्य आयकर आयुक्त (तकनीकी)-1, कलकत्ता की सहमति से जारी की गई है।

3. यह अधिसूचना तारीख 7-3-1990 से लागू होगी।

4. यह स्पष्ट किया जाता है कि उपरोक्त उल्लिखित अपीलों को छोड़कर, मुख्य आयकर आयुक्त (प्रशासन), कलकत्ता और मुख्य आयकर आयुक्त (तकनीकी)-1 कलकत्ता द्वारा क्रमशः जारी की गई अधिसूचना संख्या 16/89-90 और अधिसूचना संख्या 17/89-90 दिनांक 7-12-89 में निर्णीत आयकर आयुक्त (अपील)-2 और आयकर आयुक्त (अपील)-5 के क्षेत्राधिकार में कोई परिवर्तन नहीं होगा।

(सं.ख्या-आ.प्र./ब.प्र.मा.-III/30/88-89)

आर. पार्थसारथी, मुख्य आयकर आयुक्त (प्रशासन)

मुख्य आयकर आयुक्त (प्रशासन) के अधीन कार्यरत :

आयकर आयुक्त (अपील) के क्षेत्राधिकार की अनुसूची

क्रम संख्या	क्षेत्राधिकार से	अपीलार्थी का नाम	अपील संख्या	निर्धारण वर्ष और अपील के अधीन आदेश
1	2	3	4	5
1.	आयकर आयुक्त (अपील)-2, कलकत्ता	आयकर आयुक्त, इण्डियन एल्यूमिनियम	172 ए-II 83-84	1979-80, धारा 143 (3) के अधीन
2.	—वही—	—वही—	117 ए-II 84-85	1980-81, धारा 143 (3)/144-बी के अधीन
3.	—वही—	—वही—	परफेक्ट ट्रेडर्स एक्सपोर्टर्स लि.	1982-83, धारा 144 के अधीन
4.	—वही—	—वही—	अनुवीप इनवेस्टमेंट क. लि.	III ए-II 85-86
5.	—वही—	—वही—	माधुरी देवी जायसवाल एण्ड अर्ग	128 ए-II 85-86
6.	—वही—	—वही—	धार. के. जायसवाल	129 ए-II 85-86
7.	—वही—	—वही—	इन्डस एण्डिया लि.	161 ए-II 85-86
8.	—वही—	—वही—	—वही—	163 ए-II 85-86
9.	—वही—	—वही—	बसंत उद्योग प्रा. लि.	26 ए-II 86-87
10.	—वही—	—वही—	इन्डस एण्डिया लि.	233 ए-II 86-87
11.	—वही—	—वही—	मंसम बी.पो. अग्रवाल एण्ड सन्स लि.	294 ए-II 86-87
12.	आयकर आयुक्त (अपील)-2, कलकत्ता	आयकर आयुक्त, नरीन्द्र सिंह अटवाल	453 ए-II 86-87	1984-85, धारा 143(3) के अधीन
13.	—वही—	—वही—	माधुरी देवी जायसवाल	498 ए-II 86-87
14.	—वही—	—वही—	इन्डस एण्डिया लि.	27/ए-II 87-88
15.	—वही—	—वही—	—वही—	28/ए-II 87-88
16.	—वही—	—वही—	—वही—	29/ए-II 87-88
17.	—वही—	—वही—	—वही—	30/ए-II 87-88

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
18 अरकर अरुण (अरुण)-1, कलकत्ता	अरकर अरुण (अरुण)-6, कलकत्ता	ईकॉनॉमिक अन्वेषणार्थीय डेव, फाउण्डेशन	61/ए-II/87-88	198-85, धारा 143 (3) के अधीन
19 --वह--	--वह--	एड्डिगो रबड़ चक्रे (प्र.) लि.	120/ए-II/87-88	84-85, धारा 143 (3) के अधीन
20 --वह--	--वह--	देव दल	137/ए-II/87-88	80-81, धारा 271(1) का के अधीन
21 --वह--	--वह--	--वह--	144/ए-II/87-88	82-83, धारा 271(1) (ए) के अधीन
22 --वह--	--वह--	--वह--	168/ए-I/87-88	80-81, धारा 273 (1) अ के के अधीन
23 --वह--	आयकर अधिनियम (अरुण) 3 का. देव दल		167/ए-I/87-88	75-76, धारा 27/(1) ग. के अधीन
24 --वह--	--वह--	--वह--	168/ए-II/87-88	76-77, धारा 271 (1) के अधीन
25 --वह--	--वह--	--वह--	169/ए-II/87-88	77-78, धारा 271 य(1) (ग) के अधीन
26 --वह--	--वह--	--वह--	175/ए-II/87-88	83-84, धारा 271 (1) (सी) के अधीन
27 --वह--	--वह--	--वह--	176/ए-II/87-88	82-83, धारा 271 (1) (सी) के अधीन
28 --वह--	--वह--	--वह--	177/ए-II/87-88	80-81, धारा 271 (1) (ग) के अधीन
29 --वह--	--वह--	--वह--	178/ए-II/89-88/89-88	79-80, धारा 271 (1) (ग) के अधीन
30 --वह--	--वह--	--वह--	179/ए-II/87-88	78-79, धारा 271(1)(सी) के अधीन
31 --वह--	--वह--	राजघडिया पेपर मिल (पं) लि. लिमिटेड	190/ए-I/87-88	84-85 धारा 143 (3) के अधीन
32 --वह--	--वह--	इस्टन पेपर मिल लि.	331/ए-II/87-88	84-85, धारा 143 (3) के अधीन
33 --वह--	--वह--	वी लवरी टो. कं. लि.	440/ए-II/87-88	84-85, धारा 144 के अधीन
34 --वह--	--वह--	वी लवरी टो. कं. लि.	441/ए-II/87-88	85-86 धारा 155 के अधीन
35 --वह--	--वह--	बर्बादोन पम्प आई लि.	490/ए-II/87-88	धारा 144 के अधीन
36 अरकर अरुण (अरुण)-2 कलकत्ता	अरकर अरुण (अरुण)-5 कलकत्ता	एर. ज. ट्रेडिंग (पं) लि.	1/ए-II/87-88	85-86, धारा 143 (3) के अधीन
37 --वह--	--वह--	विशेषा टिस्स लिमिटेड	24/ए-II/88-89	84-85 धारा 144 (3) के अधीन
38 --वह--	--वह--	एम. कुमार एण्ड (पं) लि.	25/ए-II/88-89	85-86, धारा 143 (3) के अधीन
39 --वह--	--वह--	ग्रेट ईस्टर्न पब्लिशिंग	26/ए-II/88-89	85-86, धारा 143 (3) के अधीन
40 --वह--	--वह--	श्रीवाचन इण्डस्ट्रिय (पं) लि.	31/ए-II/89-	85-86 धारा 144 के अधीन
41 --वह--	--वह--	लिमेटन इण्डिया लि.	46/ए-II/88-89	84-85 धारा 143 (3) के अधीन
42 --वह--	--वह--	फॉरेन फाउन्डेशन लिमिटेड	85/ए-II/88-89	85-86, धारा 143(3) के अधीन
43 --वह--	--वह--	प्रक. व एड्डिगो लिमिटेड	102/ए-II/88-89	84-85, धारा 143(3) के अधीन
44 --वह--	--वह--	--वह--	103/ए-II/88-89	85-86, धारा 143 (3) के अधीन
45 --वह--	--वह--	विशेषा टिस्स लिमिटेड	107/ए-II/88-89	85-86, धारा 143 (3) के अधीन
46 --वह--	--वह--	ईकॉनॉमिक अन्वेषणार्थीय डेव फाउण्डेशन	126/ए-II/88-89	85-86, धारा 143 (3) के अधीन

1	2	3	4	5	6
47. आयकर अध्यायक (अर्जेंट)-II कल-5	अधिकार अध्यायक (अर्जेंट), कलकत्ता	ए. टाश एण्ड सन्स (पं.) लि.	138/ए-II/88-89	85-86 धारा 143 (3) के अधीन	
48. -वही-	-वही-	दाल्ट क. (पं.) लि.	141/ए-II/88-89	85-86, धारा 143 (3) के अधीन	
49. -वही-	-वही-	व. के. कम्प्यूटर कं. (पं.) लि.	150/ए-II/88-89	86-86, धारा 144 के अधीन	
50. -वही-	-वही-	सुरेण मोबिलिटी (पं.) लि.	155/ए-II/88-89	85-86, धारा 143 (3) के अधीन	
51. -वही-	-वही-	व. मेन्सिंगल फाइनेन्स एण्ड इन्वेस्ट (अर्जेंट) लि.	136/ए-II/88-89	85-86, धारा 143 (3) के अधीन	
52. -वही-	-वही-	विनय डायंग (पं.) लि.	354/ए-II/88-89	86-87, धारा 143 (3) के अधीन	
53. -वही-	-वही-	हेराल्ड प्रोजेक्टस लि.	207/ए-II/88-89	85-86, धारा 143 (3) के अधीन	
54. -वही-	-वही-	बलराम प्रापटिक्स (पं.) लि.	319/ए-II/88-89	86-87, धारा 143 (3) के अधीन	
55. -वही-	-वही-	नैशनल स्टैन्डर्ड इन्फोर्म लि.	175/ए-II/88-89	77-78, धारा 154 के अधीन	
56. -वही-	-वही-	व. रेन इण्डस्ट्रियल लिमिटेड	509/ए-II/86-87	84-85, धारा 143 (3) के अधीन	
57. -वही-	-वही-	सुरा, निर्यात, कुमार एण्ड क. प्रा लि.	64/ए-II/89-90	84-85, धारा 263/154 के अधीन	
58. -वही-	-वही-	श्रीमती. स. धीरी देवी जयसवाल	147/ए-II/89-90	82-83, धारा 271 (1) का के अधीन	
59. -वही-	-वही-	वेस्ट बालू कोल्सफैक्टस एगो लि.	157/ए-II/89-90	87-88, धारा 143 (3) के अधीन	
60. -वही-	-वही-	मैसर्स न. थं ईस्ट विन्कटस प्रा. लि.	224/ए-II/89-90	86-87 धारा 143 (3) के अधीन	
61. -वही-	-वही-	कृष्ण चन्द्र बल स्याहस प्रा. लि.	8/ए-II/89-90	87-88, धारा 143 (3) के अधीन	
62. -वही-	-वही-	कुनील प्रोडक्ट्स (पं.) लिमिटेड	200/ए-II/89-90	86-87, धारा 143 (3) के अधीन	
63. -वही-	-वही-	श्री. प्रकाश लैण्ड डेव. ह्. उमिया इण्डस. लि.	174/ए-II/89-90	76-77, धारा 143(3) /250 के अधीन	
64. -वही-	-वही-	मैसर्स डमरु ट्रायलॉट प्रा. लि.	103/ए-II/89-90	86-87, धारा 143 (3) के अधीन	
65. -वही-	-वही-	ईस्ट एण्ड एण्ड ईअर क. प्रा. लि.	98/ए-II/89-90	86-87, धारा 143 (3) के अधीन	
66. -वही-	-वही-	व. जनरल गोपार कं. प्रा. लि.	91/ए-II/89-90	84-85, धारा 143 (3) के अधीन	
67. -वही-	-वही-	नरेश नाथ मुखर्जी (एम. सी.) प्रा. लि.	149/ए-II/89-90	86-87, धारा 144 के अधीन	
68. -वही-	-वही-	मैसर्स अरविन्द प्रोजेक्टस लि.	97/ए-II/89-90	86-87 धारा 142, (3) के अधीन	
69. -वही-	-वही-	मैसर्स गैलाचल इस्टेट प्रा. लि.	21/ए-II/89-90	84-85, धारा 271 (1) (ए) के अधीन	
70. -वही-	-वही-	प्रोटेक्ट कन्सल्टेंट्स प्रा. लि.	6/ए-II/89-90	86-87, धारा 142 (3) के अधीन	
71. -वही-	-वही-	विक्रमैटिक (अर्जेंट) पी. लि.	5/ए-II/89-90	86-87, धारा 143 (3) के अधीन	
72. -वही-	-वही-	एडिंगल बियोबायॉफिक कं. प्रा.	143/ए-II/89-90	86-87 के धारा 143 (3) के अधीन	
73. -वही-	-वही-	कमलका का वैबाक गैस्ट पी. लि.	28/ए-II/89-90	86-87 धारा 143 (3) के अधीन	
74. -वही-	-वही-	मै. मैसर्स गणेश सविन प्रा. लि.	247/ए-II/89-90	85-86, धारा 143 (3) के अधीन	
75. -वही-	-वही-	मैसर्स केडिया बगियन उद्योग (पं.) लि.	19/ए-II/89-90	86-87 धारा 143 (3) के अधीन	
76. -वही-	-वही-	के. सी. बाम प्रा. लि.	10/ए-II/89-90	87-88 धारा 143 (3) के अधीन	
77. -वही-	-वही-	मैसर्स गुलाब लॉन्गटॉप के. प्रा. लि.	15/ए-II/89-90	86-87, धारा 143 (3) के अधीन	
78. -वही-	-वही-	व. ईरान डी. ट्रे. कं. पी. लि.	169/ए-II/88-89	82-83 154	
79. -वही-	-वही-	धोंप रोस एण्ड असासिगण्डस	269/ए-II/88-89	86-87 143 (3)	
80. -वही-	-वही-	घाटी डिमैन्सट्रक्चर्स (पं.) लि.	188/ए-II/88-89	83-84 143 (3) 154	
81. -वही-	-वही-	रमोई लिमिटेड	21/ए-II/88-89	85-86 143 (3)	
82. -वही-	-वही-	आई. ए. कर्माशियस प्रा. लि.	21/ए-II/89-89	85-86 143 (3)	
83. -वही-	-वही-	रोजेन्ड प्रा. अग्रवाल	उन्सुट्टो/88-89	76-77 16 (5)	
84. -वही-	-वही-	सुरेका रोलिंग मिल्स लि.	242/ए-II/88-89	85-86 111	
85. -वही-	-वही-	फेब्रिट स्माल इन्वेस्टमेंट्स	277/ए-II/88-89	85-86 143 (3)	
86. -वही-	-वही-	बलामेर कोल्ड स्टोरेज	278/ए-II/88-89	86-87 143 (3) 182	
87. -वही-	-वही-	विना कोमटिया (पं.) लि.	390/ए-II/88-89	85-86 143 (3)	
88. -वही-	-वही-	जे. एम्. अटवाल एण्ड अशिया	17/उन्सुट्टो/88-89	70-71-18 (1) (ए)	
89. -वही-	-वही-	जे. एम्. अटवाल एण्ड अशिया	19/उन्सुट्टो/88-89	70-71-18 (1) (1) (ओ)	

1	2	3	4	5	6
90.	—बही—	—बही—	के. सी. दाग लि.	298/ए-II/88-89	86-87/143(3)
91.	—बही—	—बही—	मौलाचल इस्टेट प्रा. लि.	321/ए-II/88-89	86-87/144
92.	—बही—	—बही—	हिमको स्टील प्रा. लि.	333/ए-II/88-89	85-86/143(3)
93.	—बही—	—बही—	पी. एम. बोपची एण्ड कं. (पी.) लि.	348/ए-II/88-89	86-86/143(3)
94.	—बही—	—बही—	आर्ह. एफ. बी. एगो इन्डस्ट्रिय	349/ए-II/88-89	86-87/143(3)
95.	—बही—	—बही—	—बही—	850/ए-II/88-89	86-87/143(3)
96.	—बही—	—बही—	युको बैंक	355/ए-II/88-89	79-80/143(3) 251/154
97.	—बही—	—बही—	भण्णारी मेन्स प्रा. लि.	350/ए-II/88-89	86-87/143(3)
98.	—बही—	—बही—	ओवेराय होटलम	362/ए-II/88-89	85-86/143(3)
99.	—बही—	—बही—	गुरु भाकोटिय कं. प्रा. लि.	378/ए-II/88-89	83-84/144
100.	—बही—	—बही—	कनक पैकिंग प्रोडाक्ट्सपी. लि.	383/ए-II/88-89	87-88/143(3)
101.	—बही—	—बही—	ग्रेट ईस्टर्न होटल अयागिटी	397/ए-II/88-89	86-87/143(3)
102.	—बही—	—बही—	रणजित एक्सपोर्ट्स प्रा. लि.	400/ए-II/88-89	86-87/143(3)
103.	—बही—	—बही—	मीन्डलेम बैंक पी. लि.	404/ए-II/88-89	75-76/8(2)
104.	—बही—	—बही—	—बही—	205/ए-II/88-89	76-77/8(2)
105.	—बही—	—बही—	—बही—	406/ए-II/88-89	77-79/8(2)
106.	—बही—	—बही—	—बही—	407/ए-II/88-89	78-79/8(2)
107.	—बही—	—बही—	द ईस्ट इण्डिया होटल लि०	19/ए-II/89-90	85-86/143(3)
108.	—बही—	—बही—	वरम इन्टरनेशनल (पी) लि.	32/ए-II/89-90	86-87/143(3)
109.	—बही—	—बही—	द युगान्तर बल.	33/ए-II/89-90	85-86/144
110.	—बही—	—बही—	उन्क्यू बी. इन्सुरेन्स कम्पनि- टिम मण्दार्ड कारपो. लि.	37/ए-II/89-90	83-84/273(2) (ए)
111.	—बही—	—बही—	उन्क्यू. बी. सेनसिग्नल कम्पनि- टिम मण्दार्ड कारपो. लि.	39/ए-II/89-90	86-87/143(3)
112.	—बही—	—बही—	उबरीवाणा वाणिज्य उद्योग लि.	40/ए-II/89-90	86-87/143(3)
113.	—बही—	—बही—	हामचा ट्रेडर्स एण्ड इन्वेस्टर लि.	44/ए-II/88-89	86-87/144
114.	—बही—	—बही—	कोहिनर रबर वर्क्स (पी) लि.	47/ए-II/88-89	84-85/271(1) (ए)
115.	—बही—	—बही—	—बही—	48/ए-II/88-89	84-85/271(1) (सी)
116.	—बही—	—बही—	मेमटन रैण्ड थ्राफ इण्डिया	49/ए-II/88-89	86-87/143(3)
117.	—बही—	—बही—	लि. बिजनेस इफिशियन्स सर्विसेस	297/ए-II/88-89	86-87/143(3)
118.	—बही—	—बही—	युको बैंक	363/ए-II/88-89	81-82/8(2)
119.	—बही—	—बही—	—बही—	364/ए-II/88-89	82-83/8(2)
120.	—बही—	—बही—	ट्रिकलेट्स ट्रेडिंग प्रा. लि.	56/ए-II/88-89	86-87/143(3)
121.	—बही—	—बही—	वेस्ट एण्ड कटरर प्रा० लि.	57/ए-II/88-89	86-87/143(3)
122.	—बही—	—बही—	सूर, लियोगी कुमार एण्ड कं. प्रा. लि.	65/ए-II/88-89	96-87/143(3)
123.	—बही—	—बही—	आरती प्राइज प्रा. लि.	73/ए-II/88-89	86-87/143(3)
124.	—बही—	—बही—	न्यू टोटाका कं. लि.	75/ए-II/88-89	85-86/441
125.	—बही—	—बही—	आर्ह टी. ओ. लि. टैकमेन्स डिपार्टमेंट	76/ए-II/88-89	80-81/154
126.	—बही—	—बही—	डेवसपमेन्ट कन्सल्टेन्स पी. लि.	81/ए-II/88-89	86-87/143(3)
127.	—बही—	—बही—	अर्मासगंज इस्टेट प्रा. लि.	83/ए-II/88-89	86-87/143(3)
128.	—बही—	—बही—	पित्तवा कौन कौशा लि.	85/ए-II/88-89	84-85/154
129.	—बही—	—बही—	एणोमिएट्रेड फाइनेन्स कं. लि.	86/ए-II/88-89	84-85/271(1) (फो)
130.	—बही—	—बही—	द युगान्तर लि.	88/ए-II/88-89	86-87/144
131.	—बही—	—बही—	ब स्टेट्ससर्गन लि.	89/ए-II/88-89	86-87/143(3)

1	2	3	4	5	6
132.	—यही—	—यही—	द जनरल व्योपार कं. पी. लि.	90/ए-II/89-90	83-84/143(3)
133.	—यही—	—यही—	फ्लॉगिंट स्मल इन्वेस्टमेंट्स	99/ए-I/89-90	83-84/143(3) 250
134.	—यही—	—यही—	वेलरेक्स इण्डिया लि.	101/ए-II/89-90	86-87/143(3)
135.	—यही—	—यही—	ईस्टर्न स्टोमशीपिंग प्रा. लि.	102/ए-II/89-90	86-87/143(3)
136.	—यही—	—यही—	शेस्टन इण्डिया प्रा. लि.	115/ए-II/89-90	86-87/144
137.	—यही—	—यही—	लाम्य सर्गनाईजेसन पी. लि.	116/ए-II/89-90	86-87/143(3)
138.	—यही—	—यही—	पाके चेम्बर्स लि.	119/ए-I/89-90	85-86/271 (सी)
139.	—यही—	—यही—	सी. एम्. अटवाल एण्ड कं. (आमनहाल)	121/ए-II/89-90	85-86/143(3)
140.	—यही—	—यही—	—	122/ए-II/89-90	—यही—
141.	—यही—	—यही—	विश्वकुट प्रपाटिसस	123/ए-II/89-90	86-87/143(3)
142.	—यही—	—यही—	वसुधरेस प्रपाटिसस लि.	126/ए-II/89-90	86-87/143(3)
143.	—यही—	—यही—	राज एण्ड बीप (पी.) लि.	127/ए-II/89-90	86-87/143(3)
144.	—यही—	—यही—	सगुण कर्मणिगल (पी.) लि.	129/ए-II/89-90	86-87/143(3)
145.	—यही—	—यही—	पाईनटो होल्डिंग्स (पी.) लि.	130/ए-II/89-90	86-87/143(3)
146.	—यही—	—यही—	आर. ए. हंटर एण्ड कं. (पी.) लि.	131/ए-II/89-90	86-87/143(3)
147.	—यही—	—यही—	स्नेह बाण्डस एण्ड होल्डिंग्स (पी.)	132/ए-II/89-90	86-87/143(3)
148.	—यही—	—यही—	रजनीश्वरी होल्डिंग्स (पी.) लि.	133/ए-II/89-90	86-87/143(3)
149.	—यही—	—यही—	कमला होल्डिंग्स (पी.) लि.	134/ए-II/89-90	86-87/143(3)
150.	—यही—	—यही—	आई. ए. कर्पोरेशन प्रा. लि.	135/ए-II/89-90	86-87/143(3)
151.	—यही—	—यही—	निमिर पेटिंग्स वर्क (पी.) लि.	136/ए-II/89-90	86-87/143(3)
152.	—यही—	—यही—	श्री निर्माण लि.	138/ए-II/89-90	86-87/143(3)
153.	—यही—	—यही—	ग्रोन्लेस बैंक पी. एल. सी.	139/ए-II/89-90	86-87/143(3)
154.	—यही—	—यही—	जैनेश्वर इन्टरनेशनल प्रा. लि.	140/ए-II/89-90	86-87/143(3)
155.	—यही—	—यही—	मैना सींग प्रा. लि.	145/ए-II/89-90	86-87/143(3)
156.	—यही—	—यही—	बाटा इण्डिया लि.	154/ए-II/89-90	86-87/143(3)
157.	—यही—	—यही—	रामपुरिया ब्रा. प्रा. लि.	160/ए-II/89-90	86-87/144
158.	—यही—	—यही—	यार. पी. डी. वैथलम इण्डिया लिमिटेड	162/ए-II/89-90	86-87/143(3)
159.	—यही—	—यही—	कानस लिमिटेड बिमनेस प्रा. लि.	163/ए-II/89-90	86-87/144(3)
160.	—यही—	—यही—	एमियाटीक एम्प्लोयिग प्रा. लि.	164/ए-II/89-90	85-86/144
161.	—यही—	—यही—	निम्पति लवेलस लि.	171/ए-II/89-90	86-87/143(3)
162.	—यही—	—यही—	बैथल लॉय लि.	172/ए-II/89-90	86-87/143(3)
163.	—यही—	—यही—	श्री प्रमोद एण्ड डेवलपमेंट आर्गनिज इण्डस लिमिटेड	175/ए-II/89-90	79-80/(3)/250
164.	—यही—	—यही—	मेन्चुरी लिमिटेड कं. लि.	187/ए-II/89-90	86-87/143(3)
165.	—यही—	—यही—	मिथुया डेवलपमेंट पी. लि.	188/ए-II/89-90	86-87/143(3)
166.	—यही—	—यही—	शार्पीरॉड प्रोजेक्ट प्रा. लि.	189/ए-II/89-90	86-87/143(3)
167.	—यही—	—यही—	वसेन उद्योग प्रा. लि.	194/ए-II/89-90	86-87/143(3)
168.	—यही—	—यही—	जयसेन कन्स्ट्रक्शन प्रा. लि.	195/ए-II/89-90	86-87/143(3)
169.	—यही—	—यही—	वेवाणगल कोल्ड स्टोरेज प्रा. लि.	196/ए-II/89-90	86-87/143(3)
170.	—यही—	—यही—	सेनको ज्यूलस लि.	206/ए-II/89-90	86-87/143(3)
171.	—यही—	—यही—	इसकेप (आई) प्रा. लि.	207/ए-II/89-90	86-87/143(3)
172.	—यही—	—यही—	एक्सप्रेस टीन कान्टेनर (पी.) लिमिटेड	210/ए-II/89-90	86-87/143(3)
173.	—यही—	—यही—	स्टारको ग्रॉफिस प्रा. लि.	216/ए-II/89-90	86-87/143(3)
174.	—यही—	—यही—	शाहनिग रिजिनिग लिमिटेड	219/ए-II/89-90	86-87/143(3)
175.	—यही—	—यही—	सी. एस. अटवाल एण्ड कं. प्रा. लिमिटेड	233/ए-II/89-90	86-87/143(3)

1	2	3	4	5	6
176	—बही—	—बही—	—बही—	234/ए-11/89-90	86-87/143(3)
177	—बही—	—बही—	एपेजी एज्युकेशन एसोसिएशन प्रा. लिमिटेड	236/ए-11/89-90	86-87/143(3)
178	—बही—	—बही—	एपेजी मेडिकल रिसर्च वेलफेयर एसो. प्रा. लिमिटेड	236/ए-11/89-90	86-97/143(3)
179	—बही—	—बही—	व पियरलेस काम्पलटेन्सी सर्विसेस (प्रा.) लिमिटेड	245/ए-11/89-90	84-85/144/263
180	—बही—	—बही—	व पियरलेस काम्पलटेन्सी सर्विसेस (प्रा.) लिमिटेड	246/ए-11/89-90	86-87/143(3)
181	—बही—	—बही—	टार्की इन्टरनेशनल लिमिटेड	248/ए-11/89-90	86-87/143(3)
182	—बही—	—बही—	बी. एस. एन. कन्स्ट्रक्शन एण्ड डेवलपमेंट प्रा. लि.	254/ए-11/89-90	86-87/143(3)
183	—बही—	—बही—	व सेट्टे क्लब लिमिटेड	255/ए-11/89-90	86-87/143(3)
184	—बही—	—बही—	सीता कास्टिंग (पी.) लि.	156/ए-11/89-90	86-87/143(3)
185	—बही—	—बही—	अनप्रिय फाइनेन्स हाउसिंग इनवेस्ट इन्वेस्ट धार्म. लिमिटेड	258/ए-11/89-90	86-87/143(3)
186	—बही—	—बही—	युनाइटेड इण्डस बैंक लि.	259/ए-11/89-90	86-87/143(3)
187	—बही—	—बही—	बोकाचेर बुलेन मिल्स पी. लि.	260/ए-11/89-90	86-87/143(3)
188	—बही—	—बही—	मुमंगल ट्रेडर्स लिमिटेड	262/ए-11/89-90	86-87/143(3)
189	—बही—	—बही—	मास्काट डिमिटिवारिस लि.	264/ए-11/89-90	86-87/143(3)
190	—बही—	—बही—	निर्बीण कोलड स्टोरेज पी. लि.	273/ए-11/89-90	86-87/143(3)
191	—बही—	—बही—	जुबिली कर्मागियस प्रा. लि.	274/ए-11/89-90	86-87/143(3)
192	—बही—	—बही—	गोखी विनियोग (पी.) लि.	278/ए-11/89-90	86-87/143(3)
193	—बही—	—बही—	बी. एस. पाल चौधरी एण्ड कं पी. लिमिटेड	281/ए-11/89-90	84-85/271(1)(सी)
194	—बही—	—बही—	ट्रिस्को स्टील प्रा. लिमिटेड	286/ए-11/89-90	86-87/143(3)
195	—बही—	—बही—	इंक्रामासिक एण्ड प्रान्स्प्रेसिंग डेवलपमेंट एण्ड उन्वेशन	288/ए-11/89-90	86-87/143(3)
196	—बही—	—बही—	बेंगल वाटरपूफ लिमिटेड	298/ए-11/89-90	86-87/143(3)
197	—बही—	—बही—	डीनलेस बैंक पी. एल. सी.	300/ए-11/89-90	81-82/8(2)
198	—बही—	—बही—	—बही—	301/ए-11/89-90	82-83/8(2)
199	—बही—	—बही—	—बही—	302/ए-11/89-90	83-84/8(2)
200	—बही—	—बही—	—बही—	303/ए-11/89-90	84-85/8(2)
201	—बही—	—बही—	—बही—	304/ए-11/89-90	85-86/8(2)
202	—बही—	—बही—	इलाहाबाद बैंक	309/ए-11/89-90	82-83/8(2)
203	—बही—	—बही—	—बही—	310/ए-11/89-90	83-84/8(2)
204	—बही—	—बही—	—बही—	311/ए-11/89-90	84-85/8(2)
205	—बही—	—बही—	—बही—	321/ए-11/89-90	85-86/8(2)
206	—बही—	—बही—	—बही—	315/ए-11/89-90	86-87/8(2)
207	—बही—	—बही—	अनमेमेने बैंक नेदरलैंड एल. बी	317/ए-11/89-90	78-79/8(2)
208	—बही—	—बही—	—बही—	320/ए-11/89-90	82-83/8(2)
209	—बही—	—बही—	—बही—	321/ए-11/89-90	83-84/8(2)
210	—बही—	—बही—	—बही—	322/ए-11/89-90	84-85/8(2)
211	—बही—	—बही—	—बही—	323/ए-11/89-90	85-86/1548(2)
212	—बही—	—बही—	कलकत्ता प्लाईवुड कं. पी. लि.	326/ए-11/89-90	86-87/143(3)
213	—बही—	—बही—	वारेन इण्डस्ट्रियल लिमिटेड	329/ए-11/89-90	86-87/143(3)
214	—बही—	—बही—	व इण्डियन प्रोप्युनिटियस कं. लि.	330/ए-11/89-90	81-82/154
215	—बही—	—बही—	युको बैंक	331/ए-11/89-90	78-79/143(3)

1	2	3	4	5	6
216.	-वही-	-वही-	मृत्तालिनी बिरि कं पी लि	334/ए-11/89-90	87-88/143
217.	-वही-	-वही-	मेसर्स ग्राउन्ड लाइन लि	337/ए-11/89-90	85-86/154
218.	-वही-	-वही-	बेपेल टेलिकम्युनिकेशन इण्डियम लि	344/ए-11/89-90	87-88/143(3)
219.	-वही-	-वही-	मृत्तालिनी बिरि मेम्बू कं. पी. लि	352/ए-11/89-90	88-89/143(3)
220.	-वही-	-वही-	बेलास बिरि कैम्टरी प्रा लि.	356/ए-11/89-90	88-89/143(3)
221.	-वही-	-वही-	यूको बैंक	366/ए-11/89-90	83-84/2 (2)
222.	-वही-	-वही-	प्रवही-	366/ए-11/89-90	84-85/8(2)
223.	-वही-	-वही-	-वही-	368/ए-11/89-90	86-87/8(2)
224.	-वही-	-वही-	यूनाइटेड कोस्ट लि	370/ए-11/89-90	87-88/143(3)
225.	-वही-	-वही-	मेसर्स विनय उद्योग (पी) लि	369/ए-11/89-90	87-88/143(3) 143(3) (ए)
226.	-वही-	-वही-	यूनाइटेड इण्डस्ट्रीयल बैंक लि	374/ए-11/89-90	76-77/8(2)
227.	-वही-	-वही-	-वही-	375/ए-11/89-90	77-78/8(2)
228.	-वही-	-वही-	-वही-	376/ए-11/89-90	76-77/8(2)
229.	-वही-	-वही-	-वही-	387/ए-11/89-90	81-82/8(2)
230.	-वही-	-वही-	-वही-	379/ए-11/89-90	82-83/8(2)
231.	-वही-	-वही-	-वही-	380/ए-11/89-90	83-84/8(2)
232.	-वही-	-वही-	-वही-	381/ए-11/89-90	84-85/8(2)
233.	-वही-	-वही-	-वही-	382/ए-11/89-90	85-86/8(2)
234.	-वही-	-वही-	-वही-	383/ए-11/89-90	86-87/8(2)
235.	-वही-	-वही-	फाररेल लार्सेन्स इंक	394/ए-11/89-90	84-85/143(3) 44वी
236.	-वही-	-वही-	यूनाइटेड कोस्ट (बाम्बे) लि	399/ए-11/89-90	97-88/143(3)
237.	-वही-	-वही-	नयुमल प्रा लि	402/ए-11/89-90	83-84/251 154
238.	-वही-	-वही-	होरल समूह (पी) लि.	403/ए-11/89-90	86-87/144
239.	-वही-	-वही-	बी एस एन. कम्प्यूटेशन एण्ड डेवलपमेंट (पी) लि.	428/ए-11/89-90	86-87/154
240.	-वही-	-वही-	वरस इन्टरनेशनल (पी) लि.	425/ए-11/89-90	87-88/143(3)
241.	-वही-	-वही-	बायनपल्ली प्रा. लि.	424/ए-11/89-90	86-87/143(3)
242.	प्रायकर आयुक्त (अपील)-II	प्रायकर आयुक्त (अपील)-II	कलकत्ता इस्टेट्स (पी) लि.	427/ए-11/89-90	87-88/144
243.	वही	वही	हिन्दुस्तान प्रोजेक्ट्स एंड फ्राइम्स कम्पनी लिमिटेड	428/ए-11/89-90	87-88/144
244.	वही	वही	प्रोसवाल फायरस	430/ए-11/89-90	84-85-144-251
245.	वही	वही	ग्रेट ईस्टर्न होटल प्रायोरिटी	432/ए-11/89-90	87-88/143/1(31)
246.	वही	वही	प्रटो थिस्ट्रिक्शन लिमिटेड	433/ए-11/89-90	88-89/143(3)
247.	वही	वही	जॉ.के. डब्ल्यू. (प्रोवरासीज) ट्रेडिंग लिमिटेड	434/ए-11/89-90	88-89/143(3)
248.	-वही-	-वही-	-वही-	45/ए-11/89-90	87-88/143(3)
249.	-वही-	-वही-	प्रसीमग इस्टेट्स पी लि.	439/ए-11/89-90	87-88/143(3)
250.	-वही-	-वही-	व इण्डियन प्रत्युमीनियम कं लि	440/ए-11/89-90	82-83/154
251.	-वही-	-वही-	ग्लू मर्न (आई) प्रा. लि.	450/ए-11/89-90	87-88/144
252.	-वही-	-वही-	मेहला टोबैकोनिस्ट (पी) लि	455/ए-11/89-90	87-88-144
253.	-वही-	-वही-	प्रारपी प्रोपारिटी (पी) लि	457/ए-11/89-90	87-88/143(4)
254.	-वही-	-वही-	व इण्डियन प्रत्युमीनियम कं लि (रीट) सेंटर एनक्लोराइड)	174/ए-11/82-83	78-79/143(3)/144वी
255.	-वही-	-वही-	व इण्डियन प्रत्युमीनियम कं लि	135/ए-11/80-81	76-77/143(3)
256.	-वही-	-वही-	-वही-	11/ए-11/81-82/1/	77-78/143(3) 144वी
257.	वही	वही	वही	304/ए-11/83-84	77-78/154
258.	-वही-	-वही-	मेसर्स गैलास इस्टेट (पी) लि	472/ए-11/86-87	84-85/143(3)

1	2	3	4	5	6
259.	-वही-	-वही-	मंसर्स देवाशरीफ कोहड़ स्टोरेज	92/ए-11/89-90	85-86/143(3)
260.	-वही-	-वही-	पूवंग टो कं लिमिटेड	253/ए-11/88-89	78-79/271(11) (सी)
261.	-वही-	-वही-	शा बालेस एण्ड कं लिमिटेड	285/ए-11/88-89	85-86/143(3)
262.	-वही-	-वही-	शिव बा (बाह्य) प्रा० लि०	41/ए-11/88-89	86-87/143(3)
263.	-वही-	-वही-	यूनाइटेड क्रेडिट लिमिटेड	363/ए-11/88-89	86-87/143(3)
264.	-वही-	-वही-	मंसर्स व भोरीयल फाइनेस एण्ड इन्व- स्टमेंट (आई) लि	364/ए-11/88-89	83-84/143(3) 251
265.	-वही-	-वही-	ग्रोमलेस बैंक पी. आई. सी.	408/ए-11/88-89	79-80/8(2)
266.	-वही-	-वही-	श्री क्यामरॉन्ड दव हाउसिंग इण्ड लि.	176/ए-11/89-90	82-83/143(3) 450
267.	-वही-	-वही-	गालिमार् मिनायल प्रोडक्ट्स (पी) लि.	180/ए-11/89-90	86-87/143(3)
268.	-वही-	-वही-	मंसर्स धर्मना एजेंसी लि	294/ए-11/89-90	83-84/154
269.	-वही-	-वही-	मंसर्स धर्मना एजेंसी लि	289/ए-11/89-90	86-87/143(3)
270.	-वही-	-वही-	चोप, बोस एण्ड इंसोशिएट (पी) लि.	214/ए-11/98-90	87-88/143(3)
271.	-वही-	-वही-	पाली कमर्शियल कं लि	209/ए-11/89-90	86-87/143(3)
272.	-वही-	-वही-	प्रलभने बैंक नेबरहोम एन बी	316/ए-11/89-90	77-78/8(2)
273.	-वही-	-वही-	प्रलभने बैंक नेबरहोम एन बी	319/ए-11/89-90	81-82/8(2)
274.	-वही-	-वही-	श्री बेब बत्त	164/ए-11/87-88	82-83/373(1) (बी)
275.	-वही-	-वही-	श्री बेब बत्त	5 डल-य टो/ए/11/87-88	82-83/16(8)
276.	-वही-	-वही-	मंसर्स पी के. धारण (पी) लि	164/ए-11/86-87	83-84/143(3)
277.	-वही-	-वही-	मंसर्स डलप इण्डिया लि.	169/ए-11/85-86	74-75/154
278.	-वही-	-वही-	गुप्त एपार्टमेंट्स एण्ड मिडलम प्रसोशिएट्स (पी) लि.	44/ए-11/87-88	85-84/154
279.	-वही-	-वही-	-वही-	270/ए-11/86-87	83-84/143(3)
280.	-वही-	-वही-	गा स्कट डिस्टिलरिज (पी) लि	315/ए-11/88-89	85-86/144
281.	-वही-	-वही-	मंसर्स मोड सर्विसेस (पी) लि.	380/ए-11/88-89	87-88/143(3)
282.	-वही-	-वही-	द विमाकसी टो कं लि	232/ए-11/87-88	80-81/143(3) 263
283.	-वही-	-वही-	-वही- [एस टी केस धारा 13(2) के अधीन]	220/ए-11/87-88	78-79/13(3)
284.	-वही-	-वही-	मंसर्स मेकलीन रासम (आई) लि	316/ए-11/88-89	78-79/13
285.	-वही-	-वही-	मंसर्स आई एण्ड आई (पी) लि	360/ए-11/88-89	86-87/143(3)
286.	-वही-	-वही-	मंसर्स भारवाची समवाय	317/ए-11/89-90	83-84/371(1) (ए)
287.	-वही-	-वही-	एम कुमार एण्ड कं प्रा० लि	3/ए-11/88-89	87-88/143(3)
288.	-वही-	-वही-	बैलाल हिरि फ्रैक्टरी प्रा लि	341/ए-11/89-90	87-88/143(3)
289.	-वही-	-वही-	श्री निशीथ चन्द्र बोष	299/ए-11/88-89	86-87/143(3)
290.	-वही-	-वही-	मंसर्स धर्मना एजेंसी लि	295/ए-11/89-90	85-86/271 बी
291.	-वही-	-वही-	मंसर्स एस गुड इन्वैस्टमेंट्स (नार्थ इण्डिया) प्रा लि	283/ए-11/89-90	86-87/143(3)
292.	-वही-	-वही-	प्रयामनगर इन्वेस्टमेंट कं लि	231/ए-11/89-90	86-87/143(3)
293.	-वही-	-वही-	बलुधरा प्रपार्टिज लि	125/ए-11/89-90	84-85/143(3)
294.	-वही-	-वही-	एक्सप्लोसीव इन्वेस्टमेंट (पी) लि.	28/ए-11/89-90	87-88/143(3)
295.	-वही-	-वही-	मंसर्स मृणापत्नी बिर्मयूक कं	31/ए-11/89-90	86-87/271 बी
296.	-वही-	-वही-	नवालिटी फूड सर्विसेस (पी) लि	153/ए-11/89-90	86-87/144

Calcutta, the 22nd February, 1990

No. 24/89-90

S.O. 1363.-In exercise of powers conferred by sub-section (1) and (2) of Section 120 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and in exercise of powers conferred on me by the Central Board of Direct Taxes, New Delhi, vide its Notification No. 8478 in F. No. 279/121/89/ITJ/S.O. 868 (E) dated 27-10-1989, and all other powers enabling me in this behalf, I, the Chief Commissioner of Income-tax (Administration), Calcutta, hereby direct that in respect of the following Appeals in respect of the following persons as specified in Column 3 of the Schedule attached hereto, the Commissioner of Income-tax (Appeals)-II shall not and the Commissioner of Income-tax (Appeals)-V shall perform their functions in respect of such persons.

2. This Notification is issued with the concurrence of the Chief Commissioner of Income-tax (Technical)-I, Calcutta.

3. This notification takes effect from 7-3-1990.

4. It is clarified that, but for the appeals mentioned above, the jurisdiction of Commissioner of Income-tax (Appeals)-II and Commissioner of Income-tax (Appeals)-V will stand unaltered as decided in Notification No. 16/89-90 and Notification No. 17/89-90 dated 7-12-89 issued by the Chief Commissioner of Income-Tax (Administration), Calcutta, and the Chief Commissioner of Income-tax (Technical)-I, Calcutta respectively.

[No. ITO/B&S-III/30/88-89]

R. PARTHASARATHY, Chief Commissioner of
Income-tax (Administration)

**SCHEDULE OF JURISDICTION OF COMMISSIONER OF INCOME TAX (APPEALS) FUNCTIONING UNDER
CHIEF COMMISSIONER OF INCOME TAX (ADMINISTRATION) CALCUTTA**

Sl. No.	Jurisdiction		Name of the appellant	Appeal No.	Assessment year & the order under appeal
	From	To			
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	
1.	Commissioner of Income Tax (Appeals)-II, Calcutta	Commissioner of Income Tax (Appeals)-V, Calcutta	Indian Aluminium	172/A-II/83-84	1979-80, u/s 143(3)
2.	-do-	-do-	-do-	117/A-II/84-85	1980-81, u/s 143(3)/144B
3.	-do-	-do-	Perfet Traders Exporters Ltd.	34/A-II/85-86	1982-83, u/s 144.
4.	-do-	-do-	Anudeep Investment Co. Ltd.	111/IAII/85-86	1982-83, u/s 143(3).
5.	-do-	-do-	Madhuri Devi Jaiswal & Org.	128/A-II/85-86	1976-77, u/s 144, 147, 159(1)
6.	-do-	-do-	R. K. Jaiswal.	129/A-II/85-86	1982-83, u/s 143(3).
7.	-do-	-do-	Dunlop India Ltd.	161/A-II/85-86	1978-79, u/s 154.
8.	-do-	-do-	-do-	163/A-II/85-86	1979-80, u/s 154.
9.	-do-	-do-	Basant Udyog Pvt. Ltd.	96/A-II/86-87	1983-84, u/s 143(3).
10.	-do-	-do-	Dunlop India Ltd.	238/A-II/86-87	1975-76, u/s 254.
11.	-do-	-do-	M/s B.P. Agarwalla & Sons Ltd.	294/A-II/86-87	1985-86, u/s 143(3).
12.	-do-	-do-	Narinder Sign Atwal	453/AII/86-87	1984-85, u/s 143(3).
13.	-do-	-do-	Madhuri Devi Jaiswal	498/A-II/86-87	1982-83, u/s 143(3), 147(4)
14.	-do-	-do-	Dunlop India Ltd.	27/A-II/87-88	1979-80, u/s 154.
15.	-do-	-do-	-do-	28/A-II/87-88	1982-83, u/s 154.
16.	-do-	-do-	-do-	29/A-II/87-88	1982-83, u/s 154.
17.	-do-	-do-	-do-	30/A-II/87-88	1982-83, u/s 154.
18.	-do-	-do-	Economic Entrepreneurship Dev. Foundation.	61/A-II/87-88	1984-85, u/s 143(3).
19.	-do-	-do-	New India Rubber Works (P) Ltd.	120/A-II/87-88	84-85, u/s 143(3)
20.	-do-	-do-	Deva Dutta.	137/A-II/87-88.	80-81, u/s 271(1)(h)
21.	-do-	-do-	-do-	144/A-II/87-88	82-83, u/s 271(1)(a)
22.	-do-	-do-	-do-	165/A-II/87-88	80-81, u/s 273(1)(b)
23.	-do-	-do-	-do-	167/A-II/87-88	75-76, u/s 271(1)(c)
24.	-do-	-do-	-do-	168/A-II/87-88	76-77, u/s 271(1)(c)
25.	-do-	-do-	-do-	169/A-II/87-88	77-78, u/s 271(1)(c)
26.	-do-	-do-	-do-	175/A-II/87-88	83-84, u/s 271(1)(c)
27.	-do-	-do-	-do-	176/A-II/87-88	82-83, u/s 271(1)(c)
28.	-do-	-do-	-do-	177/A-II/87-88	80-81, u/s 271(1)(c)
29.	-do-	-do-	-do-	178/A-II/87-88	79-80, u/s 271(1)(c)

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
30. Commissioner of Income Tax (Appeals)-II, Calcutta	Commissioner of Income Tax (Appeals) —V, Calcutta.	Deva Dutta	179/A-II/87-88	78-79, u/s 271(1)(c)
31.	-do-	-do-	Raigharia Paper Mills (P) Ltd.	190/A-II/87-88 84-85, u/s 143(3)
32.	-do-	-do-	Eastern Paper Mills Ltd.	331/A-II/87-89 84-85, u/s 143(3)
33.	-do-	-do-	The Laxmi Tea Co. Ltd.	440/A-II/87-88 84-85, u/s 144.
34.	-do-	-do-	The Laxmi Tea Co. Ltd.	441/A-II/87-88 85-86, u/s 144.
35.	-do-	-do-	Worthington Pump(I) Ltd.	490-A-II/87-88 84-85, u/s 143(3)
36.	-do-	-do-	R.G. Traders (P) Ltd. ,	1/A-II/87-88 85-86, u/s 143(3)
37.	-do-	-do-	Tribeni Tissue Limited.	24/A-II/88-89 84-85, u/s 143(3)
38.	-do-	-do-	S. Kumar & (P) Limited.	25/A-II/88-89 85-86, u/s 143(3)
39.	-do-	-do-	Great Eastern Hotel Authorities	26/A-II/88-89 85-86, u/s 143(3)
40.	-do-	-do-	Sailachal Estate (P) Limited.	31/A-II/88-89 85-86, u/s 144.
41.	-do-	-do-	Lipton India Ltd.	46/A-II/88-89 84-85, u/s 143(3)
42.	-do-	-do-	Forex Finance Limited.	85/A-II/88-89 85-86, u/s 143(3)
43.	-do-	-do-	Brook Bond India Limited.	102/A-II/88-89 84-85, u/s 143(3)
44.	-do-	-do-	-do-	103/A-II/88-89 85-86, u/s 143(3)
45.	-do-	-do-	Tribeni Tissues Limited.	107/A-II/88-89 85-86, u/s 143(3)
46.	-do-	-do-	Economic Entrepreneurship Dev. Foundation.	126/A-II/88-89 85-86, u/s 143(3)
47.	-do-	-do-	A. Tosh & Sons (P) Limited.	138/A-II/88-89 85-86, u/s 143(3)
48.	-do-	-do-	Dollo Tea Co.(P) Limited.	141/A-II/88-89 85-86, u/s 143(3)
49.	-do-	-do-	V.K. Construction Co. (P) Limited.	150/A-II/88-89 85-86, u/s 144.
50.	-do-	-do-	Sudera Services (P) Limited.	155/A-II/88-89 85-86, u/s 143(3)
51.	-do-	-do-	The Memorial Finance & Invest(I) Ltd.	136/A-II/88-89 85-86, u/s 143(3)
52.	-do-	-do-	Binoy Udyog (P) Ltd. .	354/A-II/88-89 86-87, u/s 143(3)
53.	-do-	-do-	Herald Projects Ltd.	207/A-II/88-89 85-86, u/s 143(3)
54.	-do-	-do-	Baloram Properties (P) Limited.	319/A-II/88-89 86-87, u/s 143(3)
55.	-do-	-do-	National Standard Duncak Limited	175/A-II/88-89 77-78, u/s 154.
56.	-do-	-do-	Warren Industrial Limited.	509/A-II/86-87 84-85, u/s 143(3)
57.	-do-	-do-	Soor, Neogi, Coomar & Co. Pvt. Ltd.	64/A-II/89-90 84-85, u/s 263/154
58.	-do-	-do-	Smt Madhuri Devi Jaiswal.	147/A-II/89-90 82-83, u/s 201(1)(c)
59.	-do-	-do-	West Bengal Consultancy Org. Ltd.	157/A-II/89-90 87-88, u/s 143(3)
60.	-do-	-do-	M/s North East Biscuits Pvt. Ltd.	224/A-II/89-90 86-87, u/s 143(3)
61.	-do-	-do-	Krishna Chandra Dutta (Spice) Pvt. Ltd.	7/A-II/89-90 87-88, u/s 143(3)
62.	-do-	-do-	Kunal Products (P) Limited	200/A-II/89-90 86-87, u/s 143(3)
63.	-do-	-do-	Shree Shyamland Dev. Housing Indus. Ltd.	174/A-II/89-90 76-77, u/s 143(3), 250
64.	-do-	-do-	M/s Dooars Transport Pvt. Ltd.	103/A-II/89-90 86-87, u/s 143(3)
65.	-do-	-do-	East End & Engg. Co. Pvt. Ltd.	98/A-II/89-90 86-87, u/s 143(3)
66.	-do-	-do-	The General Beopar Co. Pvt Ltd.	91/A-II/89-90 84-85, u/s 143(3)
67.	-do-	-do-	Naresh Nath Mukherjee (M.C.) Pvt. Ltd.	149/A-II/89-90 86-87, u/s 144
68.	-do-	-do-	M/s Arvind Projects Limited.	173/A-II/89-90 86-87, u/s 143(3)
69.	-do-	-do-	M/s Sailachal Estate Pvt. Ltd.	21/A-II/89-90 84-85, u/s 271(1)(a)
70.	-do-	-do-	Archtech Consultants Pvt. Ltd.	26/A-II/89-90 86-87, u/s 143(3)
71.	-do-	-do-	Vikromatic (I) P. Ltd.	52/A-II/89-90 86-87, u/s 143(3)
72.	-do-	-do-	The Eagal Lithographing Co. (P) Ltd.	148/A-II/89-90 86-87, u/s 143(3)

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	
73.	Commissioner of Income Tax (Appeals) -II, Cal.	Commissioner of Income Tax (Appeals) -V, Cal.	Calcutta Hooka Tobacco Paste (P) Ltd.	283/A-II/89-90	86-87, u/s 143(3)
74.	-do-	-do-	M/s Shagun Service Pvt. Ltd.	247/A-II/89-90	85-86, u/s 143(1)
75.	-do-	-do-	M/s Kedia Vanijya Udyog (P) Ltd.	198/A-II/89-90	86-87, u/s 143(3)
76.	-do-	-do-	K.C. Das Pvt. Ltd.	30/A-II/89-90	87-88, u/s 143(3)
77.	-do-	-do-	M/s Houghly Lighterage Co. Pvt. Ltd.	35/A-II/89-90	86-87, u/s 143(3)
78.	-do-	-do-	The Iran Tea Trg. Co. P. Ltd.	169/A-II/88-89	87-83/154
79.	-do-	-do-	Ghosh Bose & Associates (P) Ltd.	265/A-II/88-89	86-87/143(3)
80.	-do-	-do-	Auto Distributors Ltd.	188/A-II/88-89	83-84/143(3)/154
81.	-do-	-do-	Rasoi Limited.	213/A-II/88-89	85-86/143(3)
82.	-do-	-do-	I.A. Commercial Pvt. Ltd.	233/A-II/88-89	85-86/143(3)
83.	-do-	-do-	Rajendra Pd. Agarwalla	3/WT/88-89	76-77/16(5)
84.	-do-	-do-	Sureka Rolling Mills Ltd.	247/A-II/88-89	85-86/144
85.	-do-	-do-	Favourite Small Investments	277/A-II/88-89	85-86/143(3)
86.	-do-	-do-	Balaser Cold Storage	278/A-II/88-89	86-87/143(3)/187
87.	-do-	-do-	Sita Casting (P) Ltd.	290/A-II/88-89	85-86/143(3)
88.	-do-	-do-	J.S. Atwal & Ors.	17/WT/A-II/88-89	70-71/18(I)(a)
89.	-do-	-do-	-do-	19/WT/A-II/88-89	70-71/18(I)(o)
90.	-do-	-do-	K.C. Das Ltd.	298/A-II/88-89	86-87/143(3)
91.	-do-	-do-	Sailachal Estate Pvt. Ltd.	321/A-II/88-89	86-87/144
92.	-do-	-do-	Hisco Steel Pvt. Ltd.	333/A-II/88-89	85-86/143(3)
93.	-do-	-do-	P.M. Bagchi & Co. (P) Ltd.	348/A-II/88-89	86-87/143(3)
94.	-do-	-do-	I.F.B. Agro Industries	349/A-II/88-89	87-88/143(3)
95.	-do-	-do-	-do-	350/A-II/88-89	86-87/143(3)
96.	-do-	-do-	UCO Bank	355/A-II/88-89	79-80/143(3)/251/154
97.	-do-	-do-	Bhandari Sales Pvt. Ltd.	359/A-II/88-89	86-87/143(3)
98.	-do-	-do-	Oberai Hotels.	367/A-II/88-89	85-86/143(3)
99.	-do-	-do-	Guru Marketing Co. Pvt. Ltd.	378/A-II/88-89	83-84/144
100.	-do-	-do-	Kanak Packing Products P. Ltd.	383/A-II/88-89	87-88/143(3)
101.	-do-	-do-	Great Eastern Hotel Authority	397/A-II/88-89	86-87/143(3)
102.	-do-	-do-	Ranjit Exports Pvt. Ltd.	400/A-II/88-89	86-87/143(3)
103.	-do-	-do-	Grindlays Bank P. Ltd.	404/A-II/88-89	85-76/8(?)
104.	-do-	-do-	-do-	405/A-II/88-89	76-77/8(?)
105.	-do-	-do-	-do-	406/A-II/88-89	77-78/8(?)
106.	-do-	-do-	-do-	407/A-II/88-89	78-79/8(?)
107.	-do-	-do-	The East India Hotels Ltd.	19/A-II/89-90	85-86/143(3)
108.	-do-	-do-	Varas International (P) Ltd.	37/A-II/88-89	86-87/143(3)
109.	-do-	-do-	The Jugantar Ltd.	33/A-II/88-89	85-86/144
110.	-do-	-do-	W.B. Essential Commodities Supply Corpn. Ltd.	37/A-II/88-89	83-84/273(2)(a)
111.	-do-	-do-	-do-	38/A-II/88-89	84-85/273(2)(a)
112.	-do-	-do-	Dabriwala Baniya Udyog Ltd.	40/A-II/88-89	86-87/143(3)
113.	-do-	-do-	Humcha Traders & Investors Ltd.	44/A-II/88-89	86-87/144
114.	-do-	-do-	Kohinoor Rubber Works (P) Ltd.	47/A-II/88-89	84-85/271(I)(a)
115.	-do-	-do-	-do-	48/A-II/88-89	84-85/271(I)(C)
116.	-do-	-do-	Remington Rand of India Ltd.	49/A-II/88-89	86-87/143(3)
117.	-do-	-do-	Business Efficiency Services.	297/A-II/88-89	86-87/143(3)

1	2	3	4	5
118.	Commissioners of Income Tax (Appeals)-II Cal.	Commissioners of Income Tax (Appeals-V) Cal.	UCO Bank	363/A-II/88-89 81-82/8(2)
119.	-do-	-do-	-do-	364/A-II/88-89 82-83/8(2)
120.	-do-	-do-	Trickle's Trading Pvt. Ltd.	56/A-II/88-89 86-87/143(3)
121.	-do-	-do-	West End Caterers Pvt. Ltd.	57/A-II/88-89 86-87/143(3)
122.	-do-	-do-	Soor, Neogi Coomra & Co. P. rd.	65/A-II/88-89 86-87/143(3)
123.	-do-	-do-	Arpee Properties Pvt. Ltd.	72/A-II/88-89 86-87/143(3)
124.	-do-	-do-	New Tobacco Co. Ltd.	75/A-II/88-89 85-86/144
125.	-do-	-do-	I.T.O. Ltd., Taxation Dept.	76/A-II/88-89 80-81/154
126.	-do-	-do-	Development Consultant P. Ltd.	81/A-II/88-89 86-87/43(3)
127.	-do-	-do-	Asimganj Estate Pvt. Ltd.	83/A-II/88-89 86-87/143(3)
128.	-do-	-do-	Shinwa Kailash Kailsha Ltd.	85/A-II/88-89 84-85/154
129.	-do-	-do-	Associated Finance Co. Ltd.	86/A-II/88-89 84-85/271(I)(c)
130.	-do-	-do-	The Jugantar Ltd.	88/A-II/88-89 86-87/144
131.	-do-	-do-	The Statesman Ltd.	98/A-II/88-89 86-87/143(3)
132.	-do-	-do-	The General Beoper Co. P. Ltd.	90-A-II/89-90 83-84/143(3)
133.	-do-	-do-	Favourite Small Invest. Ltd.	99/A-II/89-90 83-84/143(3)/250
134.	-do-	-do-	Belrex India Ltd.	101/A-II/89-90 86-87/143(3)
135.	-do-	-do-	Eastern Steamships Pvt. Ltd.,	102/A-II/89-90 86-87/143(3)
136.	-do-	-do-	Huston India Pvt. Ltd.,	115/A-II/89-90 86-87/144
137.	-do-	-do-	Lambco Organisation P. Ltd.	116/A-II/89-90 86-87/143(3)
138.	-do-	-do-	Park Chambers Ltd.	119/A-II/89-90 85-86/271(I)(a)
139.	-do-	-do-	C.S. A Twal & Co. (Assansol)	121/A-II/89-90 85-86/143(3)
140.	-do-	-do-	-do-	122/A-II/89-90 85-86/195
141.	-do-	-do-	Chitrakoot Properties	123/A-II/89-90 85-87/143(3)
142.	-do-	-do-	Vasudhars Properties Ltd.	126/A-II/89-90 86-87/143(3)
143.	-do-	-do-	Raj & Deep (P) Ltd.	127/A-II/89-90 86-87/143(3)
144.	-do-	-do-	Sagun Commercial (P) Ltd.	129/A-II/89-90 86-87/143(3)
145.	-do-	-do-	Pinetree Holdings (P) Ltd.	130/A-II/89-90 86-87/143(3)
146.	-do-	-do-	Orecheltr Holdings (P) Ltd.	131/A-II/89-90 86-87/143(3)
147.	-do-	-do-	Sneh Bonds & Holdings (P) Ltd.	132/A-II/89-90 86-87/143(3)
148.	-do-	-do-	Rajanigandha Holdings (P) Ltd.	133/A-II/89-90 86-87/143(3)
149.	-do-	-do-	Kamakhya Holdings (P) Ltd.	134/A-II/89-90 86-87/143(3)
150.	-do-	-do-	I.A. Commercial Pvt. Ltd.	135/A-II/89-90 86-87/143(3)
151.	-do-	-do-	Timir Paintings Works (P) Ltd.	136/A-II/89-90 86-87/143(3)
152.	-do-	-do-	Sree Nirman Ltd.	138/A-II/89-90 86-87/143(3)
153.	-do-	-do-	Grindlays Bank P.L.C.	139/A-II/89-90 86-87/143(3)
154.	-do-	-do-	Genex International Pvt. Ltd.	140/A-II/89-90 86-87/143(3)
155.	-do-	-do-	Maina Bira Pvt. Ltd.,	145/A-II/89-90 86-87/143(3)
156.	-do-	-do-	Bata India Ltd.,	154/A-II/89-90 86-87/143(3)
157.	-do-	-do-	Rampur Bros Pvt. Ltd.	160/A-II/89-90 86-87/144
158.	-do-	-do-	R.P.E. Bellis India Ltd.	162/A-II/89-90 86-87/143(3)
159.	-do-	-do-	Consolidated Business Pvt. Ltd.	163/A-II/89-90 86-87/143(3)
160.	-do-	-do-	Asiatic Explosive Pvt. Ltd.	164/A-II/89-90 85-86/144
161.	-do-	-do-	Triupati Malbles Ltd.	171/A-II/89-90 86-87/143(3)
162.	-do-	-do-	Bengal Lamps Ltd.	172/A-II/89-90 86-87/143(3)
163.	-do-	-do-	Shre Shyamland Development Housing Indus. Ltd.	175/A-II/89-90 79-80/143(3)/250
164.	-do-	-do-	Century Laminating Co. Ltd.	187/A-II/89-90 86-87/143(3)
165.	-do-	-do-	Mithua Developments P. Ltd.	188/A-II/89-90 86-87/143(3)

1	2	3	4	5
166.	Commissioner of Income Tax (Appeal)-II Calcutta.	Commissioner of Income Tax (Appeal)-V Calcutta.	Ashirwad Projects Pr. Ltd.	189/A-II/89-90 86-87/143(3)
167.	-do-	-do-	Basant Udyog Pvt. Ltd.	194/A-II/89-90 86-87/143(3)
168.	-do-	-do-	Choicest Construction Pvt. Ltd.	195/A-II/89-90 86-87/143(3)
169.	-do-	-do-	Dewashari Cold Stores Pvt. Limited..	196/A-II/89-90 86-87/143(3)
170.	-do-	-do-	Senco Jewellers Ltd.	206/A-II/89-90 86-87/143(3)
171.	-do-	-do-	Eskaps (I) Pvt. Ltd.	207/A-II/89-90 86-87/143(3)
172.	-do-	-do-	Expres Tin Containers (P) Limited..	210/A-II/89-90 86-87/143(3)
173.	-do-	-do-	Stylo Graphics Pvt. Ltd.	216/A-II/89-90 86-87/143(3)
174.	-do-	-do-	Shining Business Ltd.	219/A-II/89-90 86-87/143(3)
175.	-do-	-do-	C.S. Atwal & Co. Pvt. Ltd.	233/A-II/89-90 85-86/143(3)
176.	-do-	-do-	-do-	234/A-II/89-90 86-87/143(3)
177.	-do-	-do-	Apeejay Education Association Pvt. Ltd.	235/A-II/89-90 86-87/143(3)
178.	-do-	-do-	Apeejay Medical Research Welfare Assn. Pvt. Ltd.,	236/A-II/89-90 86-87/143(3)
179.	-do-	-do-	The Peerless Consultancy Services (P) Ltd.	245/A-II/89-90 84-85/144/263
180.	-do-	-do-	-do-	246/A-II/89-90 86-87/143(3)
181.	-do-	-do-	Turkey International Ltd.	248/A-II/89-90 86-87/143(3)
182.	-do-	-do-	V.S.N. Constructions & Development Pvt. Ltd.	248/A-II/89-90 86-87/143(3)
183.	-do-	-do-	The Saturday Club Ltd.	255/A-II/89-90 86-87/143(3)
184.	-do-	-do-	Sita Casting (P) Ltd.	156/A-II/89-90 86-87/143(3)
185.	-do-	-do-	Janapriya Finance Housing Invest. I. Ltd.	258/A-II/89-93 86-87/143(3)
186.	-do-	-do-	United Indus. Bank Ltd.	259/A-II/89-90 86-87/143(3)
187.	-do-	-do-	Bikanir Woolen Mills P. Ltd.	260/A-II/89-90 86-87/143(3)
188.	-do-	-do-	Sumangal Traders Ltd.	262/A-II/89-90 86-87/143(3)
189.	-do-	-do-	Saw Scott Distilleries Limited.	264/A-II/89-90 86-87/143(3)
190.	-do-	-do-	Nirvin Cold Storage P. Ltd.	273/A-II/89-90 86-87/143(3)
191.	-do-	-do-	Jubilee Commercial Co. P. Ltd.	274/A-II/89-90 86-87/143(3)
192.	-do-	-do-	Glozzy Viniyog (P) Ltd.	278/A-II/89-90 86-87/144
193.	-do-	-do-	B.M. Paul Chowdhury & Co. P. Ltd.	281/A-II/89-90 84-85/271(1)(c)
194.	-do-	-do-	Hisco Steel Pvt. Ltd.	286/A-II/89-90 86-87/143(3)
195.	-do-	-do-	Economic & Entrepreneurship Development Foundation.	288/A-II/89-90 86-87/143(3)
196.	-do-	-do-	Bengal Waterproof Ltd.	298/A-II/89-90 86-87/143(3)
197.	-do-	-do-	Grindlays Bank P.L.C.	300/A-II/89-90 81-82/8(2)
198.	-do-	-do-	-do-	301/A-II/89-90 82-83/8(2)
199.	-do-	-do-	-do-	302/A-II/89-90 83-84/8(2)
200.	-do-	-do-	-do-	303/A-II/89-90 84-85/8(2)
201.	-do-	-do-	-do-	304/A-II/89-93 85-86/8(2)
202.	-do-	-do-	Allahabad Bank	309/A-II/89-90 82-83/8(2)
203.	-do-	-do-	-do-	310/A-II/89-90 83-84/8(2)
204.	-do-	-do-	-do-	311/A-II/89-90 84-85/8(2)
205.	-do-	-do-	-do-	312/A-II/89-90 85-86/8(2)
206.	-do-	-do-	-do-	313/A-II/89-90 86-87/8(2)
207.	-do-	-do-	Algemene Bank Nederland NV	317/A-II/89-90 78-79/8(2)
208.	-do-	-do-	-do-	320/A-II/89-90 82-83/8(2)
209.	-do-	-do-	-do-	321/A-II/89-90 83-84/8(2)
210.	-do-	-do-	-do-	322/A-II/89-90 84-85/8(2)

1	2	3	4	5	6
211.	Commissioner of Income-tax (Appeals)-II, Cal.	Commissioner of Income-tax (Appeals)-V, Cal.	Algebra Bank Madras	323/A-II/89-90	85-86/-do-
212.	-do-	-do-	Calcutta Plywood Co. (P) Ltd.	326/-do-	85-86/-do-
213.	-do-	-do-	Warren Industrial Ltd.	329/-do-	86-87/143(3)
214.	-do-	-do-	The Indian Aluminium Co. Ltd.	330/-do-	81-82/154
215.	-do-	-do-	UCO Bank	331/-do-	78-79/143(3)/254.
216.	-do-	-do-	Mrinalini Biri Co. P. Ltd.	334/-do-	87-88/143(3)
217.	-do-	-do-	M/s. Showa Line Ltd.	337/-do-	85-86/154
218.	-do-	-do-	Webel Telecommunication Indus. Ltd.	344/-do-	87-88/143(3)
219.	-do-	-do-	Mrinaliny Biri Mfg. Co. P. Ltd.	352/-do-	88-89/143(3)
220.	-do-	-do-	Fclal Biri Factory Pvt. Ltd.	356/-do-	88-89/143(3)
221.	-do-	-do-	UCO Bank	365/-do-	83-84/8(2)
222.	-do-	-do-	-do-	366/-do-	84-85/-do-
223.	-do-	-do-	-do-	368/-do-	86-87/-do-
224.	-do-	-do-	United Credit Ltd.	370/A-II/89-90	87-88/143(3)
225.	-do-	-do-	M/s. Benoy Udyog (P) Ltd.	369/-do-	87-88/143(3)/143(2)(a)
226.	-do-	-do-	United Industrial Bank Ltd.	374/-do-	76-77/8(2)
227.	-do-	-do-	-do-	375/-do-	77-78/-do-
228.	-do-	-do-	-do-	376/-do-	78-79/-do-
229.	-do-	-do-	-do-	378/-do-	81-82/-do-
230.	-do-	-do-	-do-	379/-do-	82-83/-do-
231.	-do-	-do-	United Industrial Bank Ltd.	380/-do-	83-84/(2)
232.	-do-	-do-	-do-	381/-do-	84-85/-do-
233.	-do-	-do-	-do-	382/-do-	85-86/-do-
234.	-do-	-do-	-do-	383/-do-	86-87/-do-
235.	-do-	-do-	Farwell Lines Inc.	398/-do-	84-85/143(3)/44B
236.	-do-	-do-	United Credit (Bombay) Ltd.,	399/-do-	87-88/143(3)
237.	-do-	-do-	Tejoomals Pvt. Ltd.	402/-do-	83-84/251/154.
238.	-do-	-do-	Hotels Samudra (P) Ltd.	403/-do-	86-87/144
239.	-do-	-do-	V.S.N. Construction & Development (P) Ltd.	423/-do-	86-87/154
240.	-do-	-do-	Varas International (P) Ltd.	415/-do-	87-88/143(3)
241.	-do-	-do-	Dynaflo Pvt. Ltd.	424/-do-	86-87/-do-
242.	-do-	-do-	Sailachal Estate (P) Ltd.	427/A-II/8 -90	87-88/144
243.	-do-	-do-	Hindustahn Projects & Finance Co. Limited.	429/-do-	8 -88/144
244.	-do-	-do-	Oswal Crafts Pvt. Ltd.	430/-do-	84-85/144/251
245.	-do-	-do-	Great Eastern Hotel Authority	432/-do-	87-88/143(3)
246.	-do-	-do-	Auto Distributors Ltd.	433/-do-	88-89/-do-
247.	-do-	-do-	G.K.W. (Overseas Trading) Ltd.	434/-do-	88-89/-do-
248.	-do-	-do-	-do-	435/-do-	87-88/-do-
249.	-do-	-do-	Azimganj Estates P. Ltd.	439/-do-	87-88/-do-
250.	-do-	-do-	The Indian Aluminium Co. Ltd.	440/-do-	82-83/154
251.	-do-	-do-	Blue Morn (I) Pr. Ltd.,	450/-do-	87-88/14
252.	-do-	-do-	Mehta Tobacconist (P) Ltd.	455/-do-	87-88/144
253.	-do-	-do-	Arpec Properties (P) Ltd.	457/-do-	87-88/143(3)
254.	-do-	-do-	The Indian Aluminium Co. Ltd. (writ matter enclosed)	174/-do-/82-83	78-79/143(3)/144B

1	2	3	4	5
255. Commissioner of Income-tax, (Appeals)-II, Cal.	Commissioner of Income-tax (Appeals)-V, Cal.	The Indian Aluminium Co. Ltd.	135/-do-/80-81	76-77/143(1)
256. -do-	-do-	-do-	11/-do-/81-82	77-78/143(3)/144B.
257. -do-	-do-	-do-	304/A-II/83-84	77-78/154.
258. -do-	-do-	M/s. Sailachal Estate (P)Ltd.	472/A-II/86-87	84-85/144
259. -do-	-do-	M/s. Dewasharif Cold Storage	92/A-II/88-89	85-86/143(3)
260. -do-	-do-	Poobong Tea Co. Ltd.	253/A-II/88-89	78-79/171(1)(c)
261. -do-	-do-	Shaw Wallace & Co. Ltd.	285/A-II/88-89	85-86/143(3)
262. -do-	-do-	Shew Bros (Wine) Pvt. Ltd.	41/89-90/A-II	86-87/-do-
263. -do-	-do-	United Credit Limited	363/A-II/88-89	86-87/-do-
264. -do-	-do-	M/s. The Memorial Finance & Investment (I), Ltd.	364/A-II/88-89	83-84/143(3)/251
265. -do-	-do-	Grindlays Bank P.L.C.	408/A-II/88-89	79-80/8(2)
266. -do-	-do-	Shree Shyamland Dev Housing Ind. Ltd.	176/A-II/89-90	82-83/143(3)/250
267. -do-	-do-	Shalimar Mineral Products (P) Ltd.,	180/A-II/89-90	86-87/143(1)
268. -do-	-do-	M/s. Aparna Agency Ltd.	294/A-II/89-90	83-84/154
269. -do-	-do-	M/s. Bansidhar Agarwalla & Co. Limited.	287/-do-	86-87/143(3)
270. -do-	-do-	Ghosh, Bose & Associates (P) Ltd.	214/-do-	87-88/143(3)
271. -do-	-do-	Pali Commercial Co. Ltd.	209/-do-	86-87/143(3)
272. -do-	-do-	Algemene Bank Nederland NV	316/-do-	77-78/8(2)
273. -do-	-do-	-do-	319/-do-	81-82/-do-
274. -do-	-do-	Sri Deva Dutt	164/A-II/87-88	82-83/273(1)(b)
275. -do-	-do-	Sri Deva Datt	5/WT/A-II/87-88	82-83/16(8)
276. -do-	-do-	M/s. P.K. Iron (P) Ltd.	164/A-II/86-87	83-84/143(3)
277. -do-	-do-	M/s. Dunlop India Ltd.	169/A-II/85-86	74-75/154
278. -do-	-do-	Gooptu Apartments & Middleton Associates (P) Ltd.	44/A-II/87-88	83-84/154
279. -do-	-do-	-do-	270/A-II/86-87	83-84/143(3)
280. -do-	-do-	Shaw Scott Distrilleries (P) Limited.	216/A-II/88-89	85-86/144
281. -do-	-do-	M/s. Meda Services (P) Ltd.	380/A-II/88-89	87-88/143(3)
282. -do-	-do-	The Dimakusi Tea Co. Ltd.	232/A-II/87-88	80-81/143(1)/263.
283. -do-	-do-	-do- (S.T. case u/s. 13(2)	229/A-II/87-88	78-79/13(2)
284. -do-	-do-	M/s. McLean Russel (I) Ltd.	316/A-II/88-89	78-79/13
285. -do-	-do-	M/s. Bhai & Bhai (P) Ltd.	360/A-II/88-89	86-87/143(3)
286. -do-	-do-	M/s. Bharawari Samabaya Abasan Samity Ltd.	397/A-II/89-90	83-84/271(1)(a)
287. -do-	-do-	S. Kumar & Co. Pvt. Ltd.	3/A-II/88-89	86-87/143(3)
288. -do-	-do-	Belal Biri Factory Pvt. Ltd.	341/A-II/89-90	87-88/143(3)
289. -do-	-do-	Sri Nishit Chandra Ghosh	299/A-II/89-90	86-87/143(3)
290. -do-	-do-	M/s. Aparan Agency Limited	295/A-II/89-90	85-86/271B
291. -do-	-do-	M/s. H. Guru Investments (North India) Pvt. Ltd.	283/A-II/89-90	86-87/143(3)
292. -do-	-do-	Shyamnagar Investment Co. Ltd.	231/A-II/89-90	86-87/143(3)
293. -do-	-do-	Vasundhara Properties Ltd.	125/A-II/89-90	84-85/143(3)
294. -do-	-do-	Exclusive Investment (P) Ltd.	28/A-II/89-90	87-88/143(3)
295. -do-	-do-	M/s. Maripalini Biri Mfg. Co. (P) Ltd.	31/A-II/89-90	86-87/271B
296. -do-	-do-	Kwality Food Services P. Ltd.	153/A-II/89-90	86-87/144.

घरस मन्त्रालय

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1990

का.आ. 1364.—केन्द्रीय सरकार अधिनियमित करती है कि केन्द्रीय रेशम बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित लोकसभा के सदस्यों की सदस्यता अवधि समाप्त होने के कारण लोक सभा ने केन्द्रीय रेशम बोर्ड अधिनियम 1948 (1948 का 61) की धारा 4 की उपधारा (3) के खण्ड (ग) के अनुसरण में लोक सभा के निम्नलिखित चार सदस्यों को केन्द्रीय रेशम बोर्ड के सदस्य के रूप में अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार तीन वर्ष की अवधि के लिये कार्य करने हेतु 28 मार्च 1990 को विधिवत निर्वाचित किया :—

1. डा. असीम बाला
2. श्री जगन्नाथ सिंह
3. श्री बसवराज पाटिल
4. श्री ए.जी.एस. राम बाबू

[फा.सं. 25012/11/88-सिल्क]

हृषिकेश पण्डा, उप सचिव

MINISTRY OF TEXTILES

New Delhi, the 23rd April, 1990

S.O. 1364.—The Central Government hereby notify that the term of membership of the Members of Lok Sabha nominated as members of Central Silk Board having expired, the Lok Sabha has, in pursuance of clause (c) of sub-section (3) of section 4 of the Central Silk Board Act, 1948 (61 of 1948), duly elected the following four members of Lok Sabha on 28th March, 1990 to serve as members of the Central Silk Board for a period of three years subject to the provisions of Act :—

1. Dr. Asim Bala.
2. Shri Jagannath Singh.
3. Shri Basavaraj Patil.
4. Shri A. G. S. Ram Babu.

[F. No. 25012/11/88-Silk]

HRUSIKESH PANDA, Dy. Secy.

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

(युवा कार्यक्रम और खेल विभाग)

नई दिल्ली, 4 अप्रैल, 1990

का. आ. 1365.—भारत के राजपत्र (असाधारण) भाग II खंड 3 उपखंड 3(ii) दिनांक 25 मार्च, 1982 में प्रकाशित तथा समय-समय पर संशोधित 22 मार्च, 1982 का शिक्षा और संस्कृति मंत्रालय की अधिमूचना सं. 160(ई) के क्रम में केन्द्रीय सरकार—धर्मार्थ निधि अधिनियम, 1890 के खंड 1(1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और विचारणा के लिए परामर्श कल्याण कौष के अधिनियम और प्रमाण के प्रयोजन के लिए महासमिति की सहमति से यह आदेश देती है कि 2.50 लाख रुपये (रुपये दो लाख पचास हजार

सत्र) की राशि भारतीय धर्मार्थ निधि के कोषाध्यक्ष में निहित होनी चाहिए जो पोस्ट आफिस सावधि जमा योजना में जमा करने के लिए पांच वर्ष की अवधि के लिए उक्त धन और उससे होने वाली आय को ट्रस्ट के कार्यालय में उसके द्वारा और उसके उत्तराधिकारियों द्वारा रखा जाएगा।

[फा. सं. 13-32/89-खेल-4]

रमेश कुमार, अवसर सचिव

MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(Department of Youth Affairs and Sports)

New Delhi, the 4th April, 1990

S.O. 1365.—In continuation of the Ministry of Education and Culture Notification No. 165(E) dated 22nd March, 1982 published in the Gazette of India (Extraordinary), Part II, Section 3, Sub-section 3(ii) dated 25th March, 1982, as modified from time to time, the Central Government in exercise of the powers conferred under Section 4(1) of the Charitable Endowment Act, 1890 and with the concurrence of the General Committee for the purpose of Management and Administration of the National Welfare Fund for Sports-persons do hereby order that an amount of Rs. 2.50 lakhs (Rupees Two lakhs fifty thousands only) be vested in the Treasurer of Charitable Endowments for India to be held by him and his successors in Office upon trust to hold the said monies and the income thereof for a period of five years for deposit in the Post Office Time Deposit Scheme.

[No. F. 13-32/89-SP-IV]

RAMESH KUMAR, Under Secy.

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, 16 अप्रैल, 1990

का.आ. 1366.—केन्द्रीय सरकार राजभाषा (संघ के सरकारी प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम 1976 के नियम 10 के उपनियम (4) के अनुसरण में मानव संसाधन विकास मंत्रालय शिक्षा विभाग के अन्तर्गत निम्नलिखित विद्यालयों/कार्यालयों को जिनमें 80% से अधिक कर्मचारियों ने हिन्दी भाषा कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिमूचित करती है :—

1. केन्द्रीय विद्यालय
बैकुण्ठपुर-497335 सरगुजा
(मध्य प्रदेश)
2. केन्द्रीय विद्यालय नं. 1
बायुभेना, जोधपुर (राजस्थान)
3. केन्द्रीय विद्यालय नं. 4
ए.एफ.एस. रेजिडेन्सी,
बानियर-474005

4. केन्द्रीय विद्यालय
बोयेनपल्ली
सिकन्दराबाद (आंध्र प्रदेश)

5. केन्द्रीय विद्यालय
एम.आर. कैम्पस, शाही बाग,
अहमदाबाद-380004

[सं. ई. 11011/7/90 रा. भा. ए.]

रमेश कुमार आंगिरस, निदेशक (राजभाषा)
(Department of Education)

New Delhi, the 16th April, 1990

S.O. 1366.—In pursuance of Sub-rule (4) of the Rule 10 of the Official Languages (Use for official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following Vidyalayas/Offices of the Department of Education in the Ministry of Human Resource Development,

where more than 80 per cent staff has acquired working knowledge of Hindi:—

1. Kendriya Vidyalaya,
Vaikunthpur-497335.
Sarguja, (M.P.).
2. Kendriya Vidyalaya No. 1,
Air Force, Jodhpur, (Rajasthan).
3. Kendriya Vidyalaya,
No. 4, A.F.S. Residency,
Gwalior-474005.
4. Kendriya Vidyalaya,
Bovenpalli,
Secundrabad, (A.P.).
5. Kendriya Vidyalaya,
M. R. Campus,
Shahi Bagh,
Ahmedabad-380004.

[No. E. 11011/7/90-OLU]

R. K. ANGIRAS, Director (O.L.)

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1990

का.आ. 1367 —भारत सरकार के राजपत्र भाग II खण्ड 3, उपखण्ड (ii) दिनांक 11-10-86 का.आ. संख्या 3542 के अन्तर्गत अधिसूचना संख्या O-12016/29/82/प्रोड-1 में धारा 6 (1) के अधीन प्रकाशित अधिसूचना संख्या 3542 दिनांक 11-10-86 पृष्ठ क्रमांक 4150 से 4152 तक अनुसूची में प्रदर्शक क्रमांक 28 पर ग्राम भिंगार और क्रमांक 4 पर ग्राम पोयंजे के अन्तर्गत आये शब्दों और अंकों के स्थान पर निम्नानुसार रखा जाता है:—

ग्राम-भिंगार

पढ़ें			के लिये		
खसरा	हि. नं.	क्षेत्रफल	खसरा	हि. नं.	क्षेत्रफल
147	1	0-9-0	147	1	0-1-50

ग्राम-पोयंजे

पढ़ें			के लिये		
खसरा	हि. नं.	क्षेत्रफल	खसरा	हि. नं.	क्षेत्रफल
108	4-अ	0-14-50	108	4-अ	0-14-0

[सं. ओ-12016/29/82-प्रोड/वित्त]

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS ERRATUM

New Delhi, the 11th April, 1990

S.O.1367.—In the Notification of Government of India, Ministry of Petroleum and Natural Gas No. O-12016/29/82 Prod I dated 11-10-86 published under S.O. No. 3542 in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub Section (ii) at Pages 4152 to 4154 under village Bhingar at Serial No. 28 and under village Poyanje at Serial No. 4 as shown in the Schedule, following S. Nos. and area should be read against them in English version appended to the above Notification

SCHEDULE (1) Bhingar

Read	For
S.No. 147/1	Area 0-9-0
S.No. 147/1	Area 0-4-50

(2) Poyanje

Read	For
S.No. 108/4A	Area 0-14-50
S.No. 108/1A	Area 0-14-0

[No. O-12016/29/82-Prod/Dist.]

शुद्धि पत्र

का.आ. 1368:—भारत सरकार के राजपत्र भाग II खण्ड 3, उपखण्ड (ii) दिनांक 17-1-87 का.आ. संख्या 123 के अन्तर्गत अधिसूचना संख्या O-12016/29/82/प्रोड में धारा 6 (1) के अधीन प्रकाशित अधिसूचना संख्या 123 दिनांक 17-1-87 पृष्ठ क्रमांक 130 में 133 तक अनुसूची में प्रदर्शक क्रमांक 2 पर ग्राम पाली देवद और क्रमांक 18 पर ग्राम चिखले के अन्तर्गत आये शब्दों और अंकों के स्थान पर निम्नानुसार रखा जाता है :—

ग्राम—पाली देवद

पढ़ें			के लिये		
खसरा	हि. नं.	क्षेत्रफल	खसरा	हि. नं.	क्षेत्रफल
4	1 (2)	0-14-50	4	1 (2)	0-14-0

ग्राम—चिखले

पढ़ें			के लिये		
खसरा	हि. नं.	क्षेत्रफल	खसरा	हि. नं.	क्षेत्रफल
85	4	0-4-50	85	4	0-4-75

[सं. ओं-12016/29/82-प्रोड/वित्त]

ERRATUM

SCHEDULE
(1) Pali Devad

S.O.1368.—In the Notification of Govt. of India, Ministry of Petroleum and Natural Gas No. O-12016/29/82 Prod dated 17-1-87 published under S.O. No. 123 in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub Section (ii), at Pages 133 to 135 under village Pal Devad at Serial No. 2 and under village Chakhale at Serial No. 18 as shown in the Schedule following S.Nos. and area should be read against them in English version appended to the above Notification.

Read		For	
S.No.	Area	S.No.	Area
4/1(2)	0-14-50	4/1(2)	0-14-00
(2) Chikhale			
Read		For	
S.No.	Area	S.No.	Area
85/4	0-4-50	85/4	0-4-75

[No. O-12016/29/82-Prod.-Dist.]

शुद्धिपत्र

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 1990

का.आ. 1369. —भारत सरकार के राजपत्र भाग-II खंड-3 उप खंड (ii) दिनांक 11-10-1986 का.आ. संख्या 3514 के अन्तर्गत भारत सरकार की अधिसूचना संख्या ओ-12016/65/82 प्रोड-1 दिनांक 11-10-86 पृष्ठ क्रमांक 4085 और 4086 पर प्रसिद्ध हुई अनुसूची में आये शब्दों और अंकों के स्थान पर निम्नानुसार रखा जाता है।

गांव—कासबी, तहसील—मावल, जिला—पूना (महाराष्ट्र)

के लिये				पढ़ें			
खसरा नंबर	जूना सर्वे	हिस्सा नंबर	क्षेत्रफल हे. आर.	खसरा नंबर	जूना सर्वे	हिस्सा नंबर	क्षेत्रफल हे. आर.
	48				48		
157	49	—	00-08-64	159	49	—	00-08-64
	52				52		

[सं. ओ-12016/65/82-प्रोड/वित्त (पा.)]

पा. के. राजागीरामन, अव. सचिव

ERRATUM

New Delhi, the 18th April, 1990

S.O. 1369.—For the words and figures appearing in Column II of the Notification issued under Government of India's Notification No.O/12016/65/82 Prod. I under S.O. No. 3514 published in the Govt. of India Gazette Part-II, Section 3, Sub-Section (ii) at pages 4086 and 4087 dated 11-10-86 read.

Village : Katvi				Tahsil : Maval				Dist. : Pune			
For				Read							
S.No.	Hissa	Old	Area	S.No.	Hissa	Old	Area				
G.No.	No.	Nos.		G.No.	No.	Nos.					
157	—	48	00-08-64 }	159	—	48	00-08-64 }				
	—	49			—	49					
	—	52			—	52					

[No. O—12016/65/82—Prod/Dist (P)]

P. K. RAJAGOPALAN, Under Secy.

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय
(रसायन और पेट्रो-रसायन विभाग)

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 1990

2. Indian Drugs & Pharmaceuticals Ltd.,
Regional Office, Sapru Marg, Hazratganj,
Lucknow-226001.

[No. E-11012/1/89-Hindi]

S. L. RAVIDAS, Under Secy.

का.आ 1370 :—केन्द्रीय सरकार राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम 1976 नियम 10 के उप-नियम (4) के अनुसरण में रसायन और पेट्रो-रसायन विभाग के नियंत्रणाधीन निम्नलिखित कार्यालयों को जिनके 80 प्रतिशत कर्मचारियों ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है अधिसूचित करती है :—

1. उत्तर प्रदेश ड्रग्स एण्ड फार्मास्यूटिकल्स कम्पनी लिमिटेड, ए-5, इण्डस्ट्रियल एरिया, कानपुर रोड लखनऊ-226012।
2. इंडियन ड्रग्स एण्ड फार्मास्यूटिकल्स लि. क्षेत्रीय कार्यालय, सप्रू मार्ग, हज़रतगंज लखनऊ-226001

[सं. ई-11012/1/89-हिन्दी]

एस.एल. रविदास, अवसर सचिव

MINISTRY OF PETROLEUM & CHEMICALS

(Deptt. of Chemicals & Petrochemicals)

New Delhi, the 18th April, 1990

S.O. 1370.—In pursuance of Sub-rule (4) of rule 10 of the Official Language (use for official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Govt. hereby notifies the following offices under the Administrative control of the Department of Chemicals and Petrochemicals, the 80% staff whereof have acquired a working knowledge of Hindi :—

1. Uttar Pradesh Drugs & Pharmaceuticals Co. Ltd., A-5, Industrial Area, Kanpur road, Lucknow-226012.

ऊर्जा मंत्रालय

(कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 6 अप्रैल, 1990

का.आ. 1371 :—केन्द्रीय सरकार को ऐसा प्रतीत होता है कि इससे उपायद्ध अनुसूची में वर्णित भूमि में कोयला अभिप्राप्त करने की संभावना है।

अतः अब केन्द्रीय सरकार कोयला प्रारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रस्तुत शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त भूमि में कोयलों के लिए पूर्वेक्षण करने के अपने आशय की सूचना दे दी है।

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक नं.ख्या राजस्व/114/84 तारीख 17 अगस्त, 1984 का निरीक्षण सेन्दल कोलफील्ड्स लिमिटेड राजस्व अनुभाग बरभंगा हाउस रांची-834001 (बिहार) के कार्यालय में या उपायुक्त हजारीबाग (बिहार) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक 1 काउंसिल हाउस स्ट्रीट कनकता-700001 के कार्यालय में किया जा सकता है।

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले भूमि में हितवद्ध सभी व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप धारा (7) में विनिर्दिष्ट सभी नक्शों, चाटों और अन्य दस्तावेजों को इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख में नब्बे दिन के भीतर सेन्दल कोलफील्ड्स लिमिटेड बरभंगा हाउस रांची-834001 (बिहार) को पेश करना होगा।

अनुसूची

उत्तरी बुन्दू ब्लॉक

दक्षिण कर्णपुरा—कोयला क्षेत्र

जिला हजारी बाग (बिहार)

पूर्वोक्त के लिए अधिसूचित भूमि

ब्लॉक	ग्राम	थाना	थाना संख्याक	जिला	क्षेत्र	टिप्पणियाँ
क	बसरिया	मांडू	38	हजारीबाग	179.00	भाग
	बुन्दू	मांडू	38	हजारीबाग	320.00	भाग
	टोंगी	मांडू	135	हजारीबाग	224.00	भाग
ख	चोरधारा या	रामगढ़				
	खरफतांगर		55	हजारीबाग	93.50	भाग
कुल क्षेत्र			816.50 एकड़ (लगभग)			
या			330.42 हेक्टर (लगभग)			

ब्लॉक 'क' का सीमा वर्णन :

- क-ख रेखा बसरिया ग्राम से दामोदर नदी की भागत: उत्तरी सीमा के साथ-साथ जाती है।
- ख-ग रेखा बुन्दू ग्राम में दामोदर नदी के भागत: पूर्वी सीमा के साथ-साथ जाती है।
- ग-घ रेखा बुन्दू ग्राम से होकर जाती है (जो बुन्दू ग्राम में 270 एकड़ के अधिसूचित क्षेत्र के साथ सम्मिलित सीमा बनाती है)
- घ-ङ-च रेखा बुन्दू ग्राम से होकर जाती है और बुन्दू और टोंगी ग्रामों की भागत: सम्मिलित सीमा के साथ साथ जाती है। (जो कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1907 की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन अर्जित 102 एकड़ क्षेत्र की भागत: सम्मिलित सीमा बनाती है)।
- च-छ रेखा टोंगी ग्राम से होकर जाती है (जो कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन अर्जित 102 एकड़ क्षेत्र की भागत: सम्मिलित सीमा बनाती है);
- छ-ज रेखा टोंगी ग्राम और मिरका ग्रामों की भागत: सम्मिलित सीमा के साथ साथ जाती है।
- ज-झ रेखा टोंगी ग्राम से होकर जाती है (जो कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम 1957 की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन अर्जित 140 एकड़ क्षेत्र की अधिसूचित सम्मिलित सीमा बनाती है)।
- झ-ञ रेखा टोंगी ग्राम से होकर जाती है।
- ञ-ट रेखा टोंगी बिन्दु और बसरिया ग्रामों से होकर जाती है और 'क' बिन्दु पर मिलती है।

ब्लॉक 'ख' का सीमा वर्णन

- ट-ड रेखा चोरधारा ग्राम से होकर जाती है (जो लांग्रा ब्लॉक विस्तार के लिए कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन अर्जित क्षेत्र के साथ सम्मिलित सीमा बनाती है)।
- ड-ड रेखा चोरधारा ग्राम से होकर जाती है (जो चोरधारा ब्लॉक के लिए जो कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन अर्जित क्षेत्र के साथ सम्मिलित सीमा बनाती है)।
- ड-द रेखा दामोदर नदी की भागत: पूर्वी उत्तर-पश्चिमी सीमा के साथ साथ जाती है और 'घाटभिक' 'ट' बिन्दु पर मिलती है।

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 6th April, 1990

S.O.1371.—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the land mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein;

The plan No. Rev/114/84 dated the 17th August, 1984 of the area covered by this notification may be inspected in the Office of the Central Coalfields Limited, Revenue Section, Darbhanga House, Ranchi-834001 (Bihar) or in the Office of the Deputy Commissioner Hazaribagh (Bihar) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House Street, Calcutta-700001.

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Revenue Officer, Central Coalfields Limited, Darbhanga House, Ranchi-834001, (Bihar) within ninety days from the date of the publication of this notification.

SCHEDULE

NORTH BUNDU BLOCK

SOUTH KARANPURA COALFIELD

DISTRICT HAZARIBAGH (BIHAR)

Lands notified for prospecting

Block	Village	Thana	Thana number	District	Area	Remarks
A	Basaria	Mandu	38	Hazaribagh	179.00	Part
	Bundu	Mandu	38	Hazaribagh	320.00	Part
	Tongi	Mandu	135	Hazaribagh	224.00	Part
B	Chordhara or Kharpatangar	Ramgarh	55	Hazaribagh	93.50	Part
Total area: 816.50 acres (approximately) or 330.42 hectares (approximately).						

Boundary description Block 'A'

A—B line passes along with part Northern boundary of Damodar River in village Basaria.

B—C line passes along the part eastern boundary of Damodar River in village Bundu.

C—D line passes through village Bundu (which forms part common boundary of the area notified for 270 acres in village Bundu).

D-E-F lines pass through village Bundu and along part common boundary of villages Bundu and Tongi (which forms part common boundary of the area acquired under sub-section (1) of section 9 of Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 for an area of 102 acres).

F—G line passes through village Tongi (which forms part common boundary of the area notified under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 for 102 acres).

G—H line passes along the part common boundary of villages Tongi and Sirka.

H—I line passes through village Tongi (which forms part common boundary of the area notified under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 for an area of 140.00 acres).

I—J line passes through village Tongi.

J—A line passes through villages Tongi and Bundu and Basaria and meets at point 'A'.

Boundary description of Block 'B'

K—L line passes through village Chordhara (which forms common boundary with the area acquired under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 for Lapanga Block Extension).

L—M line passes through village Chordhara (which forms common boundary with the area acquired under sub-section (1) of section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 for Chordhara Block).

M—K line passes along with part eastern, Northern-Western boundary of Damodar River and meets at starting point 'K'.

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1990

का.आ.1172:—भारत के राजपत्र भाग 2 खण्ड 3 उपखंड (ii) तारीख 14 अक्टूबर 1989 में पृष्ठ 3103-3104 पर प्रकाशित भारत सरकार के ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग) की अधिसूचना सं. का.आ. 2586 तारीख 21 नवम्बर 1989 में—
पृष्ठ-3103 पर

अधिसूचना में 242.89 हेक्टर के स्थान पर “242.81 हेक्टर” पढ़िए।

[फा०सं० 43015/14/87-सी०ए०/एल०एस०डब्ल्यू]

CORRIGENDUM

New Delhi, the 11th April, 1990

S.O. 1372.—In the notification of the Government of India, in the Ministry of Energy, Department of Coal, Number S.O. 2586, dated 21st September, 1989, published at pages 3105 to 3106 in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-Section (ii) dated 14th October, 1989, at page — 3105;

para 4, for “line, 1, read “Note-1-The Plan bearing No. C-1 (E)/III/FR/”.

[No. 43015/14/87-CA/LSW]

CORRIGENDUM

New Delhi the 23rd April, 1990

S.O. 1373.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Energy, Department of Coal, No. S.O. 2795 dated the 18th October, 1989, published at pages

अनुसूची

सोनहाट ब्लाक “ग”

बैकुण्ठपुर क्षेत्र

जिला सरगुजा (मध्य प्रदेश)

रेखांक सं. एम.ई.सी.एल. : सी एच : यू.एम 4

89 : 403

तारीख 9 दिसम्बर, 1989

(पूर्वक्षेपण के लिए अधिसूचित भूमि दर्शित करने हुए)

क्रम सं.	ग्राम का नाम	बंदोबस्त सं.	तहसील	जिला	क्षेत्र एकड़ों में	टिप्पणियां
1.	कटघोरी	227	बैकुण्ठपुर	सरगुजा	532.00	भाग
			योग :	532.00 एकड़ (लगभग)		
			या	215.297 हेक्टर (लगभग)		

सीमा वर्णन :

क-ख-ग रेखा बिन्दु “क” से आरंभ होती है जो ग्राम खेरा-झरिया-कटघोरी आर.एफ. का त्रिसंघित बिन्दु है और ग्राम कटघोरी से होकर गुजरती है तब सोनहाट-बैकुण्ठपुर पी.डब्ल्यू.डी. सड़क को पार करती है और दक्षिण की ओर मुड़ जाती है और ग्राम कटघोरी-नागौन-आर.एफ. के त्रिसंघि बिन्दु के बिन्दु “ग” पर मिलती है।

ग-क रेखा ग्राम कटघोरी की भागतः दक्षिणी सीमा के साथ साथ गुजरती है, जो कटघोरी आरक्षित वन सीमा भी है, और आरंभिक बिन्दु “क” पर मिलती है।

[सं. 43015/1/90-एल.एस.डब्ल्यू.]

वी; वी. राब, अवर सचिव

S.O. 1374—Whereas it appears to the Central Government that coal is likely to be obtained from the lands mentioned in the Schedule hereto annexed;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government hereby gives notice of its intention to prospect for coal therein.

The plan of the area covered by this notification can be inspected at the office of the South Eastern Coalfields Limited (Revenue Section), Seepat Road, Bilaspur-495001 or at the office of the Collector, Surguja (Madhya Pradesh) or at the office of the Coal Controller, 1 Council House Street, Calcutta.

All persons interested in the land covered by this notification shall deliver all maps, charts and other documents referred to in sub-section (7) of section 13 of the said Act to the Deputy Chief Estate Manager, South Eastern Coalfields Limited, Seepat Road, Bilaspur within ninety days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

SCHEDULE
SONHAT BLOCK 'C'
BAIKUNTHPUR AREA
DISTRICT-SURGUJA (MADHYA PRADESH)

Plan No. SECL : CH : US—4:89:403

Dated, the 9th December, 1989

(Showing land notified for prospecting)

Sl. No.	Name of Village	Bandobast Number	Tahsil	District	Area in Acres	Remarks
1.	Katghori	227	Baikunthpur	Surguja	532.00	Part
		Total	532.00 Acres (approximately)			
			OR			
			215 297 Hectares (approximately)			

Boundary Description:

- A--B—C Line starts from point 'A' which is trijunction point of Villages Khera—Jharla—Katghori R.F., and passes through village Katghori then crosses Sonhat—Baikunthpur P.W.D. Road and turned towards southern direction and meets trijunction point of Villages Katghori—Nogain—R.F. at point 'C'
- C--A Line passes along the partly southern boundary of Village Katghori which is also Katghori Reserve Forest boundary and meets at the starting point 'A'.

[No. 43015/1/90—LSW]
B.B. RAO, Under Secy.

कृषि मंत्रालय

(उर्वरक विभाग)

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1990

का.आ. 1375 :—सार्वजनिक परिसर (अनधिकृत कब्जों को वेदखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित तालिका के कालम (1) में उल्लिखित अधिकारी जो सरकार के राजपत्रित अधिकारी के ओहदे के समकक्ष अधिकारी हैं को उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिए सम्पदा अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है जो उक्त तालिका के कालम (2) में विनिर्दिष्ट सार्वजनिक परिसरों के सम्बंध में उक्त अधिनियम द्वारा द

उपके अधीन सम्पदा अधिकारी को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करेगा और उसके दायित्वों का पालन करेगा।

तालिका

अधिकारी का पदनाम	सार्वजनिक परिसरों का वर्ग
महायक कार्मिक अधिकारी, फर्टिलाइजर कार्पोरेशन आफ इंडिया लि. कोरवा प्रभाग (मध्य प्रदेश)	फर्टिलाइजर कार्पोरेशन आफ इंडिया लि. के कोरवा प्रभाग और इसके टाऊनशिप के स्वामित्व वाले या इनकी ओर से पट्टे पर लिए गए परिसर।

[फा. सं. 76/15/89—एफ डी सी]
अकील अहमद, डैम्क अधिकारी

MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Fertilizers)

New Delhi, the 24th April, 1990

S.O. 1375.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby appoints the officer mentioned in column (1) of the Table below, being an officer equivalent to the rank of Gazetted Officer of Government to be estate officer for the purpose of the said Act who shall exercise the powers conferred, and perform the duties imposed, on estate officers by or under the said Act, in respect of public premises specified in column (2) of the said Table.

TABLE

Designation of the officer	Categories of Public Premises
(1)	(2)
Assistant Personnel Officer, Fertilizer Corporation of India Limited, Korba Division (Madhya Pradesh)	Premises belonging to, or taken on lease, by or on behalf of the Korba Division, Fertilizer Corporation of India Limited and its township.

[No. 76/15/89—FDC]
AQLEL AHMED, Desk Officer

गृहरी विभाग मंत्रालय
नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1990

MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT
New Delhi, the 30th April, 1990

का.आ. 1376.—यहां निम्नांकित क्षेत्रों के बारे में कुछ संशोधन जिन्हें केन्द्रीय सरकार नीचे वर्णित क्षेत्रों के बारे में दिल्ली वृहत योजना क्षेत्रीय विकास योजना में प्रस्तावित करती है जो दिल्ली विकास अधिनियम, 1957 (1957 का 61) की धारा 44 के प्रावधानों के अनुसार दिनांक 22-2-88 के नोटिस संख्या एफ-20 (36)/80-ए.पी. द्वारा प्रकाशित किए गए थे जिसमें उक्त अधिनियम की धारा 11-क की उपधारा (3) में अपेक्षित आशयों, मुद्दाय उक्त नोटिस की तारीख से 30 दिन की अवधि में आमंत्रित किए गए थे;

उक्त संशोधन के बारे में जनता से प्राप्त हुई आपत्तियों और मुद्दों पर विचार करने के पश्चात् केन्द्रीय सरकार ने दिल्ली वृहत योजना क्षेत्रीय विकास योजना को संशोधित करने का निर्णय लिया है;

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 11-क की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत के राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दिल्ली की उक्त वृहत योजना में एतद्वारा निम्नलिखित संशोधन करती है।

संशोधन :

क्षेत्र सी-1 में पड़ने वाले 5.70 एकड़ क्षेत्र जो उत्तर में 91 मीटर (300) मार्गाधिकार रिंग रोड से तथा दक्षिण की तरफ जी.पी.ओ. और लोथियन सेमिट्री से पूर्व में रेलवे भूमि में और पश्चिम में दूसरों (डाक-तार) की सम्पत्ति में घिरा है, का भूमि उपयोग "सार्वजनिक और अर्द्ध सार्वजनिक सुविधाओं (डाक-तार) में बदलकर "आवासीय उपयोग" किया जाता है।"

[सं. के-13011/17/87-डीडी-II-ए/वग/1वीं]

अर्जुन देव, अवसर सचिव

S.O. 1376.—Whereas certain modification, which the Central Government proposes to make in the Master Plan for Delhi/Zonal Development Plan regarding the areas mentioned hereunder were published with Notice No. 11/20(36)/80-MP dated 22-8-88 in accordance with the provisions of Section 44 of the Delhi Development Act, 1957 (61) of 1957) inviting objections/suggestions, as required by sub-section (3) of Section 11-A of the said Act within thirty days from the date of the said notice;

After considering the objections and suggestions received from the public with regard to the said modification, the Central Government have decided to modify the Master Plan for Delhi/Zonal Development Plan;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 11-A of the said Act, the Central Government hereby makes the following modifications in the said Master Plan for Delhi with effect from the date of publication of this Notification in the Gazette of India.

MODIFICATION.

"The land use of an area measuring about 5.70 acres falling in one C-1 and bounded by 91 mtrs. (300') r/w Ring Road in the North and G.P.O. and Lothian Cementary towards South, Railway land in the East and other's property (P&T) in the West, is proposed to be changed from Public and Semi-public facilities (P&T) to 'Residential use'.

[No. K-13011/17/87-DD(II)/VA/1B]
ARJUN DEV. Under Secy.

(सम्पदा निदेशालय)

नई दिल्ली, 3 मई, 1990

का.आ. 1377.—केन्द्रीय सरकार सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेवखली) अधिनियम 1971 (1971 का 40) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और राज्य सभा के सभापति से परामर्श करने के पश्चात् नीचे सारणी के स्तंभ (1) में वर्णित अधिकारियों को जो सरकार के राजपत्रित अधिकारी हैं उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए सपदा अधिकारी नियुक्त करती है जो उक्त सारणी के स्तंभ 2 की तत्स्थानी प्रविष्टि में

विनिर्दिष्ट सरकारी स्थानों के संबंध में उक्त अधिनियम के द्वारा और उसके अधीन संपदा अधिकारियों को प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग और अधिरोपित कर्तव्यों का पालन करेंगे।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 21 मार्च, 1990

सारणी

(1)	(2)
अवर सचिव सदस्यों की सुख सुविधा अनुभाग का भारसाधक अवर सचिव, राज्य सभा सचिवालय, नई दिल्ली में सामान्य प्रशासन अनुभाग का भारसाधक	ऐसे स्थान जो केन्द्रीय सरकार द्वारा सचिवालय स्टाफ के किसी सदस्य को निवास स्थान उपलब्ध कराए जाने के लिए राज्य सभा सचिवालय के नियंत्रण के अधीन रखे गए हैं चाहे सरकारी स्थान (अप्राधिकृत अधिभोगियों की बेदखली) संशोधन अधिनियम, 1980 (1980 का 61) के प्रारंभ से पहले या बाद के हों)

[सं. 21012 (2)/88-पोल IV]

ह. ला. भाटिया, उप निदेशक (संपदा)

(Directorate of Estates)

New Delhi, the 3rd May, 1990

S.O. 1377.—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971, the Central Government, after consultation with the Chairman, Rajya Sabha, hereby appoints the officers mentioned in column(1) of the Table below, being gazetted officers of Government, to be estate officer for the purpose of the said Act, who shall exercise the powers conferred and perform the duties imposed on estate officers by or under the said Act in respect of the Public premises specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table.

TABLE

(1)	(2)
Under Secretary, incharge Members' Amenities Section/ Under Secretary incharge General Administration Section in the Rajya Sabha Secretariat, New Delhi.	Premises which have been placed by the Central Government whether before or after the commencement of the public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Amendment Act, 1980(61 of 1980) under the control of the Rajya Sabha Secretariat for providing residential accommodation to any member of the staff of the Secretariat.

[No. 21012(2)/88-Pol IV]

H.L. BHATIA, Deputy Director of Estates

का. आ. 1378 :—चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37) की धारा 3 की उपधारा (1) तथा चलचित्र (प्रमाणन) नियम, 1983 के नियम 7 और 8 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस विषय पर पूर्व अधिसूचनाओं का अतिरिक्त करते हुए केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के मद्रास सलाहकार पैनल का पुनर्गठन करती है और निम्नलिखित व्यक्तियों को दिनांक 28-3-90 से अगले आदेश जारी होने तक उक्त पैनल का सदस्य नियुक्त करती है :—

1. डा. ए. आर. बाजी
2. श्री बी विश्वनाथ रेड्डी
3. श्री ए पुंडरी काक्षय
4. श्री जी रामीनीडू
5. श्रीमती ए कमला चन्द्र बाबू
6. श्रीमती अतलूरी हजारा
7. डा. (श्रीमती) श्रीराम इन्दुबाला
8. श्री टी. बी. गोपाल राव
9. श्रीमती पटिबंदला विजयलक्ष्मी
10. श्री बी. एस आर कृष्णा
11. श्री पांडा पुत्रहया
12. श्री के बी जगदीश
13. श्री टी बी के शास्त्री
14. डा. डी अंजनेयलु
15. श्रीमती रेखा प्रभाकर
16. श्री वीरावल्ली पार्थसारथी
17. श्री एस कंडासेमी
18. श्री आर संपत्त
19. श्री वीन पेंगमागुरु
20. श्रीमती राजलक्ष्मी गोपालकृष्णा
21. डा. (श्रीमती) सेल्वामणि सामुडी संकरी
22. श्री के एस श्री निवामन
23. श्री पी के रामलिंगम
24. श्री आदित्य कुमार महापात्र
25. श्री रायचूर एच बी जयकुमार
26. श्रीमती मंजू अग्रवाल
27. श्रीमती मुरेखा कांठारी
28. श्रीमती गीता ब्रांकर
29. श्रीमती के जी मेनन
30. डा. मिथान
31. डा. पी बालाकृष्णन
32. श्रीमती मोहन नामबिसन
33. श्री आर पदमानाभन
34. श्रीमती भामा रामनन
35. श्री के. वामुखेवन

2. उपर्युक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार यह भी निदेश देती है कि ऊपर बताये अनुसार केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के मद्रास सलाहकार पैनल के पुनर्गठन के साथ ही पैनल के वर्तमान सदस्य (उपर्युक्त सूची में आये नामों को छोड़कर) दिनांक 28-3-90 से पैनल के सदस्य नहीं रहेंगे।

[फा० संख्या 814/2]90-एफ (सी)]

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 21st March, 1990

S.O. 1378.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952) and rules 7 and 8 of the Cinematograph (Certification) Rules, 1983 and in supersession of the earlier Notifications on the subject, the Central Government is pleased to reconstitute the Madras advisory panel of the Central Board of Film Certification and to appoint the following persons as members of the said panel with effect from 28-3-90 and until further orders :

1. Dr. A. R. Baji.
2. Shri B. Viswanatha Reddi.
3. Shri A. Pundarikakshayya.
4. Shri G. Ramineedu.
5. Smt. A. Kamala Chandra Babu.
6. Smt. Atluri Hazara.
7. Dr. (Smt.) Sriram Indubala.
8. Shri T. V. Gopal Rao.
9. Smt. Patibandla Vijayalakshmi.
10. Shri B. S. R. Krishna.
11. Shri Panda Punnaiah.
12. Shri K. B. Jagadish.
13. Shri T. V. K. Shastri.
14. Dr. D. Anjaneyulu.
15. Smt. Rekha Prabhakar.
16. Shri Venavalli Parthasarathy.
17. Shri S. Kandasamy.
18. Shri R. Sampath.
19. Shri Pon Paramaguru.
20. Smt. Rajalakshmi Gopalakrishnan.
21. Dr. (Smt.) Selvamani Samundi Samkar.
22. Shri K. S. Sreenivasan.
23. Shri P. K. Ramalingam.
24. Shri Aditya Kumar Mahapatra.
25. Shri Raichura H. V. Jaykumar.
26. Smt. Manju Agarwal.
27. Smt. Surekha Kothari.
28. Smt. Gita Banker.
29. Smt. K. G. Menon.
30. Dr. Sidhan.
31. Dr. P. Balakrishnan.
32. Smt. Mohan Nambisan.
33. Shri R. Padmanabhan.
34. Smt. Bhama Ramanan.
35. Shri K. Vasudevan.

2. In exercise of the aforesaid powers, the Central Government also directs that with the reconstitution of the Madras advisory panel of the Central Board of Film Certification as mentioned above, the existing members of the panel (except those whose names appear in the above list) shall cease to be members of the panel with effect from 28-3-1990.

[File No. 814/2/90-F(C)]

नई दिल्ली, 23 मार्च, 1990

अधिसूचना

का. आ. 1379:—सिनेमा अधिनियम, 1952 (1952 का 37) के अनुच्छेद 5 के उप-खण्ड (1) और सिनेमा (प्रमाणन) नियम, 1983 के नियम 7 और 8 द्वारा

प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस मंत्रालय के दिनांक 21 मार्च, 1990 के समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में, केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के मद्रास सलाहकार पैनल में दिनांक 28 मार्च, 1990 से आगामी आदेश तक निम्नलिखित और व्यक्तियों को सदस्य के रूप में नियुक्त करती है :—

1. सूश्री जया अरुणाचलम्
2. श्री मानियन

[फाइल सं. 814/2/90-एफ(सी)]

New Delhi, the 23rd March, 1990

S.O. 1379.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952) and rules 7 and 8 of the Cinematograph (Certification) Rules, 1983 and in continuation of this Ministry's Notification of even number dated 21-3-90, the Central Government is pleased to appoint the following more persons as members of the Madras Advisory Panel of the Central Board of Film Certification with effect from 28-3-90 and until further orders :—

1. Ms. Jaya Arunachalam.
2. Shri Manian.

[File No. 814/2/90-F(C)]

नई दिल्ली, 28 मार्च, 1990

का० आ. 1380:—चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37) की धारा 5 की उपधारा (1) तथा चलचित्र (प्रमाणन) नियम, 1983 के नियम 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और इस विषय पर पूर्व अधिसूचनाओं का अतिरिक्त करते हुए केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के हैदराबाद सलाहकार पैनल का पुनर्गठन करती है और निम्नलिखित व्यक्तियों को दिनांक 9-4-90 से अगले आदेश जारी होने तक उक्त पैनल का सदस्य नियुक्त करती है :—

1. श्री नंदगोपाल
2. श्रीमती कुसुमा रामाराव
3. डा० बासाबा प्रभाकरी
4. श्री एच० राजेन्द्र प्रसाद
5. श्री एन० रतन बाबू
6. श्रीमती वज्जीरेड्डी सीतादेवी
7. श्रीमती येदनापुडी मुल्लोचना रानी
8. श्रीमती राजना रामानी
9. श्रीमती ए० रामादेवी
10. श्रीमती इन्दिरा
11. श्री नागभैरव कीटेश्वर राव
12. श्रीमती राधा बालासुब्रमण्यम
13. श्रीमती आशालता
14. श्री जी. श्रीनिवास रेड्डी

2. उपर्युक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार यह भी निदेश देती है कि ऊपर बताए अनुसार केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के हैदराबाद सलाहकार पैनल के पुनर्गठन

के साथ ही नैतक वर्तमान सदस्य (उपस्थित सूची में आये नामों को छोड़कर) दिनांक 9-4-90 से पैनल के सदस्य नहीं रहेंगे।

[फा. सं. 814/2/90-एफ. सी.]

New Delhi, the 23th March, 1990

S.O. 1380.—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of section 5 of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952) and rules 7 and 8 of the Cinematograph (Certification) Rules, 1983 and in supersession of the earlier Notifications on the subject, the Central Government is pleased to reconstitute the Hyderabad Advisory Panel of the Central Board of Film Certification and to appoint the following persons as members of the said panel with effect from 9-4-90 and until further orders :—

1. Shri Nandagopal.
2. Smt. Kusuma Rama Rao.
3. Dr. Vasava Prabhavathi.
4. Shri H. Rajendra Prasad.
5. Shri N. Ratan Babu.
6. Smt. Vasireddi Sitadevi.
7. Smt. Yeddapanudi Sulochana Ram.
8. Smt. Rajana Ramani.
9. Smt. A. Ramadevi.
10. Smt. Indira.
11. Shri Nagabhairava Koteswara Rao.
12. Smt. Radha Balasubramaniam.
13. Smt. Ashalata.
14. Shri G. Sreenivasa Reddy.

2. In exercise of the aforesaid powers, the Central Government also directs that with the reconstitution of the Hyderabad advisory panel of the Central Board of Film Certification as mentioned above, the existing members of the panel (except those whose names appear in the above list) shall cease to be members of the panel with effect from 9-4-1990.

[File No. 814/4/90-F(C)]

सूचि पत्र

नई दिल्ली, 29 मार्च, 1990

फा. आ. 1381 :—केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के मद्रास सलाहकार पैनल के पुनर्गठन के बारे में सूचना और प्रसारण मंत्रालय के 21 मार्च, 1990 की अधिसूचना संख्या 814/2/90-एफ (सी) में संख्या 21 में 'डा. (श्रीमती) वसुधा राजा वसुधा संकरी' के स्थान पर हृषिका 'श्री एम. सेलवामणि' पढ़ें।

[फाइल सं. 814/2/90-एफ (सी)]

CORRIGENDUM

New Delhi, the 29th March, 1990

S.O. 1381.—In the Ministry of Information and Broadcasting Notification No. 814/2/90-F(C) dated 21-3-90 regarding reconstitution of the Madras advisory panel of the Central Board of Film Certification, in S. No. 21 please read "Shri M. Selvamani" in place of "Dr. (Smt.) Selvamani Samundi Sankari".

[File No. 814/2/90-F(C)]

नई दिल्ली, 10 अप्रैल, 1990

फा. आ. 1382 :—चलचित्र अधिनियम, 1952 (1952 का 37) की धारा 5 की उपधारा (1) तथा चलचित्र (प्रमाणन) नियम, 1983 के नियम 7 और 8 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इस मंत्रालय की दिनांक 23-3-90 की आवश्यक अधिसूचना के अनुसार में, केन्द्रीय

सरकार निम्नलिखित व्यक्तियों को केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के मद्रास सलाहकार पैनल के सदस्य के रूप में तत्काल प्रभाव से, अगले आदेश तक, नियुक्त करती है :—

1. डा. एस. पी. अरुलानांदम
2. डा. नागनाथन
3. श्रीमती सीमित्र
4. श्री ए. एस. पेनोरसेलवम
5. श्री महोदय
6. श्री आर. थियागराजन
7. श्रीमती जयश्री
8. श्रीमती ईश्वर पांडिया
9. श्रीमती प्रसाद मनोमकाली
10. श्री भू चंद्रन
11. श्रीमती ऐनी राज
12. श्रीमती सुलोचना
13. श्री पी. वारियर
14. श्रीमती जुबेदा अस्गर अली
15. डा. प्रीथिगाचरी

[फा. सं. 814/2/90-एफ. सी.]

एस. लक्ष्मीनारायणन, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 10th April, 1990

S.O. 1382.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 5 of the Cinematograph Act, 1952 (37 of 1952) and rules 7 and 8 of the Cinematograph (Certification) Rules, 1983 and in continuation of this Ministry's Notification of even number dated 23-3-90, the Central Government is pleased to appoint the following persons as members of the Madras Advisory Panel of the Central Board of Film Certification with immediate effect until and until further orders :—

1. Dr. S. P. Arulanandam.
2. Dr. Naganathan.
3. Smt. Sowmithra.
4. Shri A. S. Pannierselvam.
5. Shri Mohandoss.
6. Shri R. Thiagarajan.
7. Smt. Jayashree.
8. Smt. Esther Pandian.
9. Smt. Arasu Manimekalai.
10. Shri Bhu Chandran.
11. Smt. Anne George.
12. Smt. Sulochana.
13. Shri P. Variar.
14. Smt. Zubaida Asgar Ali.
15. Dr. Prithigachari.

[File No. 814/2/90-F(C)]

S. LAKSHMI NARAYANAN, Jt. Secy.

राजिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 1990

फा. आ. 1383 :—जबकि केन्द्रीय सरकार को यह राय है कि संयुक्त मुख्य निर्यातक आयात तथा निर्यात (सी. एन. ए.) नई दिल्ली के कार्यालय में उच्च श्रेणी लिपिक श्री मुन्नारी महतो के मामले में विभागीय जांच के प्रयोजन के लिए गवाहों को बुलाना आवश्यक है।

हमलिए इस विभागीय जांच (गवाहों की उपस्थिति तथा दस्तावेजों के प्रस्तुतीकरण का प्रवर्तन (अधिनियम

1972 (1972 का 18) की धारा-4 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री सुखारी महतो उच्च श्रेणी लिपिक ने विरुद्ध विभागीय जांच के संबंध में उक्त अधिनियम की धारा-5 में विनिर्दिष्ट शक्ति का प्रयोग करने के लिए श्री एच.सी. डब्राल उप-मुख्य नियंत्रक आयात तथा निर्यात की जांच प्राधिकारी के रूप में प्राधिकृत करती है।

[सं. 1/12/90-सतर्कता/677-सतर्कता/90]
के.सी. गंजवाल, निदेशक एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 18th April, 1990

S.O. 1383.—Whereas, the Central Government is of opinion that for the purposes of departmental enquiry relating to Shri Sukhari Mahato, UDC in the office of Jt. CCI&E (CLA) New Delhi, it is necessary to summon the witnesses.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-Section (i) of Section 4 of the Departmental Inquiries (Enforcement of Attendance of Witnesses and Production of Documents) Act, 1972 (18 of 1972), the Central Government hereby authorises Shri H. C. Dabral, Dy. CCI&E as the "acquiring authority to exercise the power specified in Section 5 of the said Act in relation to the departmental enquiry against Shri Sukhari Mahato, UDC.

[No. 1/12/90-Vig/677-Vig/90]
K. C. GANJWAL, Director and C.V.O.

आदेश

नई दिल्ली, 12 मई, 1990

का. आ. 1384—केन्द्रीय सरकार ने, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए आकार्वनिक रसायन से संबंधित भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. का. आ. 1270, तारीख 25 मार्च, 1966 का नीचे विनिर्दिष्ट रीति से संशोधन करने के लिए प्रस्ताव बनाए हैं और उक्त प्रस्ताव निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम 11 के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद को भेज दिए हैं:—

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम के अनुसरण में, उक्त प्रस्तावों को ऐसे लोगों की जानकारी के लिए जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित करती है और उसके द्वारा यह सूचना देती है कि उक्त प्रस्ताव पर ऐसी तारीख से, जिसको उक्त प्रस्ताव का अंतिमिष्ट करने वाले राजपत्र की प्रतियां जनता को उपलब्ध कराई जाती है, पैंतालीस दिन की अवधि की समाप्ति के पश्चात विचार किया जाएगा,

कोई व्यक्ति जो उक्त प्रस्ताव की वास्तविक कोई आक्षेप या सुझाव भेजना चाहता है, उन्हें पैंतालीस दिन की पूर्ववर्ति अवधि के भीतर निर्यात निरीक्षण परिषद, 11वीं मंजिल, प्रगति टावर, 21 राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली-110008 को भेज सकता है।

प्रस्ताव

उक्त आदेश के नियम 2 के स्थान पर, निम्नलिखित पैरा खड़ा जाएगा, अर्थात्:—

"2. इस अधिनियम की कोई भी बात, पानी के तथ्यों को भूमि, समुद्र या वायु मार्ग द्वारा" अकार्वनिक रसायन (1,000 ग्राम में आकार्वनिक) के नमूनों के निर्यात को और आकार्वनिक रसायन को वह लागू नहीं होगी जब उसका भारतीय फार्मोकोपिया या ऐसे देश के फार्मोकोपिया के अनुसार जिसको ऐसी औषधि निर्यात की जाती है औषधि और प्रभावित सामग्री अधिनियम, 1940 के अधीन औषधि के रूप में विनिर्माण और निर्यात किया जाता है।"

[फाइल सं. 6/11/ 89 ई आई एंड ई पी]

ORDER

New Delhi, the 12th May, 1990

S.O. 1384.—Whereas the Central Government, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), has formulated a proposal for amending the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 1270, dated the 25th March, 1966 relating to Inorganic Chemicals in the manner specified below for the development of the export trade of India and forwarded the said proposal to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Government hereby publishes the said proposal for the information of the public likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said proposal will be taken into consideration after the expiry of a period of forty-five days from the date on which copies of the Official Gazette containing the said proposal are made available to the public;

Any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposal may forward the same within the aforesaid period of forty-five days to the Export Inspection Council, 11th Floor, Pragati Tower, 26, Rajindra Place, New Delhi-110008.

PROPOSAL

In the said Order, for paragraph 2, the following paragraph shall be substituted, namely:—

"2. Nothing in this notification shall apply to the export by land, sea or air of samples of Inorganic Chemicals (not exceeding 1,000 gms.) to prospective buyers and Inorganic Chemicals when manufactured and exported as a drug under the Drugs and Cosmetics Act, 1940 as per Indian Pharmacopoeia or Pharmacopoeia of the country to which such drug is to be exported."

[File No. 6/11/89-EI&EP]

आदेश

का.आ. 1385 :—केंद्रीय सरकार ने, निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम 1963 (1963 का 22) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत के निर्यात व्यापार के विकास के लिए कार्बनिक रसायन में संबंधित भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के आदेश सं. का.आ. 1197 तारीख 15 अप्रैल, 1966 का नीचे विनिर्दिष्ट रीति से संशोधन करने के लिए प्रस्ताव बनाए हैं और उक्त प्रस्ताव निर्यात (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम 1964 के नियम II के उपनियम (2) की अपेक्षानुसार निर्यात निरीक्षण परिषद् को भेज दिए हैं;

अतः, अब, केंद्रीय सरकार, उक्त उपनियम के अनुसरण में उक्त प्रस्तावों को ऐसे लोगों की जानकारी के लिए जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना है, प्रकाशित करती है और उनके द्वारा यह सूचना देती है कि उक्त प्रस्ताव पर ऐसी तारीख में जिसको उक्त प्रस्ताव का अंतर्विष्ट करने वाले राजपत्र की प्रतियां जनता को उपलब्ध कराई जाती है पैतालीस दिन की अवधि की समाप्ति के पश्चात् विचार किया जाएगा,

कोई व्यक्ति, जो उक्त प्रस्ताव की बाबत कोई आक्षेप या सुझाव भेजना चाहता है उन्हें पैतालीस दिन की पूर्वोक्त अवधि के भीतर निर्यात निरीक्षण परिषद्, 11वीं मंजिल प्रगति टावर, 26, राजेन्द्र प्लेस, नयी दिल्ली-110008 को भेज सकता है।

प्रस्ताव

उक्त आदेश के पैरा 2 के स्थान पर, निम्नलिखित पैरा रखा जाएगा, अर्थात् :—

“2. इस अधिमूचना की कोई भी बात, भावी क्रेताओं को, भूमि समुद्र या वायु मार्ग द्वारा कार्बनिक रसायन (1,000 ग्राम से अधिक) के नमूनों के निर्यात को और कार्बनिक रसायन को तब लागू नहीं होगी जब उसका भारतीय फार्मेकोपिया या ऐसे देश के फार्मेकोपिया के अनुसार ऐसी औषधि जिसको निर्यात की जाती है औषधि और प्रमाणन सामग्री अधिनियम 1940 के अधीन औषधि के रूप में विनिर्माण और निर्यात किया जाता है।”

[कार्बन सं. 6/11/89-ई आई एंड ईपी]
ऐ.के. चौधरी, निदेशक

ORDER

S.O. 1385.—Whereas the Central Government, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), has formulated a proposal for amending the Order of the Government of India in the Ministry of Commerce No. S.O. 1197, dated the 15th April, 1966 relating to Organic Chemicals in the

manner specified below for the development of the export trade of India and forwarded the said proposal to the Export Inspection Council as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule, the Central Government hereby publishes the said proposal for the information of the public likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said proposal will be taken into consideration after the expiry of a period of forty-five days from the date on which copies of the Official Gazette containing the said proposal are made available to the public;

Any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposal may forward the same within the aforesaid period of forty-five days to the Export Inspection Council, 11th Floor, Pragati Tower, 26 Rajindra Place, New Delhi-110008.

PROPOSAL

In the said Order, for paragraph 2, the following paragraph shall be substituted, namely :—

“2. Nothing in the notification shall apply to the export by land, sea or air of samples of Organic Chemicals (not exceeding 1,000 gms.) to prospective buyers and Organic Chemicals when manufactured and exported as a drug under the Drugs and Cosmetics Act, 1940 as per Indian Pharmacopoeia or Pharmacopoeia of the country to which such drug is to be exported.”

[F. No. 6/11/89-EI&EP]

A. K. CHAUDHURI, Director.

मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, 29 मार्च, 1990

का.आ. 1386 :—मैसर्स सीएमसी लि. 8 एक हंसारल, 15 बाराखम्बा रोड़ नई दिल्ली-110001 को आयात-निर्यात नीति 1988-91 क पैरा 121 के अंतर्गत सामान्य मुद्रा क्षेत्र में बिचेस्टर ड्राइवस् मैग्नेटिक टेप ड्राइव्स ऑप्टिकल डिस्क ड्राइवस् और लेसर प्रिंटेर्स के आयात के लिए एक आई आर एम ए सी लाइसेंस सं. जी एफ 1097299 दिनांक 19-1-90 मूल्य 1,00,000 रु. (एक करोड़ रु. मात्र) के लिए दिया गया था।

2. पार्टी ने अब आयात लाइसेंस की सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रति जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति सहायक सीमाशुल्क समाहर्ता, कार्गो काम्प्लैक्स, आई जी आई एयर पोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय से खो गया है। अपने अनुरोध के समर्थन में उन्होंने प्रक्रिया पुस्तक 1988-91 के पैरा 91 के अंतर्गत यथा अपेक्षित-गणपथ पत्र भी दाखिल किया है। अब अनुलिपि सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति की आवश्यकता 97,16,040/- रु. (सत्तानवें लाख सोलह हजार और चालीस रुपये) की शेष अप्रयुक्त राशि के लिए है।

पार्टी इस बात के लिए सहमत है और बचन देती है कि यदि मूल लाइसेंस बाद में मिल गया तो उसे इस कार्यालय को लौटा दिया जाएगा।

3. मैं संतुष्ट हूँ कि आयात लाइसेंस सं. जी/एफ/1097299 दिनांक 19-1-90 की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति आई जी आई एयरपोर्ट नई दिल्ली के कार्गो कम्प्लेक्स में खो गई है। तथा संशोधित आयात नियंत्रण आदेश 1955 दिनांक 7-12-1955 की उप धारा 9 (ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं आयात लाइसेंस सं. जी/एफ/1097299 दिनांक 19-1-90 की मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति को एतद्वारा रद्द करता हूँ। एतद्वारा रद्द की गई मूल सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति के बदले में 97,16,040/- रु. की अप्रयुक्त राशि के लिए पार्टी को लाइसेंस की अनु-लिपि सीमाशुल्क प्रयोजन प्रति जारी की जा रही है।

[सं. 26-आई आर एम ए सी/सी एम सी/ए एम-90/ए एल एस] श्रीमती माया दे. कम, उप मुख्य नियंत्रक आयात, निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात

(Office of the Chief Controller of Imports & Exports)
New Delhi, the 29th March, 1990

S.O. 1386.—M/s. CMC Lifted, 8F Hansalaya, 15 Barakhamba Road, New Delhi-110001 were granted an IRLMAC Licence No. G/F/1097299 dated 19-1-90 for a value of Rs. 1,00,00,000/- (Rupees One Crore only) for import of Winchester Drives; Magnetic Tape Drives; Optical Disk Drivers and Laser Printers from GCA, under para 121 of the Import and Export Policy, 1988-91.

2. The party has now applied for issue of a Duplicate copy of the Customs Purpose Copy of the Import Licence on the ground that the Original Customs copy has been lost at the Office of the Asstt. Collector of Customs, Cargo Complex, IGI Airport, New Delhi. In support of their request, they have also executed an affidavit as required under Para 91 of the Hand Book of Procedures, 1988-91. The duplicate Customs purpose copy is required for an unutilised balance of Rs. 97,16,040 only (Rupees Ninety seven lakhs Sixteen thousand and forty only). The party has agreed and undertaken to return the Original licence, if traced later, to this office.

3. I am satisfied that the Original Customs Purpose copy of Import Licence No. G/F/1097299 dated 19-1-90 has been lost at the Cargo Complex of IGI Airport, New Delhi. In exercise of powers conferred under Sub clause 9(d) of Import Control Order, 1955 dated 7-12-55 as amended, I hereby Cancel the Customs Purpose Copy of the Import Licence No. G/F/1097299 dated 19-1-1990. A Duplicate Customs Purpose copy of the licence is being issued to the party in lieu of the Original Customs Purpose Copy, cancelled hereby, for the unutilised amount of Rs. 97,16,040/- only.

[No. 26-IRMAC/CMC/AM-90/ALS]
MRS. MAYA D KEM, Deputy Chief Controller and Imports and Exports for Chief Controller of Imports and Exports

संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय, (केन्द्रीय लाइसेंसिंग क्षेत्र)

निरसन आदेश

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1990

का.आ. 1387:—मैसर्स हिन्दुस्तान एवरेस्ट टूल्स लिमिटेड, दोहिला चैम्बर्स 46, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली-1184 GI/90-8.

110019 को फोर्ज्ड हैण्ड टूल्स के 600 मी. टन के निर्यात के 300000000- रुपये में जहाज पर्यन्त निशुल्क मूल्य के आभार के साथ निकल प्लेट्स 99.98 प्रतिशत न्यूनतम शुद्धता (इलेक्ट्रोलाइटिक ग्रेड) के 7.2 मी. टन के आयात के लिए 17500000- रुपये का एक अग्रिम लाइसेंस नं. पी एल 3197059 दिनांक 30/08/88 तथा डीईईसी बुक नं.-006110 (सीएलएस) भाग-1 और 2 दिनांक 30/08/88 प्रदान की गई थी।

फर्म ने अग्रिम लाइसेंस और डीईईसी बुक भाग-1 और 2 दोनों बिना उपयोग के अभ्यर्पित कर दिए हैं।

आयात (नियंत्रण) आदेश 1955 दिनांक 07/12/55 (यथा संशोधित) के खण्ड-9 (डी) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं अग्रिम लाइसेंस व डीईईसी बुक भाग-1 व 2 के निरसन का आदेश देता हूँ।

[फा.सं. :—एडीवी/एलआईसी/यूडीईएस/170/एएम-89/एलएलएस-2/सीएलएस]

एन.डी. अग्निहोत्री, उप मुख्य नियंत्रक आयात व निर्यात कृते संयुक्त मुख्य नियंत्रक आयात व निर्यात

OFFICE OF THE JOINT CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

(CENTRAL LICENSING AREA)

"CANCELLATION ORDER"

New Delhi, the 5th April, 1990

S.O. 1387.—M/s. HINDUSTAN EVEREST TOOLS LIMITED, DOHIL CHAMBERS, 46, NEHRU PLACE, NEW DELHI-19 was granted An Advance Licence No. P/L/2197059 dated 30-8-88 and DEEC Book No. 006110 (CAL) Pt. I & II dated 30-8-88 for Rs. 17,50,000 for import of 7.2 MT of NICKEL PLATES 99.98% minimum Purity (Electrolytic Grade) with an obligation for FOS value of Rs. 3,00,00,000 to export 600 MT of DROP FORGED HAND TOOLS.

The firm has surrendered both copies of advance licence and DEEC Book Pt. I & II unutilised.

In exercise of the powers conferred on me under section 9(d) of the Import (Control) order 1955 dt. 7-12-55 as amended upto date. I, hereby, order cancellation of the said both copies of Advance Licence and DEEC BOOK PT. I & II.

[F. No. ADV/LIC/UCES/170/AM.89/ALS.II/CLA]

N. D. AGNIHOTRI, Dy. Chief Controller of Imports & Exports.

For Joint Chief Controller of Imports & Exports.

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 11 अप्रैल, 1990

का.आ. 1388—यत: मैसर्स इंडियन सीमलैस मैटल टूल्स लिमिटेड, सी-1, एम.आई.जी.सी. इण्डस्ट्रियल एरिया, ग्रहमदनगर-414111 और इसका पूना स्थित प्रधान कार्यालय तथा बम्बई, बंगलौर, कलकत्ता एवं नई दिल्ली स्थित शाखाएं (इसके आगे जहां कहीं भी उक्त स्थापना शब्द का प्रयोग हो इसमें अभिप्राय उक्त स्थापना से है) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) इसके आगे उक्त अधिनियम के नाम से निर्दिष्ट की धारा 17 की उपधारा (1) के खंड (क) के अन्तर्गत छूट प्राप्त करने के लिए आवेदन किया है।

यह केन्द्र सरकार की राय में उक्त स्थापना के कर्मचारियों के लिये तैयार किए गए भविष्य निधि नियमों में अंशदान की दर उक्त अधिनियम की धारा 6 में उल्लिखित कर्मचारी अंशदान की दर से कम नहीं है तथा इसके कर्मचारियों को मिलने वाले भविष्य निधि लाभ उक्त अधिनियम तथा कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 (इसके आगे जहाँ कहीं भी स्कीम शब्द का प्रयोग किया गया है उससे अभिप्राय उक्त स्कीम से है) में उल्लिखित लाभों से किसी भी प्रकार से कम नहीं है जो इस वर्ग की स्थापनाओं में कार्यरत कर्मचारियों को उपलब्ध है।

अब इसलिए उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा एक के खंड (क) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और संलग्न अनुसूची में वर्णित शर्तों के अधीन केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा उक्त स्थापना को उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के लागू होने से छूट प्रदान करती है।

अनुसूची

1. उक्त स्थापना में से संबंधित नियोक्ता केन्द्र सरकार के द्वारा समय-समय पर दिये गए निदेश के अनुसार उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (3) के खंड (क) में उल्लिखित निरीक्षण के लिए सुविधाएं प्रदान करेगा और ऐसे निरीक्षण प्रभार की अदायगी प्रत्येक माह की समाप्ति के 15 दिन के अन्दर करेगा।

2. न छूट प्राप्त स्थापनाओं के संबंध में उक्त अधिनियम और उसके अधीन सृजित उक्त स्कीम के अन्तर्गत देय अंशदान के दर से स्थापना के भविष्य निधि नियमों के अन्तर्गत देय अंशदान का दर किसी समय भी कम न होगा।

3. पेशगियों के मामले में छूट प्राप्त स्थापना की स्कीम कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम, 1952 से कम हितकर नहीं होगी।

4. उक्त स्कीम में कोई भी संशोधन जो स्थापना के वर्तमान नियमों से अधिक लाभकारी है उन पर अपने आप लागू किया जाएगा। उक्त स्थापना के भविष्य निधि नियमों में कोई भी संशोधन, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त की पूर्ण अनुमति के बगैर नहीं किया जाएगा और जहाँ किसी संशोधन से उक्त स्थापना के कर्मचारियों के हित के प्रतिकूल प्रभावी होने की संभावना है वहाँ अपनी अनुमति देने से पूर्व, क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, कर्मचारियों को अपने विचार प्रस्तुत करने का उचित अवसर देगा।

5. यदि स्थापना की छूट न दी जाती तो वे सभी कर्मचारी (जैसे उक्त अधिनियम की धारा 2(च) में निश्चित किया गया है) जो सदस्य बनने के पात्र होंगे, सदस्य बनाए जाएंगे।

6. जहाँ एक कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि (कानूनी) या किसी अन्य छूट-प्राप्त स्थापना का पहले से सदस्य है, को अपनी स्थापना में काम पर लगाया जाना

है तो नियोक्ता उसे निधि का तुरन्त भद्रस्य बनाएगा और ऐसे कर्मचारी के पिछले नियोक्ता के पास भविष्य निधि लेखों में संचयों को अंतरित कराने और उसके लेखों में जमा कराने की व्यवस्था करेगा।

7. केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त के द्वारा अथवा केन्द्रीय सरकार के द्वारा जैसे भी मामला हो, समय-समय पर दिए गए निदेशों के अनुसार भविष्य निधि के प्रबन्ध के लिए नियोक्ता न्यासी बोर्ड की स्थापना करेगा।

8. भविष्य निधि, न्यासी बोर्ड में निहित होगा जो अन्य बातों के होते हुए भविष्य निधि में आय के उचित लेखों और भविष्य निधि से अदायगियों और उनकी अभिरक्षा में शेषों के लिए कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के उत्तरदायी होगा।

9. न्यासी बोर्ड कम से कम 3 माह में एक बार बैठक करेंगे और केन्द्र सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए मार्ग-निर्देशों के अनुसार कार्य करेंगे। केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को अधिकार होगा कि वह किसी अन्य योग्य लेखा-परीक्षक से खातों को दुबारा लेखा-परीक्षा कराए और ऐसे पुनः लेखा-परीक्षा के खर्च नियोक्ता वहन करेगा।

10. न्यासी बोर्ड द्वारा रखे गए भविष्य निधि लेखों अर्हता प्राप्त निष्पक्ष चाटर्ड अकाउंटेंट द्वारा वार्षिक लेखा-परीक्षा के अधीन होंगे। जहाँ आवश्यक समझा जाए, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त को किसी अन्य अर्हता प्राप्त लेखा-परीक्षक द्वारा लेखों की पुनः लेखा-परीक्षा कराने का अधिकार होगा और इस पर हुआ व्यय नियोक्ता द्वारा वहन किया जाएगा।

11. प्रत्येक वर्ष स्थापना के लेखा-परीक्षित तुलन-पत्र के साथ लेखा-परीक्षित वार्षिक भविष्य निधि लेखों का एक प्रति वित्तीय वर्ष की समाप्ति के छ माह के अन्दर क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को प्रस्तुत की जाएगी। इस प्रयोजन के लिए भविष्य निधि का वित्तीय वर्ष पहली अप्रैल से 31 मार्च तक होगा।

12. नियोक्ता प्रतिमाह भविष्य निधि के देय अपने कर्मचारियों के अंशदानों की आगामी माह की 15 तारीख तक न्यासी बोर्ड को अंतरित कर देगा। अंशदानों की विलम्ब से अदायगी करने के लिए संगत परिस्थितियों में नियोक्ता मुकदमा देने का उसी प्रकार उत्तरदायी होगा जिस प्रकार एक न छूट प्राप्त स्थापना उत्तरदायी होती है।

13. न्यासी बोर्ड सरकार द्वारा समय-समय पर दिए गए निदेशों के अनुसार निधि में जमा राशियों का निवेश करेगा। प्रतिभूतियाँ न्यासी बोर्ड के नाम पर प्राप्त की जाएगी और भारतीय रिजर्व बैंक के जमा नियन्त्रण में अनुसूचित बैंक की अभिरक्षा में रखा जाएगा।

14. सरकार के निर्देशों के अनुसार निवेश न करने पर न्यासी बोर्ड अलग-अलग रूप से और एक साथ केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त या उसके प्रतिनिधियों द्वारा लगाए गए अधिक प्रभार का उत्तरदायी होगा।

15. न्यासी बोर्ड एक वस्तु ब्याज रजिस्टर तैयार करेगा और ब्याज और विमोक्षन आय को समय पर वसूली सुनिश्चित करेगा ।

6. जमा किए गए अंशदानों, निकाले गए और प्रत्येक कर्मचारी से संबंधित व्याज को दिखाने के लिए न्यासी बोर्ड विस्तृत लेख तैयार करेगा।

1: वित्तीय/लेखा वर्ष की समाप्ति के छः माह के अन्दर बोर्ड प्रत्येक कर्मचारी को वार्षिक लेखा विवरण जारी करेगा।

18 बोर्ड प्रत्येक कर्मचारी को वार्षिक लेखा विवरण के स्था पर पासबुक जारी कर सकता है। ये पास-बुकों कर्मचारियों की अभिरक्षा में रहेंगी और कर्मचारियों के प्रस्तुतीकरण पर बोर्ड के द्वारा इन्हें अद्यतन किया जाएगा।

9. लेखा वर्ष के पहले दिन आदि शेष पर प्रत्येक कर्म-चारी : लेखों में व्याज उस दर से जमा किया जाएगा जिसका न्यासीबोर्ड निर्णय करे परन्तु यह उक्त स्कीम के पैरा 60 के प्रवर्गत केन्द्रीय सरकार द्वारा घोषित दर से कम नहीं होगा।

20. यदि न्यायी बोर्ड केन्द्रीय सरकार द्वारा घोषित व्याज की दर इस कारण से कि निवेश पर आय कम है या किसी अन्य कारण से अदा करने में असमर्थ है तो इस कमी को धोक्ता पूरा करेगा।

21. नियायता भविष्य निर्वाह का चोरी के कारण, लूट
खस ख्यानत, गवन अथवा किमी अन्य कारण से हुई हानि
को कहेगा।

नियोजना और न्याया बांड, अंतर्गत भविष्य निधि आयुक्त ऐसी विवरणियां प्रस्तुत करेगा जो समय समय पर केन्द्र सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त निर्धारित करें।

23. स्काम के पैरा 69 की शैली पर किसी कर्मचारी को निरसदस्य न रहने पर यदि स्थापना के भविष्य निधि नियमों के अंतर्गत उद्योगों के अंशदानों को जमा करने की व्यवस्था है तो बोर्ड इस प्रकार जमा की गई राशियों का अलग से पार करेगा और उसे ऐसे प्रयोजनों के लिए उपयोग में लाएगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की पूर्व अनुमति से प्रयोजित किया गया हो।

24. स्थापन
 बात के होते हुए, निधि नियमों में निर्दिष्ट किसी
 होने के फलस्वरूप, किसी व्यक्ति की सेवा निवृत्ति
 पर निधि की मदद से अन्य प्रतिष्ठान में नौकरी करने
 है कि प्रतिष्ठान के हो जाती है यह पता लगता
 का दर भ्रमपहरण की धि नियमों के अन्तर्गत अंशदान
 संविधिक योजना के अन्तर्गत

दी गई दरों की तुलना में कम अनुकूल है तो अन्तर का वहन नियोजता द्वारा किया जाएगा।

25. नियोजिता, भविष्य निधि के प्रशासन से संबंधित सभी खर्च जिनमें लेखों के रख-रखाव रिटर्न प्रस्तुत किए जाने, राशियों का अन्तरण शामिल है, वहन करेगा।

26. नियोक्ता समुचित प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित निधि में नियमों की एक प्रति तथा जब भी कोई संशोधन होता है, उसकी मुख्य बातों को कर्मचारियों के बहुमत की भाषा में अन्ववाद करके स्थापना के बोर्ड पर लगाएगा।

27. "समुचित सरकार" स्थापना की चालू छूट पर और शर्तें लगा सकती है।

28. यदि उक्त अधिनियम के अन्तर्गत स्थापना वर्ग जिसमें उसकी स्थापना आती है, पर अंशदान की वर बढ़ायी जाती है, नियोक्ता भविष्य निधि अंशदान की वर उचित रूप में बढ़ाएगा, ताकि उक्त अधिनियम के अन्तर्गत दिए जाने वाले लाभों से स्थापना की स्कीम के अन्तर्गत दिए जाने वाले भविष्य निधि के लाभ किसी भी प्रकार से कम न हों।

29. उक्त शर्तों में से किसी एक के उल्लंघन पर छूट रद्द की जा सकती है।

[संख्या एस- 35015 (10)/90-स.सु.-2]

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 11th April, 1990

S.O. 1388.—Whereas Messrs. Indian Seamless Metal Tubes Limited, C-1, M.I.D.C. Industrial Area, Ahmednagar-414111, including its Head Office at Pune and branches at Bombay, Bangalore, Calcutta and New Delhi (hereinafter referred to as the said establishment) has applied for exemption under clause (a) of sub-section (1) of section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act);

And, whereas, in the opinion of the Central Government the rules of the Provident Fund of the said establishment with respect to the rates of contribution are not less favourable to employees therein than those specified in section 6 of the said Act and the employees are also in enjoyment of other provident fund benefits which on the whole are not less favourable to the employees than the benefits provided under the said Act or under the Employees' Provident Funds Scheme, 1952 (hereinafter referred to as the said scheme) in relation to the employees in any other establishment of a similar character :

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in the Schedule annexed hereto the Central Government hereby exempts the said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme.

SCHEDULE

1. The employer in relation to the said establishment shall provide for such facilities for inspection and pay such inspection charges as the Central Government may from time to time direct under clause (a) of sub-section (3) of section 17 of said Act within 15 days from the close of every month.

2. The rate of contribution payable under the provident fund rules of the establishment shall at no time be lower than those payable under the said Act in respect of the unexempted establishments and the said Scheme framed thereunder.

3. In the matter of advances, the scheme of the exempted establishment shall not be less favourable than the Employees Provident Fund Scheme, 1952.

4. Any amendment to the said scheme this is more beneficial to the employees than the existing rules of the establishment shall be made applicable to them automatically no amendment of the rules of the provident fund of the said establishment shall be made without the previous approval of the Regional Provident Fund Commissioner and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees of the said establishment, the Regional Provident Fund Commissioner shall, before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employees to explain their point of view.

5. All employees (as defined in section 2(f) of the said Act) who would have been eligible to become members of the Provident Fund had the establishment not been granted exemption shall be enrolled as members.

6. Where an employee who is already a member of the Employees' Provident Fund (Statutory) or a Provident Fund of any other exempted establishment is employed in his establishment, the employer shall immediately enrol him as a member of the fund and arrange to have the accumulations in the provident fund account of such employee with his previous employer transferred and credited to his account.

7. The employer shall establish a Board of Trustees for the management of the provident fund according to such directions as may be given by the Central Provident Fund Commissioner or by the Central Government, as the case may be, from time to time.

8. The provident fund shall vest in the Board of Trustees who will be responsible for and accountable to the Employees' Provident Fund Organisation inter-alia for proper accounts of the receipts into and payments from the Provident Fund and the balance in their custody.

9. The Board of Trustees shall meet at least once in every three months and shall function in accordance with the guidelines that may be issued from time to time by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner or an officer authorised by him.

10. The accounts of the Provident Fund maintained by the Board of Trustees shall be subject to audit by a qualified independent Chartered Accountants annually. Where considered necessary, the Central Provident Fund Commissioner shall have the right to have the accounts re-audited by any other qualified auditor and the expenses so incurred shall be borne by the employer.

11. A copy of the audited annual provident fund accounts together with the audited balance sheet of the establishment for each accounting year shall be submitted to the Regional Provident Fund Commissioner within six months after the close of the financial year. For this purpose the financial year of the provident fund shall be from the 1st of April to the 31st of March.

12. The employer shall transfer to the Board of Trustees the contributions payable to the Provident Fund by himself and the employees by the 15th of each month following the month for which the contributions are payable. The employer shall be liable to pay damages to the Board of Trustees for any delay in payment of the contributions in the same manner as an unexempted establishment is liable under similar circumstances.

13. The Board of Trustees shall invest the monies in the fund as per directions that may be given by the Government from time to time. The securities shall be obtained in the name of the Board of Trustees and shall be kept in the custody of a Scheduled Bank under the Credit Central of the Reserve Bank of India.

14. Failure to make the investments as per directions of the Government shall make the Board of Trustees severally and jointly liable to surcharge as may be imposed by the Central Provident Fund Commissioner or his representative.

15. The Board of Trustees shall maintain a scriatwise register and ensure timely realisation of interest and ensure timely realisation of interest and redemption proceeds.

16. The Board of Trustees shall maintain detailed accounts show the contributions credited, withdrawal and interest in respect of each employee.

17. The Board shall issue an annual statement of account to every employee within six months of the close of financial accounting year.

18. The Board may, instead of the annual statement of accounts, issue passbooks to every employee. These passbooks shall remain in the custody of the employees and will be brought upto date by the Board on presentation by the employees.

19. The account of each employee shall be credited interest calculated on the opening balance as on the 1st day of the accounting year at such date may be decided by the Board of Trustees but shall not be lower than the rate declared by the Central Government under para 60 of the said Scheme.

20. If the Board of Trustees are unable to pay interest at the rate declared by the Central Government for the reason that the return on investment is less or for any other reason, than the deficiency shall be made good by the employer.

21. The employer shall also make good any other loss that may be caused to the Provident Fund due to theft burglary, defalcation, mis-appropriation or any other reason.

22. The employer as well as the Board of Trustees shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner as the Central Government/Central Provident Fund Commissioner may prescribe from time to time.

23. If the Provident Fund rules of the establishment provide for forfeiture of the employers' contribution in cases where an employee ceases to be a member of the fund on the lines of para 69 of the said Scheme, the Board of Trustees shall maintain a separate account of the amounts so forfeited and may utilise the same for such purposes as may be determined with the prior approval of the Central Provident Fund Commissioner.

24. Notwithstanding anything contained in the provident fund rules of the establishment, if on the cessation of an individual, from the membership of the fund consequent on retiring from service or on taking up the employment in some other establishment, it is found that the rate of contribution rate of forfeiture etc. under the provident fund rules of the establishment are less favourable as compared to those under the statutory scheme, the difference shall be borne by the employer.

25. The employer shall bear all the expenses of the administration of the Provident Fund including the maintenance Accounts submission of returns, transfer of accumulation.

26. The employer shall display on the notice board of the establishment, a copy of the rules of the fund as approved by the appropriate authority and as when amended alongwith a translation of the salient points thereof in the language of the majority of the employees.

27. The "appropriate Government" may lay down further conditions for continued exemption of the establishment.

28. The employee shall enhance the rate of provident fund contributions appropriately if the rate of provident fund contribution for the class of establishments in which the establishment falls is enhanced under the said Act so that the benefits under the Provident Fund Scheme of the establishment shall not become less favourable than the benefit provided under the said Act.

29. The exemption is liable to be cancelled in case of violation of any of the above conditions.

[No. S-35/190-SS-II]

का.आ. 1389-कर्मचारी राज्य बीमा, 1947
(1948 का 31) की धारा 1 की उप (3) द्वारा
प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सरकार
एतद्वारा 16-4-90 को उस तारीख के नियम करती
है, जिसको उक्त अधिनियम के (धारा 44
और 45 के सिवाय जो पहले ही जा चुकी है
(और अध्याय 5 और 6) धारा 76 द्वारा (1) और

धारा 77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है (वे उपबन्ध पंजाब राज्य के निम्नलिखित क्षेत्र के प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :—

केन्द्र का नाम	हद बस्त नं.	तहसील	जिला
ग्राम दधेरी	202	खन्ना	लुधियाना

[संख्या एस - 38013/9/90 - एस. एस. 1]

ए. के. भट्टारार्ई, अवर सचिव

S.O. 1389.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 16th April 1990 as the date of which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of section 76 and 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Punjab namely:

Name of the Centre	H. B. No.	Tehsil	District
Village Dadhari	202	Khanna	Ludhiana

[No. S-38013/9/90-SS.1]

A. K. BHATTARAI, Under Secy.

का. आ. 1390—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार लक्ष्मी कर्मसिंघल बैंक के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्विष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण नई दिल्ली के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1390.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby Publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, New Delhi, as shown in the Annexure in the Industrial dispute between the employers in relation to the Lakshmi Commercial Bank and their workmen, which was received by the Central Government.

ANNEXURE

BEFORE SHRI G. S. KALRA : PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL :
NEW DELHI

I.D. No. 22/84

In the matter of dispute between :

Shri Brij Mohan Chadha,
IX/6024, Ram Gali,
Subhash Mohalla,
Gandhi Nagar,
Delhi-110031.

Versus

The Assistant General Manager (Personnel),
Establishment Department,
Lakshmi Commercial Bank,
Shiela Hotel Building,
Ram Nagar, New Delhi-11005.

APPEARANCES :

Shri S. K. Bisaria with Sh. D. K. Heera Advocate—for
the workman.

Shri N. C. Sikri with Sh. S. Ramji—for the Management.

AWARD

The Central Government in the Ministry of Labour vide its notification No. L-12012/34/83-D.IV(A) dated the 24th February, 1984 has referred the following industrial dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Lakshmi Commercial Bank Ltd., New Delhi in relation to their Chandni Chowk Branch, Delhi in terminating the services of Shri Brij Mohan Chadha, Pass-Book Writer with effect from 24-12-1980 is justified? If not, to what relief is the workman concerned entitled?"

2. The case of the workman is that he was appointed as pass book/statement writer and posted in the Chandni Chowk Branch of the erstwhile Laxmi Commercial Bank (since amalgamated with the Canara Bank w.e.f. 24-8-1985) where he worked from 25-3-80 to 24-12-1980. The workman regularly performed the duties of regular clerk and was mainly doing typing, preparation of drafts, ledger posting pass book, statement writing etc. and he performed duties from 10 AM to 5 P.M. His services were illegally and arbitrarily terminated on 24-12-1980 without any cause and by adopting unfair labour practices. Workman claimed that he had put in more than 240 days service in a calendar year and, therefore, had completed one year's continuous service as defined under section 25-B of the I.D. Act (hereinafter referred to as the Act). He was not given any notice nor any wages in lieu of notice were paid nor any retrenchment compensation was paid and persons junior to him namely Madan Mohan and Shiv Kumar were retained in service and thus there was violation of the provisions of section 25-B and G of the Act. Hence he has prayed for his reinstatement with continuity of service and with full back wages.

3. Earlier the written statement was filed on behalf of the erstwhile Laxmi Commercial Bank Ltd. and after its amalgamation Canara Bank adopted the submissions made by the Laxmi Commercial Bank in its written statement and took up additional pleas. A preliminary objection was taken that during the pendency of the present dispute the Laxmi Commercial Bank was amalgamated with the Canara Bank w.e.f. 24-8-1985 and as per the scheme of amalgamation which has statutory force liability of the Canara Bank is limited to only those employees who were in the service of the erstwhile Laxmi Commercial Bank on the specified date 24-8-85. As the workman was not in the service of the transferee Bank on the specified date there is no liability on the part of the Canara Bank to take him back into service. Some other usual preliminary objections like non-application of mind on the part of the appropriate govt. and the matter not having matured into an industrial dispute and Tribunal not having jurisdiction etc. were raised but their objections have no substance nor were they pressed at the time of arguments and hence these are not being mentioned in detail. On merits it was submitted that the workman was engaged as a temporary part time pass book statement writer for fixed duration w.e.f. 2-5-1980 on contractual basis and on the expiry of the said periods his services automatically stood terminated with efflux of time. It was denied that the workman was asked to do the duties of regular employee or that he actually performed the duties of regular clerk or that he performed his duties from 10 AM to 5 PM. It was submitted that the workman was engaged on part time basis and he was doing his duties for the period of only 2 hours a day. It was also denied that the workman had performed duties for 240 days in a 12 calendar months. It has been submitted that the claimant was a part time employee and hence the provisions of section 25-B were not attracted. It was further stated that the appointment and classification of the duties of the workman were in accordance with the provisions of the Bipartite settlement and there was no violation of any rule or law and the workman was not entitled to any relief. It was further stated that erstwhile Laxmi Commercial Bank Ltd. had entered into a settlement with its Employees Federation by way of collective bargaining for recruitment of clerical cadre and as per norms laid down in that settlement the minimum qualification for appointment to the clerical cadre were second class with minimum 50% marks relaxable to 45% in case of Honours Graduate in Commercial/Economics/Math/English/Agriculture; or post graduate or double degree holders in Commerce/Economics/

Math/Agriculture provided that the candidate did not fail more than once in any board examinations and further the candidate and to appear in a written test and after having passed the Written test had to appear in a regular interview and it is only after he was declared successful in the interview his name was to appear in the panel. This settlement continued to be in force till the bank was amalgamated with the Canara Bank and, therefore, the workman was bound by the said settlement. As per his own admission the workman was not even a graduate and he was 3rd year B. Com pass student at the time of the succession of his assignment.

4. I have given my careful consideration to the pleadings of the parties, the evidence brought on record and the arguments advanced on behalf of both the parties and I am of the opinion that the workman is not entitled to any relief for the reasons set out hereafter.

5. The claim of the workman is liable to be rejected on the short ground that he has not come to this Tribunal with clean hands. He had asserted that he was appointed and working as a Clerk on a regular basis and performing the duties from 10 to 5 PM but the documents on record and the admission made by the workman in his own statement in court as WW1 clearly show that the workman has made a false claim in this regard. Ex. M1 is the relieving letter dated 24-12-80 issued by the Management in which it was clearly mentioned that the workman had been engaged as a temporary part time pass book writer/statement writer on contractual basis for a period of 9 months which expired on 24-12-80 and, therefore, he was relieved from duties w.c.f. 24-12-1980. The most damaging document to the workman is the letter Ex. M-9 dated 4-6-1983 written by the workman himself to the Management in which he has clearly stated that he had been appointed as a part time pass book writer at branch office Chandni Chowk, Delhi and requested for regular absorption in the service of the Bank in clerical cadre. In his cross-examination as WW1 the workman has admitted that he had submitted this representation dated 14-6-83. Therefore, he cannot get out of his own admission that he was working as a part time Pass Book writer. All his other assertions that he was doing regular work of a Clerk must be taken to be after thought. Again in his cross-examination as WW1 the workman has stated that he was a regular student of Sham Lal College. Earlier he stated that he was attending evening classes but when confronted with the suggestion that he was attending the morning classes the workman stated that he had obtained admission in the morning classes but was actually attending the evening classes and that the morning classes used to be from 9 to 4 PM. The workman tried to get out of the situation by stating that he obtained admission in the morning classes but actually he was attending the evening classes and the principal of the college had assured him that he will attend evening classes and his attendance will be adjusted against the morning classes as he was in service. The Management has placed on record extracts from the conditions for admission to examinations according to which the student has to obtain migration from morning classes to evening classes and the workman had neither pleaded nor produce any evidence that he had obtained migration for attending the evening classes any arrangement he might have made with the principal as stated by him was against the rules and, therefore, no notice can be taken of the same. The admission that he was a regular student of the Sham Lal College of its morning classes negatives the claim of the workman that he was performing whole time duties from 10 AM to 5 PM in the Bank and supports the contention of the Bank that he was performing the duties for 2 hours only from 3 to 5 PM. The Management has also produced copies of the salary Bills pertaining to the workman (Ex. M-6) in which it has been clearly mentioned that the salary was for pass book writer part time. Even the amount received by the workman regularly indicates that he was receiving part time wages and not full time wages. The workman has admittedly signed on these salary bills and he is, therefore, estopped from claiming that he was working on full time basis.

6. The Management has also placed on record a copy of the settlement dated 15-3-80 Ex. M-1 between the Management of the erstwhile Laxmi Commercial Bank and its employees according to which the minimum qualifications for recruitment to the clerical cadre were the Graduation Second Class

with minimum 50% marks relaxable upto 45% in case of Honours Graduate or post graduate or double degree holders. The workman in his cross-examination as WW1 admitted that he passed his graduation in May or June, 1981 in 3rd Division. He clearly admitted that he was not graduate when he joined service of the bank. He also admitted that he did not submit any written application for regularisation after the aforementioned settlement and he also did not make any such application or attend any such test and this apparently is because he was not qualified to do so and the Management was justified in not taking him into clerical cadre on regular basis.

7. Para 20.4 and 20.6 of the Bipartite Settlement dated 19-10-66 which is binding on the parties reads as under:—

"20.4. Notwithstanding anything contained in paragraph 498 of the Sastry Award for pass-book writing, all banks will be free to employ part-time clerks as pass books' writers. Apart from such persons already in employment, in future only students and retired persons (but in any case no person already in employment elsewhere) will be engaged by banks for this purpose. Their hours of work will not exceed 12 hours in a week.

20.6 Subject to a bank's recruitment rules, if any, part-time employees will be given preference for filling of full time vacancies, other things being equal."

It is, therefore, apparent that the workman had been employed in accordance with the provisions of the Bipartite Settlement and he had only a right to be given preference for filling up full time vacancy other things being equal but here the workman did not fulfil the requisite minimum qualification and, therefore, he had no preferential right for absorption in the clerical cadre of the Bank.

8. Now the question arises as to whether the workman had completed 240 days of continuous service so as to said into the protection of section 25-F of the I.D. Act. As has been shown above the workman was only performing part time duties of 2 hours per day and, therefore, he cannot be said to be in continuous service for one year because the minimum of the 240 days to meet the requirements of section 25-B envisage full time work and not part time. If at all the part time work is to be taken into consideration then 3rd days part time work may possibly be equated with one full day and in that event the workman cannot be said to have completed continuous service for one year. Therefore, he had not sailed into the protection of section 25-F of the Act and no illegality has been committed by the Management in not serving him any notice or paying him any retrenchment compensation. The relevant provisions of the Bipartite Settlement also do not envisage the service of any notice to a part time employee.

9. Before parting with this case I may briefly deal with the preliminary objection of the Management in relation to the obligation of the Canara Bank which is the successor of the erstwhile Laxmi Commercial Bank. The ld. representative of the Management has referred to the provisions of para 10 of the scheme of amalgamation of the Laxmi Commercial Bank with the Canara Bank formulated under section 45(1) of the Banking Regulation Act, 1945 and published in the Gaz. of India dated 23-8-1985 and has submitted that the Canara Bank has got no obligation towards Ex-employees and its liability is confined only to those employees who were in service as on specified date 24-8-85. However, para 2 of the scheme of amalgamation clearly provides "and as from the prescribed date, the liabilities, duties and obligations of the transferor bank shall be and shall become the liabilities, duties and obligations of the transferee bank to the extent and in the manner provided hereinafter" and further "if on the prescribed date any suit appeal or other legal proceedings of whatever nature by or against the transferor bank is pending, the same shall not abate or be discontinued or be in any way prejudicially affected, but shall, subject to the other provisions of the scheme, be prosecuted and enforced by or against the transferee bank". Now section 2(s) of the I.D. Act defines the workman as under :

"(a) "workman" means any person (including an apprentice) employed in any industry to do any manual unskilled, skilled, technical, operational, clerical or

supervisory work for hire or reward, whether the terms of employment be express or implied, and for the purposes of any proceeding under this Act in relation to an industrial dispute includes any such person who has been dismissed, discharged or retrenched in connection with, or as a consequence of that dispute, or whose dismissal, discharge or retrenchment has led to that dispute, but does not include any such person....."

It is, therefore, apparent that a workman (or employee) includes any such person who has been dismissed, discharged or retrenched. If the above definition of workman is read in conjunction with the scheme of amalgamation, there is no doubt left that in relation to an industrial dispute, as the present one, the liability of the Management extends to the ex-employees also who have been dismissed, discharged or retrenched.

10. In view of the discussion made above the workman is not entitled to any relief and the reference is disposed of accordingly.

G. S. KALRA, Presiding Officer

30th June, 1988.

[No. L-12012/34/83-D.IV(A)]

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 1990

का.आ. 1391.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार अध्यक्ष, बैंक आफ इंडिया नेशनल इम्प्लॉईज कांग्रेस द्वारा बैंक आफ इंडिया के प्रबन्धक तंत्र के खिलाफ उक्त अधिनियम की धारा 33क के अधीन दायर की गई शिकायत संबंध में, अनुबंध में निर्दिष्ट केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कलकत्ता को पंचाट जैसे कि अनुबंध में है, प्रकाशित करती है। यह पंचाट केन्द्रीय सरकार को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 19th April, 1990

S.O. 1391.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta as shown in the Annexure in respect of Complaint under section 33 A of the Act filed by the President, Bank of India National Employees Congress against the management of Bank of India, which was received by the Central Government.

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Misc. Application No. 2 of 1989 U/s. 33-A of I. D. Act (Arising out of Reference No. 100 of 1988).

PARTIES :

The President,

The President, Bank of India National Employees' Congress, 23A/B, N. S. Road, Calcutta-700001
.. Applicant.

Vs.

Zonal Manager, Bank of India, 15A, Hemanta Basu Sarani, Calcutta-700001
.. Opp. Party.

PRESENT :

Mr. Justice Sukumar Chakravarty, ...Presiding Officer.

APPEARANCES :

On behalf of Applicant—None.

On behalf Opp. Party—Mr. S. K. Panda, Industrial Relation Officer.

STATE : West Bengal

INDUSTRY : Banking

AWARD

The complaint U/s. 33A of the Industrial Disputes Act, 1947 was filed by the workmen represented by Sri Kali Prasad Dhuria as the President of Bank of India National Employees Congress against the management of Bank of

India making certain allegations in connection with the management's attempt to dismiss Kali Prasad Dhuria, the President of the aforesaid Congress during the pendency of the Reference No. 100 of 1988.

2. The Opp. party, management filed the written objection in the case.

3. During the pendency of heading of the aforesaid Complaint, K. P. Dhuria filed a petition on 29-12-1989 stating that the Complainant would not press the aforesaid complaint and prayed for appropriate order from the Tribunal.

4. The Complaint itself is found to be legally defective as the Complainants according to the Complaint, are the workmen represented by the President of the Bank of India National Employees Congress and not the individual person who was actually aggrieved by the action of the management, if any. Be that as it may, when K. P. Dhuria as President of Bank of India, National Employees Congress, filed the Complaint on behalf of the workmen, has filed the petition not to press the complaint. I reject the Complaint U/s. 33A of the Industrial Disputes Act, 1947 as it is not maintainable and as it is not pressed.

5. This is my Award.

[No. L-12025/10/83-D.II (A)]

SUKUMAR CHAKRAVARTY, Presiding Officer

V. K. VENUGOPALAN, Desk Officer

Dated, the Calcutta 23rd March, 1990

नई दिल्ली, 16 अप्रैल, 1990

का.आ. 1392.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार यू. पी. स्टेट सीमेन्ट कार्पोरेशन लि. के प्रबन्धतंत्र के सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-5-90 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 16th April, 1990

S.O. 1392.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of U.P. State Cement Corporation Limited and their workmen, which was received by the Central Government on 16-4-1990.

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARJAN DEV, PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, KANPUR

Industrial Dispute No. 105 of 1988

In the matter of dispute between :

Shri Pradeep Chakraborty,
Secretary,
Khadan Mazdoor Sangh,
J-98, Churk,
District Mirzapur.

AND

The General Manager,
U.P. State Cement Corporation Ltd.,
Unit Churk Cement Factory,
Churk,
District Mirzapur.

AWARD

1. The Central Government, Ministry of Labour, vide its notification No. L-29012/13/88-D.III(B), dated 2-8-88, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

Whether the action of the management of Ghurma Lime Stone Mine owned by U.P. State Cement Corporation Ltd. in not regularising Shri Shanker Prasad,

S/o Shri Munsi as Welder from December, 1980, is legal and justified. If not, to what relief the workman concerned is entitled?

2. The case of Khadan Mazdoor Sangh, (hereinafter referred to as Union), is that the workman has been working as Welder from June, 1980. He has not been regularised in service although many junior to him have been regularised by the management. In this connection, the workman made a representation on 4-4-81, to the General Manager, but in vain. The Union alleges that the act of the management not to regularise the workman in service amounts to unfair labour practice. The Union has, therefore, prayed that the workman should be regularised in service with effect from December, 1980 and be awarded due wages.

3. The defence is that the workman was registered as casual Mazdoor in the Ghurma Mine in 1980. In emergencies when regular/casual welders were not available, casual mazdoors were given casual work of welders in the interest of work. So some time during the month of June 1980, and onwards, the workman used to be given, the work of casual welder in casual vacancies or against was extra casual work of welder. The casual employment so given in no case created any lean or right in favour of the workman on the post of welder or a claim of permanency to the said post. In spite of the above legal position the workman has demanded permanent appointment on the post of Welder w.e.f. 1-12-80. His demand cannot be considered, firstly, because he was registered as a casual mazdoor as per provisions of the Arbitration Award for the Cement Industries, secondly, because he was much junior in his category of many casual mazdoors, thirdly, because there was no permanent post of welder vacant at present and, fourthly, because the criteria for permanent appointment is different than the criteria for working casual employees. For permanent appointment, several factors such as, availability of permanent post, seniority, qualifications, suitability etc., have to be taken into consideration.

4. The management further pleaded that the workman did not work regularly on the post of Welder, during the period June 1980 to November, 1980, and therefore, he is not entitled to a regular appointment from 1-12-80. In the year 1985, he worked for 145 days as casual welder and in 1986 he worked for 100 days as casual welder, besides the existing strength in the organisation is much more than the actual requirement. With a view to reorganise the man power, Planning and Assessment Study for all the Units of U.P. State Cement Corporation Limited have been conducted by M/s. Haltec Engineers (P) Limited and after assessment, the optimum strength will have to be fixed. At present the existing over all man power strength is more than the required strength for sufficient running of the Organisation. Even otherwise, exceeding to the claim of the workman, would clearly mean unfair treatment to those workers who are senior, more suitable and more qualified than him.

5. Lastly, the management pleaded that the reference order is bad in law.

6. Nothing new has been alleged by the Union in the rejoinder except that if there had been no vacancy, the job of welder would not have been taken from the workman.

7. In support of its case, the Union has filed the affidavit of the workman and a number of documents, on the other hand, in support of their case, the management have simply relied upon the documentary evidence.

8. Ext. M-1 to Ext. M-19 are photo copies of attendance and payment register from June, 1980 to December, 1980. These documents show that during the said period the workman had worked for total number of 132 days, 57 days as Mazdoor/attendant and 75 days as casual welder.

9. The management have filed copies of extracts from original attendance and payment register in pursuance of the order dt. 4-7-89 passed by the Tribunal on the Union's application dt. 27-3-89 for summoning of certain documents including these registers. The entries in them appear for the periods:—

1. June, 1980 to December, 1980.
2. April, 1985 to June, 1985.
3. April, 1987 to November, 1987 excluding months of May and September 1987, and
4. January, 1988 to March, 1988.

I have already referred to the number of days for which the workman had worked during the period 1980. The remaining document show that in 1985, he worked for 71 days. In 1987, he worked for 113 days and in 1988 he worked for 71 days.

10. Ext. W-3 to Ext. W-13 purports to be wage slips of the period January, 1982 to November, 1982. These wage slips appears to be of doubtful full origin. They are undated and unsigned. Wage slips Ext. W-6 to W-10, W-11 and W-13 do not show as to on what month and year they are on the remaining wage slips months and year are given but the writing appears to be different. Whereas the amount and number of days are noted in English Figure, the month and year are noted at the top in Hindi Figure. It appears that the month and year have been subsequently added. Therefore, much reliance cannot be placed on these wage slips.

11. Thus on the basis of the documentary evidence no case for regularisation in favour of the workman is made out.

12. In para 2 of his affidavit the workman has deposed that he came to be recruited as a casual welder in 1972, and worked as such upto 1975-76. Ext. W-14 is the copy of representation dt. 4-4-81, alleged to have been made by the workman to the General Manager of the Corporation. In it was stated by him that he had been working as casual worker for the last about 12 years. This is in contradiction to the facts deposed to by him in para 2 of his affidavit. As said above, therein he had stated that he has worked upto 1975-76.

13. Ext. W-2 is the copy of certificate dt. 7-1-82 alleged to have been issued in respect of the workman by one Shri P. K. Rai, Khadan Vyavasthapak. The certificate is to the effect that he had worked from 1971 to 1975 and then from June, 1980 as casual worker. The Union has not summoned the Officer, who is alleged to have issued the certificate, to prove it.

14. It is not possible to believe the said case inasmuch as no such case has been set up by the Union either in the claim statement or in the rejoinder. Even no such case was set up by the Union in the application, copy Ext. M-24, made on behalf of the workman made before ALC(C) Allahabad. The application was filed on 28-1-87 and in it also it was stated that the workman had been working as casual welder from June 1980.

15. Ext. M-27 is the copy of seniority list of casual labour. The name of the workman appears at serial No. 70 and it is shown that his name as casual labour was registered on 18-12-76. So at the most it cannot be said on the basis of the management's document that the name of the workman was registered as casual labour on 18-12-76.

16. The above documents also do not show that the workman had been continuously working either from 1971 or May 1976 or June 1980. I have shown from the copies of extracts from original attendance and payment registers filed by the management as to for how many days the workman had worked during 1980, 1985, 1987 and 1989.

17. Thus from the above discussion of oral and documentary evidence, it becomes evident that the Union has not been able to make out any case for regularisation of the workman service as Welder. From the copy of the seniority list it appears that even persons who were registered as casual labour in 1967, 1968 and 1969 have not yet been regularised. All this tells about the pettable condition of the casual labours. It will not be out of place to remark that the management contrives the situation so as to prevent casual labour from getting regular service. Corporation being state owned, the management should be fair to those casual labour to prove themselves to be Model Employers.

18. Held that the action of the management of Ghurma Lime Stone Mine owned by State Cement Corporation Limited not regularising Shri Shankar Prasad son of Shri Munshi as Welder w.e.f. December, 1980, is legal and justified. The result is that the workman is not entitled to any relief.

19. Reference is answered accordingly.

ARIAN DEV, Presiding Officer
[No. L-29012/13/88-D.III(B)]

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 1990

का.ग्रा. 1393.— औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार मै. उड़ीसा माइनिंग कॉर्पोरेशन लि. के प्रबन्धनतंत्र के सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण भुवनेश्वर के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17-4-90 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 19th April, 1990

S.O. 1393.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal, Bhubaneswar as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Orissa Mining Corporation Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 17-4-90.

ANNEXURE

Industrial Dispute Case No. 4 of 1978 (Central)
Bhubaneswar, the 31st March, 1990
BETWEEN

The Management of M/s Orissa Mining Corporation Limited, Bhubaneswar.—First Party-Management.

AND

Their workmen represented through Daitari Iron Ore Mines Labour Union, Daitari Township, P.O. Talpada, Dist. Keonjhar.—Second Party-workmen.

APPEARANCES :

Sri D. P. Mohanty, Advocate—For the First Party-Management.

Sri J. Pattanaik, Advocate—For the Second Party-workmen.

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour, in exercise of the powers conferred upon them by Section 7-A and clause (d) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) and by their order dated 17th September, 1978 have referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :—

“Whether the demand of the workmen of Daitari Iron Ore Mines of M/s. Orissa Mining Corporation Limited Bhubaneswar for revision of quantum of field allowance, is justified? If so, to what relief are the aggrieved workmen entitled?”

2. The case of the second party-workmen represented through Daitari Iron Ore Mines Labour Union, Daitari is stated below :—

The Orissa Mining Corporation Limited obtained several leases from the State Government for carrying on mining operation at different places within the State. The Mining operations involve the work of conducting survey of different areas for the purpose of excavation of the mineral resources and also extraction of ores for sale within and outside the country. For such operations the employees of the Corporation were required to be stationed in the fields away from Bhubaneswar where the Corporation's head office is located. As per the decision of the Board of Directors of the Corporation in their 41st meeting a compensatory allowance was

paid to the employees stationed at the fields away from the head quarters at the following rates :—

Pay Range	Field Allowance
Up to Rs. 69	Rs. 5
Rs. 70 Rs. 150	Rs. 10
Rs. 151 Rs. 300	Rs. 25
Rs. 301 Rs. 500	Rs. 50
Rs. 501 and above	Rs. 75

With effect from 1-1-74 there was revision of pay scales of different categories of employees of the Corporation. The Corporation after such revision of pay scales made fitment of the field allowance to different pay range in the revised scale arbitrarily which resulted in reduction of the quantum of field allowance which the workmen had been receiving earlier to the revision of pay scales. The case of the workmen in nutshell is that since the quantum of field range of different categories of workers prior to the revision of pay scales effected on 1-1-74, the quantum would have been paid as per the revised scales of pay without making any refitment to the different ranges of scales of pay because by refitment the workmen have been asked to received less amount of field allowance than what they had been receiving earlier. Accordingly, the workmen claimed that they were entitled to be paid field allowance linked with the amount of pay they receive in the same manner as the allowance was being paid prior to 1-1-74.

3. The case of the First Party, namely, the Management of M/s. Orissa Mining Corporation Limited is that pursuant to a decision of the Board of Directors in their 28th meeting held on 5-9-1961, field allowance was paid to the employees of the Corporation working in fields and residing at places where the population was less than 3000 which ordinarily lacked the basic amenities of life. Daitari was one such place. It is the plea of the First Party that since after implementation of the Board's decision for payment of field allowance to the employees of the Corporation stationed at the fields including at Daitari, the Corporation has provided benefits and facilities to its employees stationed at Daitari such as free accommodation, free electricity, free medical treatment free educational facilities, free water supply free cinema shows and supply of subsidised rice. Daitari, after 1961 has been connected with the rest of the State by good roads and transport service; telephones and wireless. The further plea of the First-Management is that after the workers stationed at Daitari have been provided with the aforesaid facilities it can not be said that the place lacks the normal amenities justifying payment of field allowance and in fact, the Management would have discontinued payment of field allowance but have not done so only as a gesture of goodwill towards the workers. The first party Management in its written statement stated thus, which being very much relevant so far as the present dispute is concerned is quoted below :—

“Further consequent upon the revision of field allowance with effect from 1-1-74 few categories of employees who were in receipt of Rs. 10 p.m. as field allowance were to get Rs. 5 p.m. As per the demand of the Union the Management is willing to remove the above anomalies with retrospective effect.”

4. On these pleadings, the Tribunal framed two issues, such as—

(1) Whether the demand of the workmen of Daitari Iron Ore Mines of M/s. Orissa Mining Corporation Limited, Bhubaneswar for revision of quantum of field allowance is justified?

(2) If so, to what relief they are entitled?

5. After examining the evidence adduced in the proceeding by both parties and hearing arguments from both parties the Tribunal held—“In my opinion on, the contention on behalf of the workers is quite reasonable and once the management had agreed to pay the field-allowance as a particular rate and it was being paid at that rate, it was not open for the Management to arbitrarily reduce the rate to the disadvantage of the workers without any notice.” The Tribunal considered Section 9-A of the I. D. Act and held that without giving notice u/s 9-A the Management could not change the field allowance arbitrarily. After arriving at the aforesaid conclusion the Tribunal revised the rates of field allo-

wance as made applicable to the Corporation's employees stationed at Daitari as per the decision of the Board of Directors dated 29-3-1975, with effect from 1-1-74 in the following manner :—

Field allowance allowed from 1-1-74 as per the decision of the Board of Directors

Pay Range	Rates p.m.
Up to Rs. 249	Rs. 5
Rs. 250 Rs. 300	Rs. 10
Rs. 301 Rs. 500	Rs. 25
Rs. 501 Rs. 700	Rs. 50
Rs. 701 and above	Rs. 75

Revised field allowance fixed by the Tribunal by its Award dated 31-1-79

Pay Range	Rates p.m.
Up to Rs. 249	Rs. 25
Rs. 250 Rs. 300	Rs. 25
Rs. 301 Rs. 500	Rs. 50
Rs. 501 and above	Rs. 75

The First Party Corporation challenged the Award before the Hon'ble High Court of Orissa in a Writ Petition (O.J.C. No. 686 of 1979). The writ petition was disposed of by the Hon'ble Court in their judgment dated 8th December, 1987.

I think, in view of the arguments now advanced on behalf of the First Party-Management before me it will be necessary to mention the contentions which were advanced on behalf of the First Party before the Hon'ble High Court of Orissa at the hearing of the aforesaid O.J.C. and the findings recorded by the Hon'ble Court in the said case.

It was contended on behalf of the Management before the Hon'ble High Court of Orissa that the Tribunal while passing the Award increasing the field allowance did not at all consider two basic factors, which were—(1) increase of modern amenities in many erstwhile camps, such as, Daitari which in course of time have turned into small townships and (2) the capacity of the employer to bear the financial burden on increase of the field allowance. Their Lordships or the Hon'ble High Court of Orissa while dealing with these contentions held as below :—

"So far as non-service of notice under section 9-A is concerned, no exception can be taken to the finding of the Industrial Tribunal because while effecting the change of the rates of field allowance with effect from 1-1-1974 as per Annexure 1-E, no notice was given to the workmen in the prescribed manner of the nature of change proposed to be effected. It has not also been pleaded by the petitioner that notice according to section 9-A had been served on the workmen. According to item 3 of the fourth schedule, 'compensatory or other allowances' could not be changed without service of notice under section 9-A. Field allowance undoubtedly comes within meaning of compensatory and other allowances. Therefore, the finding of the Industrial Tribunal with regard to non-service of notice under section 9-A of the Act was legal."

After having held that the change effected by the Corporation in the matter of payment of field allowance to its workmen at Daitari with effect from 1-1-74 without a notice u/s 9-A was not legal, the Hon'ble Court observed that the Tribunal increased the rate of field allowance without taking into consideration the basic factors, such as, the reason which had prompted the petitioner to grant field allowance to employees serving in the camps in remote areas and the comparative growth of modern amenities in course of time in some of those areas which have become small townships, such as, Daitari and it did not take into consideration the financial position of the Corporation as to whether it would be possible for it to take the additional burden. With these considerations the Hon'ble Court held—"In my view, these two basic factors having not been considered by the Industrial Tribunal, its conclusion with regard to the increase of the field allowance cannot be supported. It is a fit case in which the Industrial Tribunal should consider these basic factors before giving its award. In order to enable it to do so, both parties shall be free to file additional statement and

lead further evidence. For the above purpose the dispute has to be redetermined by the Industrial Tribunal." With the aforesaid conclusions, the Hon'ble Court quashed the Award dated 31-1-79 and remanded the matter to this Tribunal for fresh disposal in accordance with law in the light of the observations made in the judgment passed in the aforesaid O.J.C.

6. After the case was received back on remand, both parties filed additional written statement on which the Tribunal framed additional issues on 1-8-88. The First Party Corporation filed objection to the framing of additional issues on the ground that the Industrial Disputes Act did not contemplate framing of issues. The Corporation also advanced the contention that the finding of the Tribunal in its Award dated 31-1-79 about non-compliance of the provisions of Section 9-A of the Act by the Corporation while effecting the change in the quantum of field allowance and the approval of the said finding by the Hon'ble High Court of Orissa in O.J.C. No. 686 of 1979 should be considered as non-existent and the Tribunal should adjudicate the dispute referred afresh. It was also contended that Section 9-A of the I. D. Act has not application so far as the present dispute is concerned. All these contentions were considered and negative by this Tribunal by an order passed on 16-12-88. This order was also challenged by the Corporation before the Hon'ble High Court of Orissa in O.J.C. No. 2609 of 1989. The Hon'ble Court disposed of the aforesaid O.J.C. by their order No. 4 dated 14-8-89. Their Lordships in disposing of the said writ petition held that nomenclaturing two of the factors as issues might have led to some misunderstanding and directed the Tribunal to answer the issue No. 1 as had been originally framed taking into consideration the basic factors as directed by the Court in regard to which the parties may adduce evidence. The basic factors as directed to be considered in the judgment passed in O.J.C. 686 of 1979 are—(a) the reason which had prompted the Corporation to grant field allowance to employees serving in the camps in remote areas; (b) the comparative growth or modern amenities in course of the time in some other areas which have become small township such as Daitari and (c) the financial position of the petitioner as to whether it would be possible for it to take the additional burden.

7. After the record was received back both parties have examined witnesses and have produced and proved documents in report of their respective contention. The First Party-Corporation which had examined one witness prior to remand examined 10 more witnesses after remand. The second party-workmen who had examined two witnesses prior to remand examined two more witnesses after remand. Both parties have also advanced elaborate arguments on the questions at issue.

8. Before entering into a discussion of the evidence adduced by both parties on the issues involved and also their respective contentions, I propose to make a short analysis of the facts and circumstances appearing in the case so as to understand the dispute referred for adjudication in its proper perspective.

9. From the evidence of MW-1 the Labour Welfare Officer of the Corporation and Exts. A and B produced by the Corporation, it appears that in the year 1957 an allowance known as 'field establishment allowance' was sanctioned for the field officers and employees of the Corporation. The scales of field establishment allowance sanctioned then were—

Geologist : Rs. 75 per month

Surveyors : Rs. 25 per month

Drivers/ : Rs. 10 per month.

Camp Clerks

Peons/Chowkidars/

Watermen/Messengers/

Work Sarkar and Mates : Rs. 5 per month.

As would appear from Ext. C the Minutes of the 28th meeting of the Board of Directors held on 5th September, 1961 the field establishment allowance was decided to be called 'field allowance'. It was also decided that the said allowance should be given to the employees working in the field and residing at places with less than 3000 population (whether rail-head or not) which ordinarily lack the basic amenities of life. Thus, as we find at the initial stage field allowance was linked with the posts

held by the Officers and employees working in field areas. The Corporation issued a letter on 17th August, 1967 Ext. D to all Camp Officers/Regional Administrative Officers informing that in their 81st meeting the Board with a view to wiping out certain anomalies in the grant of field allowance had decided to adopt an uniform rate of field allowance for the employees whether direct or on deputation from Government with effect from 1-4-1967 as per the following pay range :—

Pay range	Rate
Up to Rs. 69	Rs. 5 per month
From Rs. 70—Rs. 150	Rs. 10 per month
From Rs. 151—Rs. 300	Rs. 25 per month
From Rs. 301—Rs. 500	Rs. 50 per month
From Rs. 501—and above	Rs. 75 per month

Thus, it would appear from the above decision that field allowance which was being paid to the employees in accordance with the pests they were holding was decided to be linked with not the posts but with the pay ranges of the field employees. There was a pay revision of the employees of the Corporation in 1975 which was made effective from 1-1-1974. After such pay revision the Board in its meeting held on 29-3-1975 approved a proposal making fitment of the current amount of field allowance to different revised scales of pay. It is worthwhile to quote the relevant portion of the proposal placed before the Board as per Ext. B which was approved by it.

"In the meantime pay scales of OMC employees have been revised w.e.f. 1-1-74 and the minimum pay has been fixed at Rs. 200 per month which has been proposed for increase to Rs. 215 p.m. while revising the pay scale the D.A. and A.D.A. which were given in the pre-revised scales have been merged with the pre-revised scales and suitable scales have been arrived at. Since the present scales of pay have been fixed taking into consideration the price rise and are inclusive of D.A. and A.D.A. it is considered necessary to increase the pay range for giving similar field allowance to the employees in the revised scales of pay.

It is accordingly proposed to give field allowance to the employees of the Corporation who are working in the field and are residing at places with less than 3000 populations (whether rail head or not) as per the pay range given below :—

Pay Range	Rates
Upto Rs. 249	Rs. 5 P.M.
Rs. 250—300	Rs. 10 „
Rs. 301—500	Rs. 25 „
Rs. 501—700	Rs. 50 „
Rs. 701 and above	Rs. 75 „

It seems, after fitment of field allowance was made in accordance with the new scales of pay, dispute arose between the field employees and the management because some employees who would have received field allowance at a particular rate were given less amount as field allowance as per the revised pay scales.

10. To make the position more clear I am giving below the quantum of field allowance which was allowed to the employees prior to 1-1-1974 and the quantum of field allowance which was allowed to them after 1-1-1974, i.e., after revision of the pay scales.

Quantum of field allowance paid prior to 1-1-1974

Pay Range	Rates p.m.
Upto Rs. 69	Rs. 5
From Rs. 70—150	Rs. 10
From Rs. 151—300	Rs. 25
From Rs. 301—500	Rs. 50
Rs. 501 and above	Rs. 75
Upto Rs. 249	Rs. 5
From Rs. 250—300	Rs. 10
From Rs. 301—500	Rs. 25
From Rs. 501—700	Rs. 50
Rs. 701 and above	Rs. 75

For example, take the case of an employee who had been receiving Rs. 218 as per prior to 1-1-74. He was allowed field allowance of Rs. 25 per month. As per the new fitment he was allowed Rs. 5 per month only as field allowance. Similarly, prior to 1-1-74 an employee in the pay range of Rs. 301—500 was allowed field allowance of Rs. 50 per month but after 1-1-74 he was allowed field allowance of Rs. 25 per month. The quantum of field allowance that was allowed from 1-1-74, it seems, was disputed on behalf of the employees who took the plea that the Management has brought about a reduction in the quantum, ultimately giving rise to the present reference.

11. What I want to point out by this exercise is that the dispute between the parties which has been referred for adjudication is not with regard to the non-entitlement of the employees to field allowance or for reduction of the quantum of field allowance on account of availability of modern amenities in the area in question in respect of which there was never any demand by the employer but on account of payment of less quantum of field allowance to the employees after the revision of pay scales with effect from 1-1-74 by making fitment to the new scales of pay which has been described by the Management itself as an act of rationalisation.

The claim that was made by the second party—workmen was not for enhancement of the field allowance which they had been receiving prior to 1-1-74 but was merely for restoration of the quantum of field allowance which they had been receiving prior to 1-1-74 linked to the pay they were receiving. Unfortunately, in this proceeding the Management's representatives have been able to confuse the issue. Let us say it will be held in this proceeding on the basis of evidence that Daitari area has been developed into a most modern township where all the amenities for a decent and modern life are available. Can we reduce the quantum of field allowance which the employees were receiving prior to 1-1-74 without there being any demand made by the employer in that respect and without there being a dispute relating to the same referred for adjudication? Similarly, taking into consideration the financial burden on the employer can we also reduce the quantum of field allowance? In either case it is not possible to reduce the quantum of field allowance which the employees had been receiving prior to 1-1-74 in the absence of a dispute raised in respect thereof and in the absence of a reference of such a dispute u/s 10 of the Industrial Disputes Act.

12. At this stage we may look to the demand of the workmen with regard to the field allowance as stated in their written statement dated 28-10-1978. They demanded revision of the quantum of field allowance as granted by the First Party—Management as per the decision of the Board of Directors held on 29-3-75 effective from 1-1-74 and payment of field allowance at the following rates :—

Pay Range	Rate
Upto Rs. 249	Rs. 25
From Rs. 250 to Rs. 300	Rs. 25
From Rs. 301 to Rs. 500	Rs. 50
Rs. 500 and above	Rs. 75

This demand by the workmen as to the quantum of field allowance when compared to the quantum of field allowance they had been receiving prior to 1-1-74 would indicate that the workmen did not claim a raise in the rate or quantum of field allowance which they had been receiving before 1-1-74 but they simply wanted restoration of the said quantum which had been altered by the Management as per the Board's decision dated 29-3-75 effective from 1-1-74. Thus, the revision of the quantum of field allowance which they wanted was not the revision of the quantum of field allowance which they had been receiving prior to 1-1-74 but it was revision of the quantum of field allowance which was allowed to them with effect from 1-1-74 by the Management.

13. This being the position we are now to examine as to whether the demand of the workmen for revision of quantum of field allowance which was allowed to them with effect from 1-1-74 is justified.

At the outset, I may say that the change in the quantum of field allowance brought about by the Management with effect from 1-1-74 has already been held to be illegal on account of absence of a notice u/s 9-A of the I.D. Act. This conclusion of the Tribunal has been confirmed by the Hon'ble High Court of Orissa in O.J.C. No. 686 of 1979. The Hon'ble Court, however, disapproved the manner in which the Tribunal quantified the field allowance as per the demand of the workmen because no reason had been given therefor in the Award. The Hon'ble Court further felt that the Tribunal in quantifying the field allowance as per the demand of the workmen increased the quantum of field allowance and did so without taking into consideration the relevant factors, such as, the purpose for which the allowance had been introduced, the comparative growth of modern amenities in the area in course of time and the financial position of the employer. It seems, it was not pointed out to the Hon'ble Court that in fact the workmen's demand was not for increase of the quantum of field allowance which they had been receiving prior to 1-1-74 and that it was simply for restoration of the quantum of field allowance which they had been receiving prior to 1-1-74 which according to them had been reduced. The Tribunal in the earlier Award allowed the quantum of field allowance as claimed by the workmen in their written statement. By allowing the claim of the workmen, the Tribunal as it appears restored the quantum of field allowance which they had been receiving earlier to 1-1-74 linked with their respective pay. However, because in the Award the reason for doing it was not stated, the Corporation could be able to confuse the issue and submit that the workmen had demanded for increase in the quantum of field allowance which was allowed by the Tribunal.

Even after remand of the case from the Hon'ble High Court of Orissa after disposal of the O.J.C. No. 2609 of 1989, the Corporation vehemently urged that there has been no change in the rate or quantum of field allowance, that Section 9-A has no application to this case and that the workmen are not entitled to an upward revision of the quantum of field allowance. The single answer to all these contentions could be that these are advanced either consciously to confuse the issue or on account of self-confusion on the part of the Corporation. Change there has been in the quantum of field allowance. If not, what for the Board's decision dated 29-3-75 with regard to payment of field allowance became necessary? Change there has been because the field allowance of Rs. 5, 10, 25, 50 and 75 which were linked with certain pay ranges earlier were linked with different pay ranges effective from 1-1-74. I am unable to understand as to how the contention is now raised by the Corporation that there has been no change in the quantum of field allowance so far as the workmen are concerned.

14. Now I propose to examine the dispute so far as the fixation of quantum of field allowance is concerned keeping in view the demand of the workmen.

The Hon'ble High Court of Orissa in the aforesaid Original Jurisdiction Cases have directed that the revision of field allowance has to be determined keeping in view the three factors, such as, (a) the reason which had prompted the petitioner (O.M.C.) to grant the field allowance to the employees serving in the camps in remote areas, (b) the comparative growth of modern amenities in course of the time in some of those areas which have become small townships such as Daitari and (c) the financial position of the petitioner as to whether it would be possible for it to take the additional burden.

So far as the factor No. 1 is concerned, evidence has been adduced by the Management to indicate that field allowance was allowed to the employees of the Corporation working in the field in the following circumstances. Some employees of the State Government came on deputation to the Orissa Mining Corporation to work in the prospective camps and other places such as Jajpur Road, Badamphar, Joda, Kuldih etc. Those State Government employees of the Mining and Geology Department who came on deputation claimed field allowance which they had been receiving under the Government. Then the employees of the Corporation working in those areas also claimed field allowance and under such circumstance the Corporation took a decision to grant field allowance to both the groups of employees in 1957. M.W. 2, the

Junior Administrative Officer of the Corporation stated so. He also stated that the circumstances under which field allowance was allowed have been mentioned in Ext. A which is an extract from the agenda of the 5th meeting of Board of Directors of the Corporation held on 12-2-1957. He also referred to Ext. C wherein it was stated that the Board decided that field allowance should be given to the employees working in the field and residing at places with less than 3000 population (whether railhead or not) which ordinarily lacked the basic amenities of life. Thus, these were the considerations for which field allowance was paid by the Corporation to its employees working in the field and residing away from the headquarters.

15. So far as the second factor, namely, the growth of modern amenities in Daitari area is concerned, both parties have adduced elaborate evidence on the question.

M.W. 3, a Senior Surveyor of the Corporation stated that he worked in two spells in Daitari area as a Surveyor. The first spell was in 1962-63 and the second spell was from 1967 to 1972. According to him, during his first spell, survey work was being done at Daitari hills and the surrounding areas for location of township and other developmental projects. Then there was only one forest road leading to the base camp at Talapada via Harichandanpur. The Corporation at that time had provided tents and temporary hutments in the area for accommodating its employees. There was no electricity and water supply. Food articles and other consumable goods were being purchased by the residents of the area from weekly market which was at a distance of 10 Kms. from the base camp. There was no dispensary at the base camp. There was also no Post Office or Police Station at the place. The total population in adivasi villages around the place was about 200 to 400 at that time. According to M.W. 3, at that time the corporation employees who had been working in the areas for more than a month were receiving field allowance like State Government employees. By 1967 when M.W. 3 went to work in the area for the second spell he found that there was a doctor posted there by the corporation and besides a primary school and a minor school had been established by the Corporation. The township construction was going on. Being cross-examined he stated that by 1972 when he left Daitari the total population of the Corporation employees working at Daitari was about 1000. The nearest township to Daitari then was Jajpur Road which was connected by road. A pick-up van of the corporation was plying between Daitari and Jajpur Road and the employees of the Corporation used to come from Jajpur Road to Daitari paying rupee 1 as fare. He further stated that Daitari area was like an agency area (Malabhum) but by 1971 most of the residential quarters had been built in that office and police station had been established. A club house had been built where movies were exhibited but most of the residents of the area were suffering from malaria and lungs diseases. Wild animals like tigers, elephants used to come to the area and kill men and cattle. The area was surrounded with forests. Some shops and canteens, however had come up at Daitari by 1972.

MW-4, a Manager of the Corporation proved the letter sent to him by the Asst. Director of Census, Bhubaneswar on his request intimating that the population of Daitari census town as per 1981 census was 4,844. MW-4 stated that according to his estimation at present the total population in Daitari area would be around 10,000. He also stated that the Corporation has provided free accommodation, free electricity, free filter water supply, free education, free transport to the work site, free cinema show, free club and sports activities, subsidised canteen services and free medical treatment to the employees of the Corporation stationed at Daitari. Besides, the Corporation is running a hospital at Daitari where there is one male doctor and a lady doctor. A Pathology department has been provided and an X-Ray machine has been installed in the said hospital. There is also provision for treatment of indoor patients in the hospital where free diet is provided. If any employee is found needing specialised treatment anywhere in India the Corporation arranges the same at its own cost. Para medical staff have been stationed at Daitari by the Corporation.

On behalf of the workmen the following witnesses were examined to state about the environment and conditions prevailing at Daitari

WW-1 stated in his evidence that the total population in Daitari area would be roughly 5000. He admitted that he has been provided with a rent free quarters. Besides the employees who are given quarters are also supplied free electricity and are given free medical aid. He admitted that the employees of the Corporation are given rice at subsidised rate. Filtered water are also supplied to the employees. Cinema shows are exhibited every Sunday free of cost. There is telephone connection to Daitari and there is a post office and police station. There is also a High School at Daitari managed by the Corporation.

WW-3 while stating about the difficulties faced by the employees subsiding at Daitari admitted that at present there are about 400 to 450 quarters at Daitari for the Corporation's Officers and employees and to those quarters electricity and water are supplied free of rent. He also admitted that there is a minor school and a High School established by the Corporation at Daitari. There are four canteens run by the Corporation. He also admitted about the running of a dispensary at Daitari by the Corporation where from 1982 two doctors have been posted. Ambulance cars are provided. He also stated about the supply of consumer goods at subsidised rates by the Corporation to its employees. He further stated that by 1967, electricity had been provided to the residential quarters provided by the Corporation free of cost and the employees were using heaters and cookers for cooking food. Besides Kerosene was being supplied to the employees on subsidy rates. He admitted about the establishment of schools of different grades at Daitari where free education is imparted to the children of the employees. He stated about establishment of private shops in the area and establishment of clubs by the employees for which donations are paid by the Corporation. To the same effect is the evidence given by the other witnesses examined on behalf of the second party-workmen.

The evidence adduced on this question both on behalf of the first party-Management and the second party-workmen do reveal the position that Daitari and its surrounding area have not been as they were when the Corporation first took up the mining operation in the area. Those have developed by lapse of time. Daitari itself has been provided with some modern amenities by the Corporation such as Schools for education of the children of the employees and hospital for treatment of the employees and their family members. There has been improvement in transport and communication facilities. Arrangement have also been made for providing entertainment to the employees residing in the area.

16. Now coming to the third factor, namely, the financial position of the Corporation as to whether it would be possible for it to take the additional burden, I would refer to the evidence adduced by the Management on the said matter.

In this connection, I propose to refer to the evidence of MW-10, who is the Deputy General Manager-cum-Chief Accounts Officer of the Corporation. He proved the Annual Reports (Ext. U series) issued by the Corporation from 1974-75 onwards to show the financial position of the Corporation. He also produced and proved a tabular statement of profit and loss position of the Corporation yearwise from 1957 until 1983-84. He stated that Daitari unit is a separate establishment of the Corporation and from the inception it is a losing unit. Being cross-examined, however, he made the following statements :

"Today so far as the financial position of the O.M.C. is concerned it is in a good shape. From the year 1975-76 till the year 1983-84 as shown in Ext. V, the O.M.C. did not sustain any loss but earned a meagre profit. During the year 1976-77 it earned a profit of Rupees 524.77 lacs. This profit almost wiped out the past losses. In the statement of profit and loss position shown in Ext. V, the past losses have been shown adjusted when profit is reflected for particular years. Since the accounting year 1977-78 the corporation did not suffer any net loss."

He admitted that the Corporation has given donations for construction of the planetarium at Bhubaneswar and has also given donations for the benefit of general public which are reflected in the profit and loss account in the balance sheets. To explain away the evidence of MW. 10 about the

earning of profit by the corporation, a Chartered Accountant was examined on behalf of the Corporation as M.W. 11. He proved the income tax assessment order Ext. W for the accounting period ending with 30th March, 1983 and stated that for this period no income tax was payable because the total income of the corporation was determined as nil. He made similar statement relating to other years and stated that from 1973-74 till 1983-84 there has been no payment of income tax by the corporation because there was no taxable income. He stated that held allowance is a non-statutory payment.

We all know that accounts for the purpose of income tax is something different than the general business accounts. Merely because an income does not become taxable under the Income Tax Act we can not say that it is not an income earned by a business. The categorical statement made by M.W. 10 who is the Chief Accounts Officer of the Corporation clearly goes to show that the financial position of the Corporation is in a good shape. The evidence of MW.11, a Chartered Accountant hired and engaged by the Corporation as a tax consultant can not wipe out the evidence of MW.10. MW. 11 admitted that in the year 1985-86 and thereafter in each accounting year the Corporation has paid income tax. He further admitted that even if an industry earns net profit in an accounting year there may not be any taxable income for the purpose of payment of income tax and it may also be vice-versa. He also stated that even if there is no profit in an accounting year under certain circumstances, the industry may have to pay income tax.

Thus, on a consideration of the aforesaid evidence, both oral and documentary, I would hold that the Corporation so far as its financial position is concerned, is in a very good shape.

17. Now coming to the question of the additional burden which the Corporation is to suffer in case the demand of the workmen for restoration of the quantum of field allowance which they had been receiving prior to 1st January, 1974 is allowed, evidence have been laid on behalf of the corporation to show the additional expenditure the corporation would incur on payment of field allowance as demanded by the workmen which had been allowed by the Tribunal in its earlier Award and which has been quashed by the Hon'ble High Court of Orissa. In this connection, M.Ws. 5, 6, 7 and 8 were examined. M.W. 5 stated that while he was working at the Regional Office at Jaipur Road he received a telegraphic message from the Dy. General Manager (Admn.) Ext. M by which he was directed to sent calculations giving yearwise additional financial burden to be put on the Corporation if field allowance is paid as per the decision given by the Tribunal. M.W. 5 sent the financial implications as per his calculation sheet Ext. N/1 showing that at the rate demanded by the workmen which had been allowed by the Tribunal in its earlier Award which has since been quashed, Rs. 5,16,920 would be paid from 1st January, 1974 upto the end of 1984-85. The other witnesses also have proved the calculation sheets they prepared in respect of the additional financial implication involved if field allowance is paid at the rate demanded by the workmen.

18. So far as this question is concerned, it is to be kept in mind that the quantum of field allowance which the workmen have demanded was the quantum of the said allowance they had been receiving prior to 1st January, 1974 which according to them has been reduced with effect from 1st January, 1974 on revision of the scales of pay of the employees. The fact that the Corporation has come forward with the case that if the quantum of field allowance as demanded by the workmen is restored it would be paying more amount as field allowance than what it is paying with effect from 1st January, 1974, establishes the fact that from 1st January, 1974, there has been reduction of the quantum of field allowance. Certainly, if the quantum of field allowance claimed by the workmen will be restored, the Corporation will have to pay more than what it is paying since 1st January, 1974 but it can not be said to be an additional burden because it had been discharging the burden prior to 1st January, 1974 and it never came forward with the demand that it was not in a position to take the burden further and therefore, the quantum of the allowance needed reduction. Besides, the amount involved does not appear to be too high which the Corporation can not bear. There is evidence which I have discussed above that the Corporation

is making huge profits year after year. It is spending huge amount towards administrative expenses. It is also donating huge amount to different organisations unconnected with the industry. Under such circumstance, how can we say that it was not able to take burden of paying an allowance which it had been paying earlier to its employees who contribute in a great way in running of the industry and in earning huge profit.

By revision of pay scales from 1st January, 1974, the Corporation's expenditure in payment of salary/wages to its employees has no doubt increased but the expenditure can not be linked with the expenditure incurred for payment of field allowance to its employees.

I would accordingly hold that the Corporation so far as its financial ability is concerned, is in a good shape and it has the capacity to pay field allowance at the rate/quantum which was prevailing prior to 1st January, 1974 to the employees who are entitled to the same.

19. Irrespective of what I have held with regard to each of the above factors the following positions emerge:—

- (i) Fitment/rationalisation of field allowance made by the Board's decision dated 29th March, 1975 which effected a revision in the quantum of field allowance paid to the second party-workmen prior to 1st January, 1974 is illegal in the absence of a notice u/s 9-A of the I.D. Act.
- (ii) Therefore, the quantum of field allowance paid to the second party-workmen prior to 1st January, 1974 has to continue.
- (iii) The demand of the second party-workmen for restoration of the field allowance as was being paid to them prior to 1st January, 1974 by revision of the quantum of the same allowed with effect from 1st January, 1974 does not amount to a demand for increase of the quantum of the field allowance.
- (iv) The Management having not demanded reduction of the quantum of field allowance payable to the employees on account of development of the area to which it was applicable and providing of modern amenities and also on ground of its financial position and having not raised any dispute in that regard and no such dispute relating to reduction of field allowance having been referred for adjudication in the present proceeding, there could be no finding recorded relating to the same.

20. In the result, therefore, on the basis of the aforesaid analysis, the reference is answered as below:—

The demand of the workmen of Daitari Iron Ore Mines of M/s. Orissa Mining Corporation Ltd., Bhubaneswar for revision of quantum of field allowance made applicable to them by the Management by the decision of the Board of Directors of the O.M.C. Ltd. dated 29th March, 1975, effective from 1st January, 1974, is justified. The second party-workmen are entitled to field allowance at the rates linked with their pay irrespective of the revision of their pay scales made and given effect to from 1st January, 1974.

S. K. MISRA, Presiding Officer
[No. Dy. 458/90-IR(Misc.)]
V. K. SHARMA, Desk Officer

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, 1990

का. घा. 1394—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार मै. इन्दरोल लुब्रिकैंट्स एंड स्पेशलिटिज लि., कलकत्ता के प्रबंधन के सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कलकत्ता के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार का 23-4-90 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 25th April, 1990

S.O. 1394.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of M/s. Indrol Lubricants & Specialities Ltd., Calcutta and their workmen, which was received by the Central Government on 23rd April, 1990.

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 3 of 1989

PARTIES:

Employers in relation to the management of M/s. Indrol Lubricants & Specialities Ltd., Calcutta.
AND

Their Workmen.

APPEARANCES:

On behalf of employer—Mr. R. N. Banerjee, Advocate.
On behalf of workmen—Mr. A. K. Roy Chowdhury, Advocate.

STATE : West Bengal.

INDUSTRY : Oil.

AWARD

By Order No. L-32012/12/88-D.III(B) dated 5th January, 1989, the Government of India, Ministry of Labour referred the following dispute to this Tribunal for adjudication:

"Whether the action of the management of M/s. Indrol Lubricants & Specialities Ltd., 14, India Exchange Place, Calcutta-700001 in dismissing Shri Abdul Mazid Khan, Loading Workman of Paharpur Plant from service with effect from 27th July, 1988 is justified? If not, to what relief is the workman entitled?"

2. When the case is called out today, both parties appear and file a Joint Petition of Compromise, duly signed by both parties. They pray for an Award in terms of the Joint Petition of Compromise. Considered the said Joint Petition of Compromise as well as the submission of both parties. The terms of the Joint Petition of Compromise appear to be fair, reasonable and in the interest of the parties. I therefore, accept the same and pass an 'Award' in terms of the said Joint Petition of Compromise which do form part of this Award as Annexure-A.

This is my Award.

SUKUMAR CHAKRAVARTI., Presiding Officer
[No. L-30012/12/88-D.III(B)]
V. K. SHARMA, Desk Officer.

Dated, Calcutta,
The 12th April, 1990.

ANNEXURE-A

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, CALCUTTA

In the matter of:

Reference No. 3 of 1989
AND

In the matter of:

A purported industrial dispute.

BETWEEN

Indrol Lubricants & Specialities Ltd., 14, India Exchange Place, Calcutta.

AND

Their Workmen represented by General Staff & Workers' Union, 14, India Exchange Place, Calcutta.

The humble joint Petition of Indrol Lubricants & Specialities Ltd. and Sri Abdul Mazid Khan—

Most Respectfully Sheweth :

1. That the aforesaid order of Reference, which is now awaiting adjudication before the learned Tribunal, is in the following terms:—

"Whether the action of the management of M/s. Indrol Lubricants & Specialities Ltd., 14 India Exchange Place, Calcutta-700001 in dismissing Shri Abdul Mazid Khan, Loading Workman of Paharpur Plant

from service with effect from 27th July, 1988 is justified. If not, to what relief is the workman entitled?

2. That Shri Abdul Mazid Khan, whose dismissal is the subject matter of the instant Reference, approached, independently of the Coastal Staff & Workers' Union, the Management for a settlement of the dispute bilaterally.

3. That, in pursuance of the request of Shri Abdul Mazid Khan, several negotiation took place between the management of Indrol Lubricants & Specialities Ltd., and Shri Abdul Mazid Khan for a settlement of the dispute bilaterally. The last of such negotiations took place on December 8, 1989.

As a result of these negotiations, the parties have arrived at a settlement of the dispute bilaterally on terms embodied hereinafter.

Terms of Settlement

(i) That though Abdul Mazid Khan has been dismissed for such acts of misconduct which disqualify him for any entitlement to bonus and gratuity, Indrol Lubricants & Specialities Ltd., agrees to pay him such sums as would have been found payable to him as Bonus and Gratuity had it been a case of resignation.

(ii) That, in consideration of Indrol Lubricants & Specialities Ltd. agreeing to pay Abdul Mazid Khan two sums equivalent to bound and gratuity, Abdul Mazid Khan agrees:

(a) not to prosecute any further, or participate in, the pending adjudication before the Central Government Industrial Tribunal Calcutta, being Reference No. 3 of 1989, either directly or through any union or through any federation of unions or in any other manner whatsoever;

(b) not to agitate before any forum, civil, industrial or otherwise any grievance purported to have arisen out of his dismissal by Indrol Lubricants & Specialities Ltd., with effect from July 27, 1988; the benefits agreed to be paid by Indrol Lubricants & Specialities Ltd. as specified in (i) above having satisfied all his grievances;

(c) not to question or assail the propriety and/or validity of the dismissal before any forum, civil, industrial or otherwise, seeking reinstatement in the employment of Indrol Lubricants & Specialities Ltd.;

(d) to accept the dismissal as conclusive;

AND

(e) to file jointly with Indrol Lubricants & Specialities Ltd., a petition before the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, for disposal of the Reference No. 3 of 1989, in terms of this settlement, which are just, fair and equitable.

4. That in pursuance of clause (ii)(e) of the terms of settlement set out above, both the parties, that is to say, Indrol Lubricants & Specialities Ltd., and Sri Abdul Mazid Khan, jointly submit and pray before the learned Tribunal for disposal of the Reference No. 3 of 1989 by an Award in terms of the aforesaid settlement, the terms being just, fair and equitable.

Under the circumstances your petitioners most humbly pray that your Honour may—graciously be pleased to dispose of the Reference No. 3 of 1989 by an Award in terms of the settlement set out above holding that the said terms are just, fair and equitable.

And your petitioners, as in duty bound, shall ever pray.
Indrol Lubricants & Specialities Ltd.

Sd/-

N. N. Roy Chowdhury,
Sr. Commercial Manager,
LTI of Abdul Mazid Khan.

L.T.I. of Abdul Majid Khan
Witnessed by Sulsoswami

VERIFICATION

I, N. N. Roy Choudhury, Indrol Lubricants & Specialities Ltd., Calcutta, do hereby solemnly declare and say that the statements made in paragraphs 1, 2 and 3 (including the sub-paragraphs thereof) of the foregoing petition are true to my knowledge and those contained in paragraph 4 of thereof and my submissions before the learned Tribunal.

I sign this verification at Calcutta on this day of February, 1990.

Indrol Lubricants & Specialities Ltd.
Sd/- N. N. Roy, Choudhury
Sr. Commercial Manager.

VERIFICATION

I, Abdul Mazid Khan, the dismissed workman of Indrol Lubricants & Specialities Ltd., Calcutta, do hereby solemnly declare and say that the statements made in paragraphs 1, 2 and 3 (including the sub-paragraphs thereof) of the foregoing petition are true to my knowledge and those contained in paragraph 4 thereof are my submissions before the learned Tribunal.

I sign this verification at Calcutta on this day of 28th February, 1990.

LTI of Abdul Mazid Khan
Witnessed by Sulsoswami.

नई दिल्ली, 18 अप्रैल, 1990

का. आ. 1395.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार मेसर्स भारत कोकिंग कोल लिमिटेड की पुतकीकोलियरी के प्रबन्ध सन्तुल से सम्बन्धित नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं. 2) धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 11-4-90 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 18th April, 1990

S.O. 1395.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Pootkee Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 11-4-1990.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2) AT DHANBAD

Reference No. 12 of 1983

In the matter of an industrial dispute under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947

PARTIES:

Employers in relation to the management of Pootkee Colliery of Messrs. Bharat Coking Coal Limited and their workmen.

APPEARANCES:

On behalf of the workmen: Shri S. Bose, Secretary, R.C.M.S., Dhanbad.

On behalf of the employers: Shri R. S. Murthy, Advocate.

STATE: Bihar.

INDUSTRY: Coal

Dhanbad, the 5th April, 1990

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on them under Section 10(1)(d) of the I. D. Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide their Order No. L-20012 (243)/82-D.III(A), dated, the 18th February, 1983.

SCHEDULE

"Whether the demand of the workmen of Pootkee Colliery in Bhagaband Area No. VII of Messrs. Bharat Coking Coal Ltd. Post Office Kusunda, District Dhanbad that Shri Mansoor Mian should be regularised as Telephone Operator/Attendant with a suitable designation and as Clerical Grade-III from October, 1979 is justified? If so, to what relief is the said workman entitled?"

The case of the workmen is that the concerned workman Shri Mansoor Mian is a permanent employee of Putki Colliery of M/s. BCCL since July, 1953. He was engaged as Telephone Operator/Attendant in Sand Bunker of the mine. He has been performing the said duty of telephone operator/attendant with effect from 27-10-79 continuously but has not been paid the equivalent rate of wages of clerical grade-III which is the appropriate rate of wages for a operator/attendant. The management has denied the concerned workman his legitimate rate of wages as well as the management is guilty of arbitrary and illegal action. The other workmen on similar duty in the colliery are properly paid clerical grade. The management is discriminating against the concerned workman which amounts to unfair labour practice by not paying him similar rate of wages as is being paid to the other workmen doing similar duty. On the above facts it is prayed that an Award be passed in favour of the concerned workman directing the management to pay wages of Clerical Grade-III with effect from 27-10-79 with consequential effects and costs of the proceedings.

The case of the management is that the concerned workman Mansoor Mian was initially appointed in July, 1954 in Putki colliery. From October, 1979 he is working as Phone attendant in Cat. II (daily rated) at Sand mixing chamber. A RAX telephone system was installed in Putki colliery on the surface in October, 1979 with connections from two junction line exchange to different section. After the RAX telephone system was installed the concerned workman expressed his desire to be given training to work on the RAX system and he was given this opportunity from December, 1979 for learning work of telephone despatcher. The main job of a worker employed to do the work of telephone despatcher is to receive messages and to pass on to the different section and maintain proper records of communication. It transpired that the concerned workman was illiterate and was not fully equipped with educational or otherwise for the job of telephone despatcher. The management stipulated that the persons working as telephone despatcher should at least be matriculate so that they are able to discharge duties to the post efficiently and effectively. When Shri Mansoor Mian himself found that he could not get himself adequately equipped to work as telephone despatcher, he himself preferred to go back to his previous job and accordingly he was put on the job of telephone attendant with effect from 24-5-81. Thereafter the matter ended. On 29-8-81 the concerned workman requested the management to pay him the difference of wages for the period from 27-10-79 to 24-5-81 when he was deputed for training on the RAX telephone system but the management did not accept to pay the difference of wages to him. There were some other workers also similarly detailed for training and during their period of training they were also not paid anything extra. The concerned workman was put on training from 1-12-79 and not from 27-10-79. Since the demand of the workmen himself was for payment of the difference of wages the question of regularising him as telephone operator/attendant with a suitable designation in clerical grade III from October, 1973 does not arise. There is no post of telephone attendant as such and neither it has been specified in the wage board recommendation or in subsequent NCWAs-I, II and III. A telephone attendant who attends to the telephone call cannot be equated with telephone operator whose duties are entirely different. The concerned workman had never worked as telephone operator. On the above facts it is submitted on behalf of the management that the demand of the workmen of Putki colliery that the concerned workman be regularised as telephone operator/attendant in Clerical Grade-III with suitable designation from October, 1979 is not justified and that the concerned workman is not entitled to any relief.

The points for decision in the case are—

- (1) Whether the concerned workman Shri Mansoor Mian is entitled to be regularised as Telephone Operator/Attendant in Clerical Grade-III with a suitable designation from October, 1979 is justified?
- (2) Whether the concerned workman is entitled to the payment of difference of wages for the period between October, 1979 to 24-5-81?

The workmen examined the concerned workman Mansoor Mian as WW-1. The workmen did not examine any other witness. The workmen also did not produce any document as exhibit. The management did not examine any witness in the case but exhibited one document as Ext. M-1.

Point Nos. 1 & 2

Both these points are inter-connected and as such for the sake of convenience I have taken up these two points together.

It is the admitted case of the parties that the concerned workman was working as Telephone attendant from October, 1979 in Cat. II (daily rated). The case of the workmen is that the concerned workman is working as Telephone attendant in the Sand Bunker of the mines whereas according to the management the concerned workman was working as telephone attendant at Sand mixing chamber. The workman WW-1 has stated in his examination that in 1963 he was employed to work in Sand Bunker as Chute man and since 1969 he was working as Telephone attendant and continuing as such. In cross-examination he has stated that the sand bunker is in the underground, where one telephone is installed. He has stated that he used to get message on phone from the coal face for the release of sand for stowing and thereafter he used to release sand. He further stated that his phone was connected with the coal face for that purpose. He has further stated that in each shift there is telephone attendant and that the other 2 telephone attendants are also in Cat. II. He has clearly stated that there are telephone operators in the telephone exchange whose work is different from the work of telephone attendant. He has stated that telephone operators are in clerical grade-III. He stated that the telephone exchange was opened on 27-10-79 and he had worked in the said exchange till 25-3-81 and thereafter he was again sent back to work as telephone attendant. Ext. M-1 is the application filed by the concerned workman before the management. It is stated by the concerned workman in his application Ext. M-1 he had demanded difference of wages of telephone operator from 27-10-79 to 23-5-81. He has stated in Ext. M-1 that he was working as a phone attendant in the Bunker and that from 27-10-79 he was given work to work as telephone operator in the colliery exchange and worked there till 23-5-81. He has stated that he was not paid the proper wages of a telephone operator for the period he had worked in the exchange as telephone operator and was paid only the wages of Cat. II. It will thus appear from the evidence of the concerned workman WW-1 and application Ext. M-1 dated 29-8-81 that the concerned workman was actually claiming for the payment of difference of wages of Cat. II and telephone operator from 27-10-79 to 23-5-81. Admittedly a telephone operator is in clerical Grade-III. It will appear from the evidence of WW-1 that he had worked as telephone operator from 27-10-79 and had worked in the exchange as telephone operator till 23-5-81. The management has himself produced Ext. M-1 dated 29-8-81 which was the application of the concerned workman in which he had claimed that he had worked as telephone operator in the colliery exchange from 27-10-79 to 23-5-81. The evidence of the workmen that the concerned workman had worked as telephone operator in the exchange from 27-10-79 to 23-5-81 has not been challenged by the management. The management has not even put any suggestion to WW-1 that he had not worked as Telephone Operator during the period for which the workmen have claimed. The case of the management in the W.S. is that the concerned workman himself had requested for giving him training to work in the RAX system and was given this opportunity from December, 1979 for learning the work of telephone despatcher. But the management has not produced any document to show that he was just put in the RAX telephone system for training and that he had not worked as telephone operator during the period of claim.

It is admitted by the concerned workman himself that after 23-5-81 he returned back to his old job of telephone attendant and as such there is no question of his regularisation as telephone operator. He had left working as telephone operator from 24-5-81 and as such he was not doing the job of telephone operator with effect from 24-5-81 and therefore he cannot claim regularisation for the post of telephone operator.

However, it appears that the concerned workman had worked as telephone operator in the exchange of RAX telephone system from October, 1979 to 23-5-81 and as such the concerned workman is entitled to the difference of wages of clerical grade III for working as telephone operator for the period 27-10-79 to 23-5-81. The concerned workman is working as Telephone attendant. It will appear from the evidence of WW-1 that there are two other telephone attendants working along with him who are also getting the pay scale of Cat. II. He admitted that the work of telephone operator is different from the work of telephone attendant. There is no specific scale of pay prescribed in the Wage Board Recommendation or NCWAs for telephone attendant and as it appears that the work of Telephone operator is of a Higher scale and qualification they are getting Clerical Grade-III. As for the telephone attendant, the concerned their job is of a lower degree and it appears that the management is paying Cat. II to the other telephone attendants also and as such the management has not discriminated in the case of the concerned workman in paying the wages of Cat. II. I hold therefore that the concerned workman has been rightly placed as Telephone attendant in Cat. II and that the job being performed by the concerned workman cannot be put in clerical grade-III.

In view of the discussions made above I hold (1) that the concerned workman Shri Mansoor Mian is not entitled to be regularised as telephone operator/attendant in clerical grade-III with suitable designation from October, 1979 and (2) that the concerned workman is entitled to the payment of difference of wages for the period from 27-10-79 to 23-5-81.

In the result, I hold that the demand of the workmen of Pochhi colliery is Bhagaband area No. VII of M/s. BCCI. that Shri Mansoor Mian should be regularised as Telephone operator/attendant with suitable designation and in clerical grade-III from October, 1979 is not justified. The management however, is directed to pay the concerned workman the difference of wages of Cat. II and Clerical Grade-III from 27-10-79 to 23-5-81 within one month from the date of publication of the Award.

This is my Award.

I. N. SINHA, Presiding Officer
[No. L-20012(243)/82-D.III(A)/IR (C-I)]
K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

नई दिल्ली, 20 अप्रैल, 1990

का. आ. 1396:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार मध्य प्रदेश कांलफील्ड लि. का हिन्दगिरी कोल्यरी के प्रबंधक से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं. 1) धनबाद के पंचाट की प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-4-90 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 20th April, 1990

S.O. 1396.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Industrial Tribunal, No. 1, Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the Hindgiri Colliery of Central Coal Fields Ltd. and their work-

men, which was received by the Central Government on the 16th April, 1990.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 144 of 1988

PARTIES :

Employers in relation to the management
Hindgiri Colliery of M/s. C.C. Ltd.,

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Shri S. K. Mitra,
Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers.—Shri R. S. Murthy, Advocate.

For the Workmen.—Shri Anand Mohan Prasad,
Authorised Representative

State : Bihar

Industry : Coal

Dated, the 9th April, 1990

AWARD

The present reference arises out of Order No. L 24012/32/88-D-IV(B)/D-IV(A), dated the 31st October, 1988, passed by the Central Government in respect of an industrial dispute between the parties mentioned above. The subject matter of the dispute has been specified in the schedule to the said order and the said schedule runs as follows :

"Whether the action of the management of Hindgiri Colliery of M/s. Central Coalfield Ltd. in dismissing Sri Jay Narayan Tiwari, Security Guard with effect from 29-12-84 is justified or not? If not, what relief the workman concerned is entitled?"

2. The dispute has been settled out of Court. A memorandum of settlement has been filed in Court. I have gone through the terms of settlement and I find them quite fair and reasonable. There is no reason why an award should not be made on the basis of terms and conditions laid down in the memorandum of settlement. I accept it and make an award accordingly. The memorandum of settlement shall form part of the award.

3. Let a copy of this award be sent to the Ministry as required under section 15 of the Industrial Disputes Act, 1947.

S. K. MITRA, Presiding Officer

[No. L-24012(32)/88-D.IV(B)/IR (c-1)]

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL
TRIBUNAL NO. 1 DHANBAD

REF. NO. 144 OF 1988

PARTIES :

Employers in relation to the management of
Hendegir colliery of Central Coalfields
Ltd. P.O. Hendegir, Dist.

AND

Their workmen.

JOINT COMPROMISE PETITION OF EMP-
LOYERS AND WORKMAN CONCERNED

The above mentioned Employers and the workman concerned, Sri Jay Narayan Tiwari most respectfully beg to submit jointly as follows :—

- (1) That the Employers and the workman concerned have jointly negotiated the matter covered by the above reference with a view to arriving at an amicable and mutually acceptable agreement/settlement.
- (2) That as a result of such negotiations, the Management and the workman concerned have agreed to settle the matter on the following terms and conditions :—
 - (a) It is agreed that the workman concerned, Sri Jay Narayan Tiwari, will be reinstated as Security Guard by the Management within 15 days of this joint compromise petition being accepted by this Hon'ble Tribunal.
 - (b) It is agreed that on reinstatement the basic pay of the workman concerned will be fixed in the pay scale of the post of Security Guard as laid down in N.C.W.A. IV at the stage corresponding to the stage in N.C.W.A. III at which he was at the time of his dismissal from service, his date of dismissal being 28-12-84, and he will have continuity of service and his next increment will fall due one year after the reinstatement and subsequently he will draw annual increments as per the rules of the Management.
 - (c) It is agreed that the workman concerned will not be entitled to any back wages or other benefits for the intervening period between the date of his dismissal and reinstatement except the benefit indicated in clause (b) above.
 - (d) It is agreed by the workman that he will maintain good conduct and that if he indulges in any misconduct in future and if it is duly proved in a domestic enquiry, the Management shall have the right to dismiss him from service.
 - (e) It is agreed that the Management shall post him on reinstatement in a colliery establishment other than Hendegir colliery and that the Management will have the right to transfer him to other units from time to time as per the provisions

of standing orders/rules of the Management.

- (f) It is agreed that this is an overall agreement/settlement in full and final settlement of all the claims of the workman concerned arising out of the above reference.

- (3) That the Management and the workman concerned declare hereby that they consider the above terms and conditions as fair, just and reasonable to both the parties.

In view of the above, the Employers and the workman concerned pray that the Hon'ble Tribunal may be pleased to accept this joint compromise petition and dispose of the above reference by giving an award in terms thereof.

RAL S. MUPTHY, Advocate for Employers

JAY NARAYAN TIWARI,

Workman Concerned

ANAND MOHAN PRASAD,

Authorised Representative of Workman Concerned
DHANBAD : 4-4-1990.

का. आ. 1397 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार श्री कृष्णा हार्डकोक इंडस्ट्रीज, बागसुमा, गोविन्दपुर, धनबाद के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं. 1) धनबाद, के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 16-4-90 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1397.—in pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1, Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to Shri Krishna Hard Coke Industries, Bagsuma, Govindpur, Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 16-4-90.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT IN-
DUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

In the matter of a reference under sec. 10(1)(d)
of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 149 of 1989

PARTIES :

Employers in relation to the management of
Srikrishna Hard Coke Industries, Govind-
pur.

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Shri S. K. Mitra, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers.—Shri S. P. Rakshit, Ad-
vocate.

For the Workmen.—None.

State : Bihar

Industry : Hard Coke

Dated, the 9th April, 1990

AWARD

By Order No. L-20012/200/89—I.R. (Coal-I), dated the 3rd November, 1989, the Central Government to the Ministry of Labour, has in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of Sect. 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication by this Tribunal :

"Whether the action of the management of Shree Krishna Hard Coke Industries in terminating the services of Shri Kalipado Kumbhakar and Shri Ramadhar Singh is justified ? If not, to what relief they are entitled to ?"

2. The appropriate Government was pleased to make this reference on 3-11-89 and the same was received in the office of this Tribunal on 6-11-89. Since then in spite of several notices issued to the concerned workman, S/Shri Kalipado Kumbhakar and Ramadhar Singh, through their sponsoring union, Chairman Dhanbad Industrial Workers' Union Govindpur, Dhanbad, they did not appear nor did the sponsoring union take any interest in pursuing the present industrial dispute. In the circumstances, I have no reason to believe that neither the concerned workmen nor the sponsoring union is interested in pursuing the industrial dispute.

3. Hence, I am constrained to pass a 'no dispute' award in the present case.

This is my award.

Sd/-

S. K. MITRA, Presiding Officer
[No. L-20012(200)/89-IR(Coal-I)]

नई दिल्ली, 30 अप्रैल, 1990

का. आ. 1398—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मेसर्स भारत कोकिंग कोल लि. की जीलगोरा कोलियरी के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (सं. 1) धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है।

New Delhi, the 30th April, 1990

S.O. 1398.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, No. 1, Dhanbad as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Jealgora Colliery of M/s. Bharat Cooking Coal Ltd. and their workmen.

1184 GI/90—11

ANNEXURE**BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD.**

In the matter of a reference under section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 7 of 1990

PARTIES :

Employers in relation to the management of
Jealgora Colliery of M/s. B.C.C. Ltd.

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Shri S. K. Mitra, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employer : None.
For the Workmen : Shri D. Mukherjee,
Secretary, Bihar Colliery Kamgar Union.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dated, the 9th April, 1990.

AWARD

By Order No. L-20012/88/89-I.R. (Coal-I), dated, the 11th January, 1990, the Central Government in the Ministry of Labour, has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

"Whether the action of the management of Jealgora Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd., in superannuating Shri Jamaluddin, Mechanical Fitter w.e.f. 1-7-87 from service is justified ? If not, to what relief is the concerned workman entitled to ?"

2. The appropriate Government was pleased to make the reference on 11-1-90 and the same was received in the office of this Tribunal on 15-1-90.

3. Shri D. Mukherjee, Secretary, has appeared for the sponsoring union, Bihar Colliery Kamgar Union, Dhanbad and submitted that the union is not inclined to pursue the present industrial dispute. The concerned workman has not appeared.

4. Since the union has expressed its unwillingness to pursue the dispute and the concerned workman has not appeared, I have reason to believe that neither the sponsoring union nor the concerned workman is interested in pursuing this dispute.

5. Hence, I am constrained to pass a 'no dispute' award in the present case.

This is my award.

S. K. MITRA, Presiding Officer
[No. L-20012(88)/89-IR(Coal-I)]

K. J. DYVA PRASAD, Desk Officer

नई दिल्ली, 21 अप्रैल, 1990

का. आ. 1399—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण के, केन्द्रीय सरकार व मेसर्स साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि. की राजगमर कोलियरी के प्रबंधन से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण जबलपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 17-4-90 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 21st April, 1990

S.O. 1399.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Rajgamar Colliery of M/s. South Eastern Coalfields Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 17th April, 1990.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL—
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(77)/1989

PARTIES:

Employers in relation to the management of South Eastern Coalfields Ltd., Rajgamar Colliery, Korba, District Bilaspur and their workman, Shri Bishambhar Thakur, represented through the R.K.K.M.S. (INTUC), Subhash Block Qr. No. C/121, P.O. Korba Colliery, District Bilaspur (M.P.).

APPEARANCES:

For Union—Shri A. R. Kurrey, Secretary.
For Management—Shri Rajendra Menon, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mining. DISTRICT : Bilaspur (M.P.)

AWARD

Dated, April 5, 1990

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide Notification No. L-22012(178)/88-D-4 dated 6th April, 1989, for adjudication of the following dispute:—

“Whether the date of birth of Sri Bishambhar Thakur was correctly entered by Sub-Area Manager, SECL, Rajgamar Colliery in his service record? If not, to what relief the workman concerned is entitled?”

2. On receipt of reference order dated 6th April, 1989 parties were noticed to file their respective statement of claim, documents, list of reliance and witnesses. On behalf of the Union statement of claim along with certain documents was received by post on 20th October, 1989. On 1st November, 1989 Counsel for the management sought time for filing the statement of claim on behalf of the management which was allowed and next date was fixed for the purpose. On 27th March, 1990 both the parties appeared and instead contesting the dispute by filing the statement of claim etc. parties filed a Memorandum of Settlement duly signed by Shri A. R. Kurrey on behalf of the Union and Shri B. B. Singh, Personnel Manager on behalf of the management. Both the parties verified the terms of settlement on 27th March, 1990 before this Tribunal. The terms of settlement read as under:—

1. That the Management had referred the case of Shri Bishambhar Thakur on receipt of his representation to Apex Medical Board, which assessed his age as 58 years on 28th March, 1989 and accordingly he was allowed on duty in view of the age assessed.
2. That the age assessed by the Apex Medical Board was acceptable to Shri Bishambhar Thakur and accordingly Shri Bishambhar Thakur entered into a settlement with the Management of S.E.C.L., Korba (East) Area, a copy photo copy of which is enclosed herewith.
3. That the age assessed by the Apex Medical Board has been accepted by the workman and the Management and the dispute has been settled amicably.
4. That Shri Bishambhar Thakur has been allowed to resume his duties in view of the settlement arrived at on 16th May, 1989.

The copy of the settlement arrived at on 16th May, 1989 as mentioned in clause 4 above has not been filed before this Tribunal. But it appears that the workman concerned, Shri Bisambhar Thakur has been allowed to resume his duties in view of the settlement arrived at on 16th May. Therefore now no dispute subsists between the parties. 1989 on the assessment of age by the Apex Medical Board. Award is, therefore, made accordingly. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-22012(178)/88-D.IV.B/IR (C-II)]

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1990

का. आ. 1400.—औद्योगिक विवाद श्रमविवाद, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसूची के केन्द्रीय सरकार व साउथ ईस्टर्न कोल फील्ड्स लि., कोरबा के प्रशासन के संबंध में नियोजकों और उनके कार्यकर्ताओं के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक श्रमिकों जबरपुर के पंचवट को प्रकाशित करता है, जो केन्द्रीय सरकार को 17-4-90 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 23rd April, 1990

S.O. 1400.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of South Eastern Coalfields Ltd., Korba and their workmen, which was received by the Central Government on 17th April 1990.

ANNEXURE

BEFORE SHRI V. N. SHUKLA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL—
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.)

Case No. CGIT/LC(R)(89)/1989

PARTIES:

Employers in relation to the management of South Eastern Coalfields Ltd., Korba (East) Korba Colliery, District Bilaspur (M.P.) and their workman Shri K. K. Das, represented through the R.K.K.M.S (INTUC), Korba Area, Subhash Block, Quarter No. C/121, Post Korba Colliery, District Bilaspur (M.P.).

APPEARANCES:

For Union—Shri A. R. Kurrey.
For Management—Shri Rajendra Menon, Advocate.

INDUSTRY : Coal Mining. DISTRICT : Bilaspur (M.P.)

AWARD

Dated, April 5, 1990

This is a reference made by the Central Government, Ministry of Labour, vide Notification No. L-22012(175)/88-D-4 dated 28th April, 1989, for adjudication of the following dispute:—

“Whether the date of birth of Sri K. K. Das was correctly entered by Sub-Area Manager, SECL, Korba in his service record? If not, to what relief the workman is entitled?”

2. In this case, parties did not file their respective statement of claim though a number of opportunities were given to them. Perhaps they were negotiating for a mutual settlement. On 2nd March, 1990 Counsel for the management Shri Rajendra Menon filed a Memorandum of Settlement. Since no one on behalf of the Union was present on 2nd March, 1990 another date was fixed for verification of settlement before this Tribunal.

3. On 27th March, 1990 Counsel for the management, Shri Rajendra Menon and representative of the Union, Shri A. R. Kurrey appeared and verified the terms of settlement dated 20th February, 1990 duly signed by Shri B. B. Singh, Personnel Manager, SECL Korba(E) Area on behalf of the

management Shri A. R. Kurrey, Branch Secretary, RKKMS Korba (East) and the workman concerned, Shri K. K. Das. The terms of settlement are as under:—

1. That Shri K. K. Das has been superannuated with effect from 28th December, 1988 on being found medically unfit.
2. That the management has agreed and provided employment to his son as per provisions of NCWA-III.
3. That the workman and the union representing Shri K. K. Das have no grievance whatsoever regarding age dispute and has settled the case in full and final.
4. The above terms of settlement which have been mutually settled between the parties appear to be just, fair and in the interest of the workman concerned. I have, therefore, no hesitation in giving the award in terms of the settlement quoted above. Award is given accordingly. No order as to costs.

V. N. SHUKLA, Presiding Officer
[No. L-22/12(175)/88-D.IV.B/IR (C-II)]

का. आ. 1401.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार व मैसर्स ई. सी. लि. की खान्दरा कोयलखरी की नाग काजोरा जामबाद यूनिट के प्रबंधन से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कलकत्ता के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 18-4-90 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1401.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby publishes the following award of the Central Govt. Industrial Tribunal, Calcutta as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Nag's Kajora Jambad Unit of Khandra Colliery of E.C. Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on 18-4-90.

ANNEXURE
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL AT CALCUTTA
Reference No. 7 of 1985

PARTIES :

Employers in relation to the management of
Nag's Kajora Jambad Unit of Khandra
Colliery;

AND
Their Workmen.

PRESENT :

Mr. Justice Sukumar Chakravarty, Presiding
Officer.

APPEARANCE :

On behalf of employers : None.
On behalf of workmen : None.

STATE : West Bengal. **INDUSRIAL Industrial**

AWARD

By Order No. L-19012/44/84-DIV(B) dated 19th February, 1985, the Government of India, Ministry of Labour, referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Nag's Kajora Jambad Unit of Khandra Colliery of M/s. Eastern Coalfields Ltd. O.P. Ukhra, Distt. Burdwan in not granting the underground allowance for the whole month to S/Shri Sripati Mahato, Rajendra Lehar, Basdev Mahato, Ratan Nayak, Kota Buori, Sukumar Bagdi and Chandra Paswan, Hammermen is justified ? If not, to what to what relief the workmen concerned are entitled ?"

2. When the case is called out today for hearing, nobody appears from either side inspite of service of the registered notice. It appears from the record that neither party appeared also on 18-10-1989, 3-1-1990 and 19-2-1990 inspite of the issue of the registered notice to the parties. The repeated absence of the parties indicate that the parties are not interested in the present reference which has been pending since 1985. In the circumstances, the Tribunal has no other alternative but to pass a "No Dispute Award" and accordingly I do so.

This is my Award.

SUKUMAR CHAKRAVARTY, Presiding Officer
Dated Calcutta
The 9th April, 1990. Presiding Officer
[No. L-19012(44)/84-D.IV.B/IR(C.II)]
R. K. GUPTA, Desk Officer

का. आ. 1402.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार, स्टेट बैंक आफ बीकानेर पंड जयपुर के प्रबंधन से संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबंध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कानपुर के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 23 अप्रैल, 1990 को प्राप्त हुआ था।

S.O. 1402.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby published the following award of the Central Government Industrial Tribunal Kanpur as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Bikaner and Jaipur and their workmen, which was received by the Central Government on 23-4-90.

BEFORE SHRI ARJAN DEV PRESIDING OFFICER CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 218 of 1989

In the matter of dispute between :

Shri Ramendra Pratap Singh, C/o Shri Satish
Chandra Garg 333/3, Shastri Nagar Kanpur.
AND

The Regional Manager, State Bank of Bikaner
and Jaipur Region 2 Zonal Office, Abinava
Road, Shanker Bhawan New Rajendra
Nagar, New Delhi-110060.

AWARD

1. The Central Government Ministry of Labour, vide its notification No. L-12012/150/89-IR (B. 3)

dt. 7th September, 1989, has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :

Whether the action of the management of State Bank of Bikaner and Jaipur, Kanpur is justified in terminating the services of Shri Ramendra Pratap Singh, Ex-employee w.e.f. 23-4-87 ? If not, to what relief, is the workman concerned entitled to ?

2. The present case is fixed to-day for filing of the statement of claim from the side of workman. Earlier also four dates for filing of the claim statement have been given to the workman, but no claim statement has so far been filed. Today one Shri Satish Chandra, moved an application for adjournment on behalf of the workman without letter of authority seeking a month's time on the ground that the workman is unjured. From the record of the case, it also appears that on the last date he moved an application for time on the ground of illness of the workman, which was allowed and time to file claim statement was allowed till 3-1-90. Thereafter, on 3-1-90 and 21-2-90 were fixed but none appeared from the workman's side nor statement of claim was filed.

3. Thus without letter of authority issued in the name of Shri Satish Chandra Garg by the workman, the appearance of Shri Garg on behalf of the workman cannot be entertained.

4. Therefore, from the above facts and circumstances, it appears that the workman is not interested in prosecuting the case. As such a no claim award is given against the workman.

ARJAN DEV, Presiding Officer
[No. L-12012/150/89-IR(B.II)]

नई दिल्ली, 25 अप्रैल, 1990

का. ग्रा. 1403.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार स्टेट बैंक आफ पटियाला के प्रबंधन के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण व थ्रस व्यायाय, चण्डीगढ़ के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 24-4-90 को प्राप्त हुआ था।

New Delhi, the 25th April, 1990

S.O. 1403.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby published the following

award of the Central Government Industrial Tribunal-Cum-Labour Court, Chandigarh as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of State Bank of Patiala and their workmen, which was received by the Central Government on 24-4-90.

ANNEXURE

BEFORE SHRI ARVIND KUMAR, PRESIDING
OFFICER, CENTRAL GOVT., INDUSTRIAL
TRIBUNAL-CUM-LABOUR COURT
CHANDIGARH

Case No I.D. 5/89

Employers in relation to the management of State Bank of Patiala.

AND

Their workman : Ashwani Kumar Sharma.

For the workman : Workman in person

For the management : Shri N. K. Zakhmi.

INDUSTRY : Banking STATE : Himachal Pradesh

AWARD

Central Govt. vide gazette notification No. L-12012/207/88-D-3(a) dated 29th December 1988 issued under Section 10(1)(d) of the I.D. Act 1947 referred the following dispute to this Tribunal for decision on a dispute raised by Shri Ashwani Kumar Sharma.

"Whether the action of the State Bank of Patiala in suspending Shri Ashwani Kumar Sharma, Head Clerk at their Solan Branch on 27-6-88 is legal and justified ? If not, to what relief, the workman concerned is entitled and from what date ?"

2. During the pendency of the proceedings the parties have amicably settled the dispute and to-day the applicant has informed the Tribunal accordingly. To this effect A. K. Sharma workman had made the statement that in view of the revocation of the suspension order with retrospective effect he has been paid all the arrears of salary and allowance and does not want to persue this case and the same may be filed as withdrawn.

3. The statement has been approved by Shri N. K. Zakhmi representing the State Bank of Patiala. As a result of this since parties have amicably settled the dispute thus a No dispute Award is returned

Chandigarh.
10-4-1990

ARVIND KUMAR, Presiding Officer
[No. L-12012/207/88-D.III(A)] [DR(BII)]
S. C. SHARMA, Desk Officer